अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com

उत्तर प्रदेश (लखनऊ व कानपुर) से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र

आर.एन.आई. नं.-यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद,आजमगढ़, अयोध्या, झांसी, अम्बेडकरनगर, एटा, औरैया, अमेठी, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोएडा, सुल्तानपुर, कासगंज सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 14 अंक 350 लखनऊ, बुधवार, 09 जुलाई 2025 पृष्ठ: 8 मूल्य : 2.00

संक्षिप्त

जलालउद्दीन की गतिविधियां समाज विरोधी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी : मुख्यमंत्री

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को एक्स पर कहा कि हमारी सरकार बहन-बेटियों की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपित जलालउद्दीन की गतिविधियां समाज विरोधी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी। आरोपित और उसके गिरोह से जुड़े सभी अपराधियों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी और उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य में शांति, सौहार्द और महिलाओं की सुरक्षा को भंग करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्हें कानून के अनुसार ऐसी सजा दी जाएगी, जो समाज के लिए एक उदाहरण बने। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को बलरामपुर जिले में जलालउद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के आलीशान कोठी को प्रशासन ने ध्वस्त किया।

बैंकों को निष्क्रिय जन धन खातों को बंद करने का निर्देश नहीं दिया: वित्त मंत्रालय

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले वित्तीय सेवा विभाग ने स्पष्ट किया है कि उसने बैंकों को निष्क्रिय पड़े प्रधानमंत्री जन धन योजना खातों को बंद करने के संबंध में कोई निर्देश नहीं दिया है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को एक वक्तव्य जारी कर मीडिया में आयी उन खबरों का खंडन किया जिनमें बैंकों को निष्क्रिय पड़े प्रधानमंत्री जन धन योजना खातों को बंद करने का निर्देश देने की बात कही गयी है। वित्तीय सेवा विभाग ने स्पष्ट किया है कि उसने बैंकों को इस तरह का निर्देश नहीं दिया है। वक्तव्य में कहा गया है कि विभाग ने एक जुलाई से पूरे देश में जन धन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना खातों की संख्या बढाने के लिए तीन महीने का अभियान शुरू किया है। बैंक इस अभियान के दौरान सभी देय खातों का दोबारा 'केवाईसी' भी करेंगे।

हज-2026 के लिए आवेदन शुरु

नई दिल्ली। हज 2026 के लिए आवेदन मंगलवार से शुरू किया गया और ऑनलाइन आवेदन 31 जुलाई तक स्वीकार किये जाएंगे। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने कहा कि हज 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी है। हज यात्रा पर जाने वाले इच्छुक यात्री हज पोर्टल एचटीटीपीएस:// हजकमेटीडॉटजीओवीडॉटआईएन या 'हज सुविधा' मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से अपना आवेदन जमा कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन विंडो आज से 31 जुलाई रात 11:59 बजे तक खुली रहेगी।

उत्तर प्रदेश ने एसडीजी इंडेक्स में लगाई विकास की छलांग, 29वें से 18वें स्थान पर पहुंचा प्रदेश

'परफॉर्मर' से 'फ्रंट रनर' की श्रेणी में पहुंचा उप्र

- 'यह सिर्फ आंकड़ा नहीं, हर नागरिक की जिंदगी में आया बदलाव है' : योगी
- हर घर जल-बिजली, कन्या सुमंगला और मिशन शक्ति बनीं एसडीजी लक्ष्यों की सफलता की रीढ़

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में वैश्विक मानकों पर आधारित सतत विकास लक्ष्यों के सापेक्ष उत्तर प्रदेश की प्रगति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते वर्षों में राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्रदेश ने सतत विकास के हर क्षेत्र में ठोस प्रगति की है। यह उपलब्धि केवल स्कोर का मामला नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने वाले परिवर्तन की पुष्टि है।

बैठक में बताया गया कि वर्ष 2018-19 में 42 अंकों के साथ 'परफॉर्मर' श्रेणी में शामिल उत्तर प्रदेश ने 2023-24 तक 25 अंकों की वृद्धि के साथ 67 का स्कोर हासिल कर 'फ्रंट रनर' राज्यों की श्रेणी में प्रवेश किया है। 2018-19 में एसडीजी इंडेक्स में 29वें स्थान पर रहा उत्तर प्रदेश आज 2023-24 में 18वें स्थान पर आ गया है। यह प्रगति इस अवधि में किसी भी राज्य द्वारा प्राप्त सबसे बड़ी छलांग है। एसडीजी इंडिया इंडेक्स में किसी एक राज्य द्वारा किया गया यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह नीतिगत स्पष्टता, योजनाओं के ठोस क्रियान्वयन और व्यापक जनसहभागिता का परिणाम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाई गई योजनाएं, जैसे; हर घर जल, हर घर बिजली, कन्या सुमंगला, पोषण अभियान, मुख्यमंत्री आरोग्य योजना, मिशन शक्ति, प्रधानमंत्री आवास योजना, मिशन कायाकल्प और ओडीओपी ने एसडीजी लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर साकार करने में निर्णायक भूमिका निभाई है। इन योजनाओं के माध्यम से आम जन का जीवन बदला है और व्यवस्था में भरोसा बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर बेटियों की शिक्षा और महिलाओं की सुरक्षा-सशक्तिकरण को लेकर राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि प्राथमिक विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं के साथ-साथ महिला सुरक्षा के लिए मिशन शक्ति जैसे अभियानों ने सामाजिक चेतना को नई दिशा दी है। स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर पहुंच और ग्रामीण इलाकों में पोषण संबंधी सुधारों का भी विशेष उल्लेख किया गया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि सतत विकास लक्ष्यों को जमीनी स्तर पर मिशन मोड में लागू किया जाए। ग्राम पंचायतों तक हर योजना की जानकारी पहुंचे, और यह सुनिश्चित किया जाए कि अंतिम लाभार्थी तक उसका प्रभाव समय पर पहुंचे। उन्होंने यह भी कहा कि एसडीजी लक्ष्यों की प्राप्ति हर विभाग, हर ज़िले और हर पंचायत का साझा दायित्व है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर भी विशेष बल दिया कि वास्तविक प्रगति का आकलन तभी संभव होगा जब सही डेटा समय पर और सटीक रूप में संकलित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जिलों की एसडीजी प्रोफाइल बनाएं, उसे सार्वजनिक करें।

छांगुर बाबा की आलीशान कोठी नेस्तानाबूद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

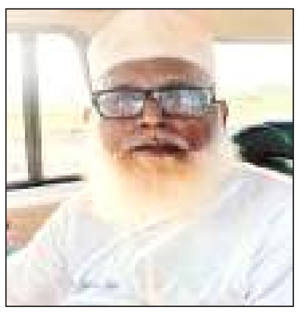

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर जिला प्रशासन ने अवैध धर्मांतरण कांड के आरोपी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की कोठी को बुल्डोजर से नेस्तानाबूद कर दिया। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने मंगलवार को बताया कि धर्मांतरण समेत कई काले कारनामों का मास्टमाइंड जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की उतरौला तहसील में तीन बीघे में बनी करोड़ों की आलीशान कोठी को बुल्डोजर से गिराया जा रहा है।जमालुद्दीन को आंतक निरोधक दस्ता (एटीएस) ने गिरफ्तार किया था। जांचोपरांत आरोपी पाये गये स्वयंभू पीर की संपत्तियों पर शिकंजा कसने के साथ छांगुर बाबा की सभी चल-अचल संपत्तियों का विवरण तत्काल उपलब कराया गया, जिसमें कई संपत्तियां नगर क्षेत्र और देहात में उसके और रिश्तेदारों के नाम पर मिली है। उनकी जब्तीकरण की कार्यवाही की जा रही है। एटीएस द्वारा आरोपी बाबा संग गिरफ्तार की गयी नसरीन उर्फ नीलू की संपत्ति को भी जब्त किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि बाबा के झांसे में धर्मांतरण कर फंसी नीतू भी धर्मांतरण में मददगार थी। यूपीएसटीएफ ने लखनऊ में करीब आठ माह पूर्व आरोपी बाबा के विरुद्ध मुकदमा कायम कराया था, जिसमें दस लोगों को नामजद किया गया था।इनमें कई आरोपियों को एटीएस गिरफ्तार कर चुकीं है। श्री अग्रवाल ने बताया कि चालीस धार्मिक संस्थाओं की स्थापना के नाम पर बाबा को करीब सौ करोड़ रुपये की फंडिंग की गयी।

परिवहन निगम के चालकों परिचालकों को मिला दस हजार का बोनस

- महाकुंभ ड्यूटी में लगे रोडवेज के 24071 कर्मियों के खातों में भेजी गई 24.71 करोड़ रुपये की राशि

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। महाकुंभ 2025 में अपनी सेवाएं देने वाले उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के चालकों और परिचालकों को 10,000 रूपए बोनस की राशि उनके खातों में ट्रांसफर कर दी गई है। यह फैसला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा पूर्व में की गई घोषणा के तहत लागू किया गया। इस योजना के अंतर्गत कुल 24,71,00,000 रुपये (चौबीस करोड़ इकहत्तर लाख) की राशि 11786 चालकों और 12285 परिचालकों सहित कुल 24071 कर्मचारियों को उनके खातों में भेजी गई।

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद देते हुए कहा, यह बोनस न केवल कर्मियों के लिए प्रोत्साहन है, बल्कि आने वाले समय में और बेहतर सेवा के लिए प्रेरणा स्रोत भी बनेगा। परिवहन मंत्री ने जानकारी दी कि महाकुंभ-2025 में राज्य के सभी 19 क्षेत्रों से कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई थी, जिन्होंने पूरी तत्परता से अपनी जिम्मेदारियां का निर्वहन किया।

दयाशंकर सिंह ने कहा कि 66 करोड़ श्रद्धालुओं ने इस महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाई। इस दौरान, परिवहन निगम के चालकों और परिचालकों ने लगन, ईमानदारी एवं तत्परता से कार्य करते हुए श्रद्धालुओं को उनके गंतव्य तक सुरक्षित एवं सुविधाजनक रूप से पहुंचाया। उन्होंने कहा कि इतने विशाल आयोजन को सफलता पूर्वक संपन्न कराने का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी को जाता है।

ब्राजील के राष्ट्रपति के साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए ब्रासीलिया पहुंचे मोदी

एजेंसी

ब्रासीलिया/नई दिल्ली। ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी ब्राजील यात्रा के दूसरे चरण में मंगलवार तड़के यहां ब्रासीलिया पहुंचे, जहां हवाई अड्डे पर रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। यह चरण श्री मोदी की आधिकारिक यात्रा से जुड़ा है और इस दौरान वह ब्राजील के राष्ट्रपति लुईज़ इनासियो लूला दा सिल्वा के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। इसके बाद दोनों देशों के बीच प्रतिनिधिमंडल की स्तर की वार्ता होगी। श्री मोदी राष्ट्रपति लूला के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढाने तथा संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा करेंगे। इस दौरान चार समझौतों पर हस्ताक्षर किये जाने की भी संभावना है।

प्रधानमंत्री ने ब्रासीलिया पहुंचने के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारतीय समुदाय के लोगों द्वारा आयोजित पारंपरिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में स्वागत से अभिभूत हूं। उन्होंने कहा, ल्ल कुछ समय पहले ही ब्रासीलिया पहुंचा हूं। भारतीय समुदाय ने एक यादगार स्वागत किया, जिसने एक बार फिर यह दर्शाया कि हमारा प्रवासी समुदाय कितना भावुक है और अपनी जड़ों से कितना जुड़ा हुआ है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री की ब्राजील की आधिकारिक यात्रा दोनों देशो के बीच साझेदारी को दृढ बनायेगी। उन्होंने अपनी पोस्ट में कहा , भारत-ब्राजील दृढ़ साझेदारी में नए कदम उठाते हुए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ब्राजील की राजकीय यात्रा पर राजधानी ब्रासीलिया पहुंचे। ब्राजील के रक्षा मंत्री जोस मुसियो मोंटेइरो फिल्हो ने हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। पारंपरिक ब्राजीलियाई सांबा रेगे प्रदर्शन ने स्वागत को सुखद संगीतमय बना दिया गया। ब्रासीलिया हवाई अड्डे पर, बटाला मुंडो बैंड ने कुछ बेहतरीन धुन बजायीं। उनका यह प्रयास अफ्रीकी-ब्राजील तालवाद्य, विशेष रूप से ब्राजील के साल्वाडोर दा बहिया के सांबा-रेगे को बढ़ावा देने का वैश्विक प्रयास है।

इससे पहले रियो डी जेनेरियो में 17 वें ब्रिक्स सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद ब्रासीलिया रवाना होने से पहले श्री मोदी ने कहा कि उनकी यह यात्रा बेहद सार्थक रही। सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा , ल्लमेरी ब्राज़ील यात्रा का रियो चरण बहुत ही सार्थक रहा। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हमने व्यापक विचार-विमर्श किया। मैं राष्ट्रपति लूला और ब्राज़ील की सरकार को उनके ब्रिक्स प्रेसीडेंसी के दौरान इस मंच को और भी अधिक प्रभावी बनाने को लेकर किए गए काम के लिए बधाई देता हूँ।

योगी सरकार के शिक्षुता प्रशिक्षण को लेकर बढ़ा आकर्षण

पांच वर्षों में चार गुना बढ़ी अभ्यर्थियों की संख्या

- ऑनलाइन प्रणाली से पारदर्शिता और पहुंच दोनों बढ़ीं

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने युवाओं को रोजगार के अवसरों से जोड़ने और उन्हें हुनरमंद बनाने के लिए शिक्षुता प्रशिक्षण योजना को नई दिशा दी है। विगत 5 वर्षों में अप्रेंटिसशिप (शिक्षुता प्रशिक्षण) के लिए चयनित अभ्यर्थियों की संख्या चार गुना से अधिक बढ़ गई है। वित्तीय वर्ष 2020-21 में जहां 19,937 अभ्यर्थियों को अप्रेंटिसशिप के लिए चयनित किया गया था, वहीं 2024-25 में यह संख्या बढ़कर 84,418 हो गई है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने न केवल युवाओं को प्रशिक्षण के जरिए आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से भी सहयोग कर भविष्य को मजबूत बनाने का अवसर दिया है। 2024-25 में 84 हजार से ज्यादा युवाओं की भागीदारी इस योजना की सफलता का प्रमाण है।

राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि योगी सरकार ने युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए प्रदेश में 2020-21 में शिक्षुता प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की थी। पहले वर्ष इससे करीब 20 हजार अभ्यर्थी जुड़े थे, जबकि 2021-22 में यह संख्या बढ़कर 36,906 पहुंच गई। इसके बाद 2022-23 में अभ्यर्थियों की संख्या में और इजाफा हुआ और यह बढ़कर 56,940 पर पहुंच गई।

जो रामभक्तों पर गोली चलवा चुके, उन्हें आस्था की बात करने का अधिकार नहीं : स्वतंत्र देव सिंह

- कांवड़ यात्रा को लेकर दिए गए सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने किया पलटवार

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। कांवड़ यात्रा को लेकर समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव द्वारा दिए गए बयान पर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने अखिलेश पर आस्था का राजनीतिक दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जो लोग कभी रामभक्तों पर गोलियां चलवा चुके हैं, वे आज श्रद्धालुओं के हित की बातें करके जनता को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा शासनकाल में न तो कांवड़ यात्रा की गरिमा का ध्यान रखा गया और न ही सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई।

आज जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं कांवड़ियों के मार्ग और उनकी सुरक्षा की व्यवस्था को परखने के लिए हवाई सर्वेक्षण कर रहे हैं और मांस-मदिरा की दुकानों को बंद कराने से लेकर साफ-सफाई, मेडिकल, ट्रैफिक आदि सभी व्यवस्थाओं को सुनिश्चित कर रहे हैं, तब अखिलेश यादव को अचानक कांवड़ियों की चिंता होने लगी है।

ममता ने भाजपा की असम सरकार पर बंगाल में एनआरसी थोपने का लगाया आरोप

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली असम सरकार पर पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे एक 'सुनियोजित राजनीतिक साजिश' करार दिया है।

मुख्यमंत्री ने स्थिति को चिंताजनक बताते हुए सभी विपक्षी दलों से भाजपा की अलोकतांत्रिक, विभाजनकारी एवं दमनकारी नीति के खिलाफ एकजुट होने का आह्वान किया है। यह विवाद पहली बार सोमवार को उस समय सामने आया जब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राज्यसभा सांसद तथा प्रवासी श्रमिक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष समीरुल इस्लाम ने सोशल मीडिया पर इस मुद्दे को उठाया। श्री इस्लाम ने आरोप लगाया कि कूचबिहार के दिनहाटा निवासी उत्तम कुमार ब्रजबासी को असम सरकार का एनआरसी नोटिस प्राप्त हुआ। श्री इस्लाम ने जो दस्तावेज साझा किया उससे पता चलता है कि उस व्यक्ति का नाम 1966 से ही मतदाता सूची में है। उन्होंने सवाल किया कि जिस व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में 50 वर्ष से अधिक समय से है तो उसे एनआरसी प्रोटोकॉल के अंतर्गत अब कैसे निशाना बनाया जा सकता है। सुश्री बनर्जी ने आज सुबह सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कूचबिहार राजवंशी समुदाय के सदस्य उत्तम कुमार के खिलाफ हो रही प्रताड़ना पर गंभीर चिंता व्यक्त की।

सुप्रीम कोर्ट में नई याचिका, पूरे देश में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को चुनौती देने वाली याचिकाओं के बाद अब सुप्रीम कोर्ट में एक नई याचिका दायर करके एसआईआर को पूरे देश में लागू करने की मांग की गई है। नई याचिका भाजपा नेता और वकील अश्विनी उपाध्याय ने दायर की है।

उपाध्याय की याचिका में कहा गया है कि केंद्र, राज्य और निर्वाचन आयोग का ये संवैधानिक दायित्व है कि केवल असली नागरिक ही वोट डालें, विदेशी नहीं। उपाध्याय की याचिका में कहा गया है कि स्वतंत्रता के बाद दो सौ जिलों और 1500 तहसीलों की जनसंख्या में भारी बदलाव आया है। ये बदलाव अवैध घुसपैठ, धर्मांतरण और जनसंख्या विस्फोट की वजह से हुआ है। देश में काफी लोग गैरकानूनी तरीके से आ गए हैं।

बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण के निर्वाचन आयोग के कदम के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट 10 जुलाई को सुनवाई करने वाला है। सात जुलाई को याचिकाकर्ताओं की ओर से वकील कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी, गोपाल शंकरनारायणन और शादान फरासत ने जस्टिस सुधांशु धुलिया की अध्यक्षता वाली वेकेशन बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए याचिकाओं पर जल्द सुनवाई की मांग की थी। इन वकीलों ने कहा कि बिहार में अगर कोई मतदाता दस्तावेज नहीं दे पाएगा, तो उसका नाम मतदाता सूची से काटा जा सकता है। सिंघवी ने कोर्ट से कहा था कि बिहार में आठ करोड़ मतदाता हैं और उनमें से चार करोड़ की गणना करना है, जो असंभव टास्क है। सिब्बल ने कहा था कि टाइमलाइन काफी सख्त है। अगर आप 2 जुलाई तक दस्तावेज जमा नहीं कर पाए तो आप मतदाता सूची से बाहर हो जाएंगे। इस मामले में राष्ट्रीय जनता दल, तृणमूल कांग्रेस के अलावा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दायर की हैं। याचिका में निर्वाचन आयोग के बिहार में एसआईआर के लिए जारी आदेश को रद्द करने की मांग की गई है। एडीआर की ओर से वकील प्रशांत भूषण ने याचिका दाखिल कर कहा है कि निर्वाचन आयोग का ये आदेश मनमाना है। याचिका में कहा गया है कि निर्वाचन आयोग का ये आदेश संविधान के अनुच्छेद 14, 19, 21, 32 और 326 के साथ साथ जनप्रतिनिधित्व कानून का उल्लंघन है।

बिहार में अबतक एसआईआर के तहत लगभग आधे मतदाताओं ने भरे फोर्म

नई दिल्ली। बिहार के लिए जारी मतदाता सूची अपडेट करने की प्रक्रिया विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत मंगलवार तक आधे मतदाताओं ने अपने फोर्म भर दिए हैं। प्रगति को देखते हुए आयोग ने संभावना व्यक्त की है कि गणना फॉर्मों के संग्रह का कार्य अंतिम दिन यानी 25 जुलाई से पहले ही पूरा हो जाएगा।

उप्र में मनरेगा के जरिए रोपे जाएंगे साढ़े बारह करोड़ पौधे

- सीएम योगी के निर्देश पर 'एक पेड़ मां के नाम-2.0' थीम पर आधारित प्रदेशव्यापी पौधरोपण अभियान चलेगा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में योगी सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राज्य भर में मनरेगा योजना के माध्यम से साढ़े बारह करोड़ से अधिक पौधों का रोपण किया जाएगा। इस प्रक्रिया के अंतर्गत हरियाली के साथ-साथ रोजगार को भी बढ़ावा देने की तैयारी पूरी कर ली गई है। उल्लेखनीय है कि इस बार अभियान ''एक पेड़ मां के नाम 2.0'' थीम पर आधारित होगा, जिसका उद्देश्य केवल हरियाली बढ़ाना नहीं, बल्कि मातृ वंदना के भाव को भी जनमानस से जोड़ना है। पूरे प्रदेश में लखीमपुर खीरी को इस अभियान में सबसे बड़ा लक्ष्य मिला है। यहां 42 लाख पौधे लगाने की योजना बनाई गई है। इसके बाद सोनभद्र को दूसरा और हरदोई को तीसरा सबसे बड़ा लक्ष्य सौंपा गया है। इन जिलों में जलवायु और जमीन की उपलब्धता के अनुसार विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपे जाएंगे। उल्लेखनीय है कि मनरेगा के अंतर्गत पौधरोपण के लिए प्रदेश में 1.89 लाख से अधिक स्थलों का चयन किया गया है। इन स्थलों को चिन्हित कर वहां की भौगोलिक और पर्यावरणीय स्थिति के अनुरूप पौधों का रोपण सुनिश्चित किया जाएगा। मनरेगा के तहत ग्रामीणों को इस कार्य में शामिल कर रोजगार और हरियाली दोनों को बढ़ावा दिया जाएगा। योगी सरकार ने एक अनोखी पहल के तहत प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के लाभार्थियों को दो-दो सहजन के पौधे देने का निर्णय लिया है। सहजन पौधा न सिर्फ औषधीय गुणों से भरपूर होता है बल्कि पोषण और स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। यह पहल ग्रामीण परिवारों के पोषण सुरक्षा की दिशा में एक और सार्थक कदम साबित होगा। मनरेगा योजना के तहत इस मेगा प्लांटेशन अभियान में ग्राम्य विकास विभाग को भी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। विभाग ने लक्ष्य के अनुसार हर जिले में पुख्ता तैयारियां कर ली हैं। इसमें स्थल चयन, पौधों की किस्म, देखभाल, सिंचाई और सुरक्षा की संपूर्ण योजना पर कार्य किया जा रहा है। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि इस पूरे अभियान की सफलता केवल रोपण से नहीं बल्कि पौधों की सुरक्षा पर भी निर्भर करेगी। इसके लिए मनरेगा के अंतर्गत पौधों की नियमित सिंचाई, देखभाल, ट्री गार्ड की व्यवस्था और निगरानी की जाएगी। पौधों की वृद्धि और संरक्षण पर भी नजर रखी जाएगी। इस अभूतपूर्व अभियान के जरिए प्रदेश सरकार पर्यावरण संतुलन के साथ-साथ ग्रामीणों को रोजगार, स्वास्थ्य और भावनात्मक जुड़ाव प्रदान कर रही है।

जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के विरुद्ध बुलडोजर चलना ही चाहिए : डा.संजय निषाद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। निषाद पार्टी के अध्यक्ष एवं यूपी सरकार में मत्स्य मंत्री डा. संजय निषाद ने मंगलवार को कहा कि धर्मांतरण के आरोप में पकड़े गये जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के विरूद्ध बुलडोजर चलना ही चाहिए। लोकतंत्र में धर्मांतरण जैसे आपराधिक काम करते हुए शर्म आनी चाहिए।

संजय निषाद ने कहा कि पिछली सरकारों में अपराधियों को संरक्षण मिलता था और योगी आदित्यनाथ की सरकार में चुन–चुनकर उन्हें सजा मिल रही है। धर्मांतरण जैसे आपराधिक कृत करने वाले बाबा को जेल ही जाना चाहिए था। इस कार्रवाई के लिए मैं अपनी ओर से पुलिस अधिकारियों एवं प्रदेश सरकार को धन्यवाद देता हूं। छांगुर बाबा को सख्त सजा मिले, जिससे पूरे देश में कोई दूसरा बाबा बनकर धर्मांतरण कराने, हिन्दुओं को मुस्लिम बनाने से डरे।

बता दें कि मंगलवार को बलरामपुर जिले में जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा के आलीशान कोठी को प्रशासन ध्वस्त करने की कार्यवाही कर रहा है। जमालुद्दीन पर हिन्दू लड़कियों को बहला-फुसलाकर धर्मांतरण करने का आरोप है। उसे यूपी एटीएस ने धर्मांतरण के आरोप में गिरफ्तार किया है।

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव ने किया बाढ़ सुरक्षा कार्यों का निरीक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश सरकार में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्रदेव सिंह ने मंगलवार को बलिया में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अब तक हुए बाढ़ सुरक्षा कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। जलशक्ति मंत्री सदर क्षेत्र अंतर्गत गंगा नदी के किनारे पहुंचें। उन्होंने ग्राम माल्देपुर में अपस्ट्रीम एवं डाउनस्ट्रीम के साथ ग्राम खोरीपाकर में बाढ़ सुरक्षा कार्यों को लेकर अधिकारियों से वार्ता की। मंत्री यहां बाढ़ के दृष्टिगत हुए कार्यों से पूर्ण संतुष्ट नहीं दिखे। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को बाकी कार्यों को समय से पहले पूर्ण करने के निर्देश दिए। वहीं मंत्री ने ग्राम के निवासियों से भी वार्ता की और उनसे उनकी समस्याओं को सुनकर अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही के लिए कहा। स्थलीय निरीक्षण के दौरान मंत्री दयाशंकर सिंह भी वहां पहुंच गए थे।

पिकअप की टक्कर से बाइक सवार की मौत, शव देख परिजनों ने सड़क जाम की

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सरोजनी नगर स्थित माती गांव में लोगों ने सड़क जाम कर दी। वे एक्सीडेंट में जयचंद (40) की मौत के बाद टक्कर मारने वाले वाहन को पकड़ने की मांग कर रहे थे। जयचंद की सोमवार दोपहर बाइक से लौटते समय पिकअप की टक्कर से मौत हो गई थी। सड़क जाम की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझाकर कार्रवाई करने का आश्वासन देकर शांत कराया। माती गांव के रहने वाले जयचंद (40) अनूप खेड़ा गांव से सोमवार दोपहर करीब 3 बजे अपने घर लौट रहे थे। माती गांव में आशीष हार्डवेयर के पास तेज रफ्तार पिकअप ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि जयचंद की मौके पर ही मौत हो गई। मंगलवार को पोस्टमॉर्टम के बाद जब शव घर भेजा गया तो लोगों ने सड़क जाम की। मृतक जयचंद अपने पिता नेकराम की इकलौती संतान थे। उनके परिवार में पत्नी रोशनी, तीन बेटियां और दो छोटे बेटे हैं।

श्रद्धा, सुरक्षा और स्वच्छता के साथ संपन्न होगी कांवड़ यात्रा : ए.के.शर्मा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने जल निगम फील्ड हॉस्टल में आयोजित बैठक में श्रावण मास में कांवड़ यात्रा एवं अन्य कार्यों लेकर विभागीय तैयारियों की जानकारी ली। मंत्री ने बैठक में लिए निर्णय के बारे में पत्रकारों को बताया कि श्रावण मास भगवान शिव की उपासना का पवित्र महीना है। जिसमें लाखों की संख्या में श्रद्धालु प्रदेश में विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा कर पवित्र जल अर्पित करते हैं। सरकार का प्रयास है कि श्रद्धा, सुरक्षा और स्वच्छता के साथ कांवड़ यात्रा संपन्न हो।

नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि ऊर्जा और नगर विकास विभाग के अधिकारियों के साथ विस्तृत बैठक की गई है। ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को कांवड़ यात्रा मार्गों पर विशेष रूप से रात में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया है। अधिकतर श्रद्धालु रात्रिकाल में यात्रा करते हैं, इसके लिए बिजली आपूर्ति पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। पूर्व वर्षों में कुछ स्थानों पर ऊंचे डीजे के बिजली तारों से टकराने की घटनाएं हुई थीं। इस पर नियंत्रण के लिए निर्देश दिए गए हैं कि यात्रा मार्गों पर केवल निर्धारित ऊंचाई वाले डीजे वाहन ही चलें। ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि खुले ट्रांसफार्मरों के चारों ओर बाउंड्री बनाने तथा बिजली के खंभों को इंसुलेट करने के निर्देश भी जारी किए गए हैं ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना की आशंका समाप्त हो। ए.के.शर्मा ने कहा कि नगर विकास विभाग को निर्देशित किया गया है कि यात्रा मार्गों पर सभी स्ट्रीट लाइट्स को ठीक कराया जाए तथा संपूर्ण मार्ग को गड्ढा मुक्त किया जाए। सभी पॉटहोल्स को समय रहते भर दिया जाए ताकि यात्रा सुगम हो सके। कांवड़ यात्रियों के ठहरने के लिए पंडालों में समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और स्वच्छता के लिए कूड़ा निस्तारण की पर्याप्त व्यवस्था हो। साथ ही यात्रा मार्गों पर मोबाइल टॉयलेट लगाए जाएं। महाकुंभ का उदाहरण देते हुए उन्होंने अधिकारियों को दिए गए आदेश के बारे में कहा कि महाकुंभ जैसे आयोजनों से प्रेरणा लेते हुए कांवड़ यात्रा मार्गों पर होर्डिंग के माध्यम से श्रद्धालुओं का स्वागत किया जाएगा और इसे एक 'स्वच्छ त्योहार' के रूप में मनाने का संकल्प लिया गया है।

2 लड़कों ने भूखा होने की बात कहकर झांसे में लिया जेवर उतरवा कर फरार हुए

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के नाका इलाके में 2 लड़कों ने भूखा होने की बात कहकर महिला के जेवर गायब कर दिए। महिला ई-रिक्शा से अपने घर जा रही थी। ई-रिक्शा में बैठे लड़के भूख लगने की बात कहकर खाना खिलाने को कहा। इसके बाद सम्मोहित करके जेवर उतरवा लिए। पुलिस मुकदमा लिखकर मामले की जांच कर रही है। काशी ढेरा रकाबगंज जीनत खान पत्नी युसुफ खान ने बताया कि सोमवार को निजी काम से नख्खास गई थीं। जहां से घर जाने के लिए ई-रिक्शा पर बैठी। जिसमें पहले से दो लड़के सवार थे। कुछ दूर रिक्शे के चलते ही दोनों ने भूख लगी होने की बात कहकर खाना खिलाने के लिए कहा। वजह पूछने पर बोले कि उनके पास सिर्फ 50 रुपए हैं, जिसकी वजह से खाना नहीं खा पा रहे हैं। चारबाग चलकर खाना खिलाने की बात कही। जीनत दोनों को खाना खिलाने चारबाग आ गई। उसके बाद दोनों लड़के दूध मण्डी मोड़ के पास एक बिरयानी की दुकान पर ले गए।

निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मचारी आज करेंगे हड़ताल

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ़ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स के आह्वान पर देश भर में लगभग 27 लाख बिजली कर्मचारी उत्तर प्रदेश में किए जा रहे बिजली के निजीकरण के विरोध में 9 जुलाई को एक दिन की सांकेतिक हड़ताल करेंगे। इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल के साथ उप्र के एक लाख से अधिक बिजली कर्मचारी, संविदा कर्मी, जूनियर इंजीनियर और अभियंता पूरे दिन कार्यालयों अथवा कार्य स्थल के बाहर आकर व्यापक विरोध प्रदर्शन करेंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने मंगलवार को यहां बताया कि नौ जुलाई को होने वाली हड़ताल केंद्र और राज्य सरकारों की निजीकरण की नीति के विरोध में की जा रही है। उन्होंने बताया कि नौ जुलाई की हड़ताल में बिजली के साथ रेल, बैंक, बीमा, बी एस एन एल, पोस्टल, केन्द्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम, केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के कर्मचारी, निजी कल कारखानों के कर्मचारी और मजदूर सम्मिलित होंगे। संघर्ष समिति ने बताया कि नेशनल कोऑर्डिनेशन कमिटी ऑफ़ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स की नोटिस में केंद्र सरकार से मांग की गई है कि वह हस्तक्षेप कर उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दें कि पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम एवं दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के निजीकरण का फैसला बिजली कर्मचारियों के व्यापक हित में वापस लिया जाये। उन्होंने बताया कि 10 राष्ट्रीय ट्रेड यूनियनों के मांगपत्र में भी उप्र में दो विद्युत वितरण कंपनियां के निजीकरण के निर्णय को निरस्त करने की मुख्य मांग है।

15 को मनाया जाएगा विश्व युवा कौशल दिवस युवाओं के लिए लगाया जाएगा रोजगार मेला

लखनऊ। उप्र. कौशल विकास मिशन के तत्वावधान में आगामी 15 जुलाई को प्रदेश में विश्व युवा कौशल दिवस मनाया जाएगा और अगले दिन 16 जुलाई को समापन होगा। प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल के नेतृत्व में जिला स्तर पर आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण और रोजगार से जोड़ा जाएगा। मिशन मुख्यालय में मिशन निदेशक पुलकित खरे की अध्यक्षता में विश्व युवा कौशल दिवस 2025 की तैयारियों पर रणनीतिक बैठक सोमवार को आयोजित की गई। मिशन निदेशक ने बताया कि कार्यक्रम की श्रृंखला में जिलों 12, 13 या 14 जुलाई को रोजगार मेला आयोजित किया जाएगा, जिसमें स्थानीय उद्योगों व कंपनियों को आमंत्रित कर युवाओं को सीधी नियुक्ति का अवसर दिया जाएगा। रोजगार मेले की तैयारी के लिए जिलाधिकारी द्वारा नोडल अधिकारी नामित किए जा रहे हैं।

कांवड़ियों के रास्ते में मिलावटी खाद्य सामग्री की बिक्री नहीं होने दी जाएगी : खाद्य सुरक्षा आयुक्त

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त राजेश कुमार ने कहा कि सावन में कांवड़ियों के रास्ते में मिलने वाले ढाबों, रेस्टोरेंट, मिठाई, खाद्य सामग्री की दुकानों पर खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी निगरानी रखेगें। कांवड़ियों के रास्ते में मिलावटी या दूषित खाद्य सामग्री की बिक्री नहीं होने दी जाएगी।

आयुक्त राजेश कुमार ने कहा कि उत्तर प्रदेश में कहीं भी मिलावटी सामग्री बेचे जाने की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। दुग्ध उत्पाद, पनीर, खोया, लाल मिर्च, हल्दी मसाला, तेल, मिठाईयां, अन्य खाद्य उत्पाद की शिकायत मिलने पर उसकी सैम्पलिंग कर प्रयोगशाला में जांच करायी जाएगी। सामग्री में मिलावट की जानकारी पुष्ट होती ही ठोस कार्रवाई होगी। एफएसएसएआई एक्ट 2006 के तहत कानूनी कार्रवाई भी होगी।

उन्होंने कहा कि विशेष रूप से कांवड़ियों को मिलावटी एवं कुछ वक्त पूर्व से निर्मित खाद्य पदार्थ परोसने वाले ढाबों पर नजर बनाने और कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं बिना लाइसेंस और पंजीकरण के खाद्य उत्पाद की बिक्री करने वाले लोगों पर भी कार्रवाई होनी है। गुणवत्ता पूर्ण एवं तत्काल बने आहार को ही ढाबा संचालक खिलाएंगें तो बेहतर होगा।

जिनके घर बोरे में नोट मिले, वो सुनवाई न करें, स्कूलों के विलय पर प्रदर्शन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश के प्राइमरी स्कूलों के विलय के विरोध में आज लखनऊ में पूरे राज्य से टीचर्स इकट्ठा हुए। इन्होंने टीचर्स प्राथमिक शिक्षक संघ के बैनर तले प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में परिषदीय स्कूलों के शिक्षक मौजूद हैं। शिक्षकों ने इंकलाब जिंदाबाद के नारे लगाए। इकट्ठा हुए टीचर्स का कहना है कि स्कूलों के विलय मामले और दायर याचिकाओं की सुनवाई वो जज न करें जिनके घर में नोट के बोरे मिले हों। विभाग और सरकार हमारे विरोध में चरम पर पहुंच गए हैं। ऐसे में भीषण गर्मी के बावजूद छुट्टी लगाकर विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। दावा किया कि प्रदेश के सभी 75 जिलों में विरोध और प्रदर्शन किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष और लखनऊ के जिला अध्यक्ष सुधांशु मोहन ने बताया कि स्कूलों के विलय के विरोध सहित कुल 10 सूत्री मांगों को लेकर शिक्षक प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे शिक्षकों का कहना है- भगवान से यही प्रार्थना है कि विलय को लेकर हमारे केस की सुनवाई उस कोर्ट में न हो, जहां के जजों के घर पर नोट के बोरे मिले हों। शिक्षकों का कहना है कि जब जनसंख्या देखकर जिलों में डीएम और एसपी की तैनाती नहीं होती तो स्कूलों में बच्चों की संख्या देखकर कैसे टीचर्स की तैनाती हो सकती है। संघ के जिला मंत्री वीरेंद्र सिंह ने कहा विलय लागू करने के पीछे एनईपी का तर्क दिया जा रहा। हम पूछना चाहते हैं कि क्या देश में सभी जगह एनईपी लागू हो गया है, जो बेसिक के स्कूलों में लागू किया जा रहा है? जब अभी यह जगह लागू नहीं हुआ तो बेसिक स्कूलों में क्यों लागू किया जा रहा है? उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय उपाध्यक्ष और जिला अध्यक्ष सुधांशु मोहन ने कहा जब विद्यालयों को संविलयन किया गया तब हेडमास्टर के पद खत्म किए गए। अब सहायक अध्यापकों के पद भी कम हो जाएंगे। हाईकोर्ट का निर्णय सरकार के दबाव में लिया गया निर्णय है। उत्तर प्रदेश शिक्षक संघ के लखनऊ नगर अध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा कि सरकार की मर्जर की यह व्यवस्था अनैतिक है। जहां के जो भी बच्चे हैं, वो अपना गांव छोड़कर नहीं जा रहे हैं। यहां के रामखेड़ा गांव के विद्यालय को चिल्लावन में मर्ज किया गया है। वहां ढाई किलोमीटर तक बच्चे स्कूल नहीं जा रहे हैं। बच्चों के साथ अभिभावक भी अब रामखेड़ा विद्यालय में धरना देने के लिए बैठ गए हैं।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड
(आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के तहत एक सांविधिक निकाय)
पहली मंजिल, कोर-4 बी, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003

फाइल न 9196108

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड मे निम्नलिखित पदों के लिए इच्छुक और योग्य उम्मीदवारों से नीचे दिए गए विवरण के अनुसार आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं: -

पद का नाम	भर्ती की पद्धति	वेतनमान
आशुलिपिक ग्रेड-सी	सीधी भर्ती द्वारा	वेतन मैट्रिक्स में लेवल-7 (रु. ₹ 44,900-1,42,400)
आशुलिपिक ग्रेड-डी	सीधी भर्ती द्वारा	वेतन मैट्रिक्स में लेवल-4 (रु. 25,500-81,100)

इच्छुक उम्मीदवार निर्धारित प्रारूप में पूर्ण, हस्ताक्षरित आवेदन पत्र स्व-सत्यापित प्रमाणपत्रों की प्रतियों सहित तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड के पक्ष में देय ₹ 100 (गैर-वापसी योग्य) आईपीओ / डिमांड ड्राफ्ट (नई दिल्ली में देय) के आवेदन शुल्क के साथ सदस्य सचिव, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड, पहली मंजिल, कोर-4 बी, इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली-110003 को भेज दें। आवेदन शुल्क का भुगतान ऑनलाइन भी किया जा सकता है।

पदों की संख्या, पात्रता मानदंड, शैक्षिक योग्यता, आरक्षण, आयु, आवेदन के मानक प्रारूप, ऑनलाइन आवेदन शुल्क के भुगतान की जानकारी एवं आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि आदि की जानकारी हमारी वेबसाइट https://ncrpb.nic.in पर उपलब्ध है।

बिना कोई कारण बताए उपरोक्त पदों को न भरने का अधिकार बोर्ड के पास सुरक्षित है।

(सदस्य सचिव)

CBC 44103/11/0003/2526

जल जीवन मिशन की हुई बैठक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन की बैठक हुई।

जिलाधिकारी ने कहा कि जल आपूर्ति की शिकायतों की अधिक संख्या वाले ग्रामों को चिन्हित किया जाये। अधिक शिकायतों वाले ग्राम में ऑपरेटर प्रतिदिन भ्रमण करे और शिकायतों को दूर किया जाये। सहायक अभियंता शिकायतों की लगातार समीक्षा करें। फेज 3 के कार्यों में प्रगति लायी जाये। परियोजना पूर्ण होने के बाद सड़कों का तत्काल पुनर्निमाण कराया जाये। सभी परियोजनाओं में सुरक्षा के मानकों का पूरा ध्यान रखा जाये।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, अधिशाषी अभियंता जल निगम एके त्रिपाठी व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बाबूलाल गुप्ता मांटेसरी स्कूल को मिला एसडीजी स्कूल अवार्ड 2025

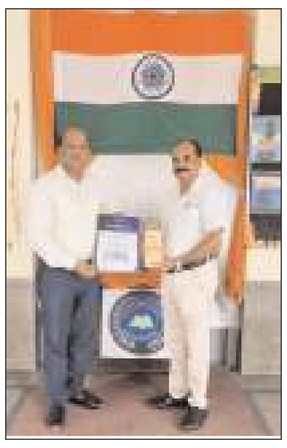

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। श्री बाबूलाल गुप्ता मांटेसरी स्कूल को शिक्षा एवं सतत विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए सेंटर फार एजूकेशन डेवेलपमेन्ट फाउंडेशन, नोएडा द्वारा आयोजित सर्वेक्षण उत्कृष्टता के आधार पर सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल (सतत विकास लक्ष्य) एसडीजी स्कूल अवार्ड 2025 से सम्मानित किया गया। नोएडा स्थित सीईडी फाउंडेशन नोएडा एक प्रतिष्ठित संस्था है, जो कि नीति आयोग, भारत सरकार के अन्तर्गत पंजीकृत है।

श्री बाबूलाल गुप्ता मांटेसरी स्कूल के प्रबंधक एवं समाजसेवी अविनाश चंद्र गुप्ता (एड०) ने बताया कि यह प्रतिष्ठित सम्मान 29 जून 2025 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली मे आयोजित एजूकेशन लीडरशिप कॉन्क्लेव मे प्रधानाचार्य डॉ० विवेक दीक्षित को गणमान्यजनों की उपस्थिति में दिया गया। उन्होंने बताया कि सतत विकास लक्ष्यों को अपनी शैक्षणिक योजनाओं, पाठ्यक्रम, सांस्कृतिक गतिविधियों को विद्यालय के वातावरण में प्रभावी रुप से समाहित करने के प्रयासों के लिए प्रदान किया गया है। हमारे विद्यालय के साथ चयनित अन्य विद्यालय यथा रायन इंटरनेशनल स्कूल अमृतसर, देहली पब्लिक स्कूल ग्रेटर फरीदाबाद एवं बोकारो, आर्मी पब्लिक स्कूल कोटा, अडानी विद्या मंदिर अहमदाबाद, डालमिया विद्या मंदिर राजगजपुर, के आर मंगलमय वर्ल्ड स्कूल झरझर, प्रेसिडेंसी स्कूल बेंगलुरु, पल्लवी माडल स्कूल सिकंदराबाद, फुट हिल्स अकादमी उत्तराखंड, संकल्प स्कूल बहरामपुर एवं केनेरी द स्कूल हैदराबाद आदि सम्मानित किए गए। उन्होंने इस उपलब्धि को प्रधानाचार्य डाव विवेक दीक्षित के कुशल मार्गदर्शन, शिक्षकगणों के गुणवत्ता परक शिक्षण एवं विद्यार्थियों की सतत लक्ष्यों की प्राप्ति के प्रति उनकी लगन का परिणाम बताते हुए सभी का आभार व्यक्त किया।

मान्यता की शर्तो का उल्लंघन पाए जाने पर बंद कराए गए दो शिक्षण संस्थान

■ खंड शिक्षा अधिकारी को आकस्मिक निरीक्षण के दौरान मिली घोर अनियमितताएं

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। खंड शिक्षा अधिकारी भरखनी डॉ सुनील कुमार सिंह द्वारा 08 जुलाई, 2025 को विकास खंड अंतर्गत संचालित निजी विद्यालयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में देव संस्कृत शिक्षण संस्थान, किर्तियापुर एवं कृष्ण बिहारी शिक्षण संस्थान में मान्यता की शर्तो का घोर उल्लंघन पाया गया।

जांच में यह तथ्य सामने आया कि उक्त विद्यालयों को केवल कक्षा 1 से 5 तक की ही मान्यता प्राप्त है, किंतु विद्यालय प्रबंधन द्वारा कक्षा 6 से 12 तक की अमान्य कक्षाएँ अवैध रूप से संचालित की जा रही थीं। यह कार्य न केवल विभागीय नियमों का उल्लंघन है, बल्कि छात्रों के भविष्य के साथ भी गंभीर खिलवाड़ है। खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा तत्काल प्रभाव से इन अमान्य कक्षाओं को बंद कराते हुए विद्यालयों में अध्ययनरत छात्रों की तत्काल छुट्टी कराई गई। साथ ही बच्चों के अभिभावकों को निर्देशित किया गया कि वे शीघ्र अपने बच्चों का नामांकन निकटवर्ती मान्यता प्राप्त सरकारी विद्यालयों में सुनिश्चित करें ताकि उनकी शिक्षा बाधित न हो एवं वे एक सुव्यवस्थित और मान्य शैक्षिक वातावरण में अध्ययनरत रह सकें। खंड शिक्षा अधिकारी ने विद्यालय प्रबंधनों को स्पष्ट चेतावनी दी कि भविष्य में किसी भी प्रकार की अमान्य कक्षाओं के संचालन या शैक्षिक मानकों के उल्लंघन की स्थिति में संबंधित विद्यालयों के विरुद्ध कड़ी विभागीय एवं विधिक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। यह कार्यवाही प्राथमिक शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, गुणवत्ता एवं विधिसम्मत संचालन सुनिश्चित करने की दिशा में एक सशक्त कदम है। खंड शिक्षा अधिकारी द्वारा समस्त निजी विद्यालयों को यह भी निर्देशित किया गया कि वे केवल उन्हीं कक्षाओं का संचालन करें जिनकी विधिवत मान्यता प्राप्त हो तथा समय-समय पर विभागीय नियमों एवं निर्देशों का अक्षरश: पालन करें।

वंचित वर्ग को वित्तीय सेवाओं से जोड़ने के लिए चलाया जा रहा अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना

शाहाबाद (हरदोई)। केन्द्र सरकार समाज के वंचित वर्ग को औपचारिक वित्तीय सेवाओं से जोड़ने के उद्देश्य से गत 1 जुलाई से 30 सितंबर तक वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान चला रही है ।

उक्त जानकारी देते हुये वित्तीय साक्षरता केंद्र के सेंटर मैनेजर प्रदीप कुमार ने स्थानीय ब्लाक सभागार मे आयोजित एक बैठक मे देते हुये बताया कि इस अभियान के तहत हरदोई जनपद के सभी 19 ब्लॉक के 1293 ग्राम पंचायत में कैंप आयोजित किये जायेगे। इस कैम्प मे प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत नए खाता खोलना, निष्क्रिय खातों का केवाईसी कर सत्यापन करनाए वयस्क नागरिकों का बैंक खाता खोलना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना के तहत पात्र नागरिकों का नामांकन करना ए अटल पेंशन योजना के तहत लोगों का पंजीकरण करना है। इसके अलावा जिन लोगों के खाते में नॉमिनेशन नहीं है उस खाते में नॉमिनेशन भी किया जायेगा । कैंप में वित्तीय साक्षरता मिशन के अंतर्गत लोगों को वित्तीय जागरूकता की शिक्षा भी दी जायेगी तथा लोगों को डिजिटल फ्रॉड से बचने हेतु विभिन्न प्रकार की जानकारी भी दी जायेगी। उन्होने लोगो से अपील की है कि उक्त योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं। जो लोग कैंप नहीं पहुंच पा रहें हैं वह लोग नजदीकी शाखा स्तर पर भी योजना का लाभ उठा सकते हैं।

जरौली शेरपुर में स्वच्छता अभियान की पोलः कूड़ेदान और इलेक्ट्रिक वाहन बेकार, गांव में गंदगी का अंबार

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। जिले के बिलग्राम विकास खंड के जरौली शेरपुर गांव में स्वच्छता अभियान की स्थिति चिंताजनक है। गांव में लगाए गए कूड़ेदान अब कबाड़ में तब्दील हो चुके हैं। कूड़ा उठाने के लिए खरीदे गए इलेक्ट्रिक वाहन भी बेकार पड़े हैं।

स्थिति यह है कि कुछ स्थानों पर तो कूड़ेदान इतने कमजोर निकले कि ग्रामीणों द्वारा कूड़ा डालने से पहले ही टूट गए। जहां कूड़ेदान सही हैंए वहां कूड़ा उठाने की व्यवस्था नहीं है। लाखों रुपये की लागत से स्थापित की गई यह व्यवस्था पूरी तरह से विफल हो चुकी है। इसका परिणाम यह है कि गांव में जगह.जगह गंदगी का अंबार लग गया है। इससे बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। गांव के निवासी कय्यूम, आरिफ, तालिब और धनीराम ने प्रशासन से मांग की है कि कूड़ेदानों से कूड़े को नियमित रूप से उठाया जाए और नालियों की सफाई की जाए।

48,523 किसानों की आरसी जारी

■ 74 हजार से ज्यादा खाते एनपीए, 761 करोड़ की वसूली का लक्ष्य

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। जिले में किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) खातों की स्थिति चिंताजनक हो गई है। जिले में 74,407 किसानों के केसीसी खाते एनपीए हो चुके हैं। इन खातों में बैंकों की 761.73 करोड़ रुपये की राशि फंसी हुई है।

मार्च 2025 तक जिले में कुल एनपीए खातों की संख्या 1,08,487 पहुंच गई है। इन खातों में 967.47 करोड़ रुपये की राशि अटकी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए महानिदेशक, संस्थागत वित्त एवं बीमा ने जिलाधिकारी को वसूली तेज करने के निर्देश दिए हैं। लीडिंग बैंक मैनेजर अरविंद रंजन के अनुसार, बैंकों का एनपीए स्तर निरंतर बढ़ रहा है। राष्ट्रीय स्तर पर एनपीए दो प्रतिशत है। हरदोई में सहकारी ग्राम विकास बैंक का एनपीए 63.04 प्रतिशत है। आईडीबीआई का 29.60 प्रतिशत, बैंक ऑफइंडिया का 23.68 प्रतिशत और आर्यावर्त बैंक का 15.35 प्रतिशत एनपीए है। वसूली के लिए अब तक 48,523 खातों के विरुद्ध रिकवरी सर्टिफिकेट जारी किए जा चुके हैं। इनमें से 33,412 मामलों में वसूली अभी बाकी है। हरदोई में बांदा और बुलंदशहर के बाद सबसे अधिक किसान क्रेडिट कार्ड एनपीए हुए हैं। खेती की बढ़ती लागतए महंगाई और फसलों के उचित मूल्य न मिलने से किसान कर्ज चुकाने में असमर्थ हो रहे हैं।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत, दूसरा घायल

शाहाबाद (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम यसीनपुर के निकट रविवार की शाम करीब ०7:30 बजे अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवक गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी टोडरपुर भिजवाया। जहां इलाज के दौरान एक युवक को डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शाहाबाद कोतवाली के मोहल्ला चौक निवासी राकेश श्रीवास्तव का पुत्र ऋषभ श्रीवास्तव अपने दोस्त दिलेरगंज निवासी अभिषेक गुप्ता पुत्र चंद्र कुमार बीनू गुप्ता के साथ बाइक से रविवार की रात आठ बजे हरदोई से शाहाबाद आ रहा था। बेहटा गोकुल थाना क्षेत्र के ग्राम यासीनपुर के निकट अज्ञात वाहन की टक्कर बाइक सवार दोनो युवक गंभीर घायल हो गए। सूचना पर पहुंची बेहटा गोकुल पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी टोडरपुर भिजवाया। जहां इलाज के दौरान डाक्टरों ने अभिषेक को मृत घोषित कर दिया, जबकि ऋषभ को इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर किया गया है। मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

मृतक अभिषेक गुप्ता की फाइल फोटो

कई दिनों से फुँका पड़ा ट्रांसफार्मर गांव में छाया अंधेरा उपभोक्ता परेशान

माधौगंज (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। चार दिन से फुँका ट्रांसफार्मर न बदलने से गांव में छाया अंधेराए भीषण गर्मी में उपभोक्ता परेशान। विकास खण्ड की ग्रामपंचायत जेहदीपुर में चार दिनों से फुँका ट्रांसफार्मर बदले न जाने से गांव के लोग भीषण चिपचिपाती गर्मी में रहने को मजबूर है। उपभोक्ता अशफाक, अहमद अली, सोहली, असलम, इकबाल, इकरार, शिवकुमार, राजेन्द्र, शिशुपाल आदि ने बताया कि पावरहाउस पर कई बार सूचना देने के बाद भी अभी तक ट्रांसफार्मर नही बदला गया है।

डाक विभाग अब बनाएगा डायरेक्ट बीमा एजेंट: डाक अधीक्षक

हरदोई (राष्ट्रीय प्रस्तावना)। नवागत डाक अधीक्षक बीके सोनकर ने डाक विभाग की विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की साथ ही उन्होंने डाक जीवन बीमा एवं ग्रामीण डाक जीवन बीमा के लिए डायरेक्ट एजेंट बनाए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि डाक जीवन बीमा एजेंट बनने के लिए पूर्व शिक्षक, आंगनवाड़ी, महिला मंडल, बेरोजगार युवकों, एक्स सर्विसमैन, आवेदन कर सकते हैं श्री सोनकर ने बताया कि बेरोजगार युवक 18 वर्ष की उम्र पूरी करते हो तथा हाई स्कूल पास हो डायरेक्ट बीमा एजेंट बनने के इच्छुक व्यक्ति अपने अभिलेख अपने निकटतम डाकघर या विकास अधिकारी (डाक जीवन बीमा) के पास जमा कर सकता है अधीक्षक श्री सोनकर ने बताया 22 जुलाई को 11:00 बजे डाक अधीक्षक कार्यालय में साक्षात्कार होगा नवागत डाक अधीक्षक बीके सोनकर ने बताया कि मंडल की समस्त डाक योजनाओं का शत प्रतिशत क्रियान्वयन किया जाएगा तथा डाक विभाग की योजनाओं को धरातल पर लागू करने के लिए एक विस्तृत योजना बनाई जाएगी उन्होंने कहा कि डायरेक्ट एजेंट बनने से बेरोजगारों को एक रोजगार भी मिलेगा उन्होंने अधिक से अधिक शिक्षित बेरोजगारों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की है। नाग दीक्षित ने कहा कि इस संबंध में असुविधा/जानकारी के लिए 7007065847, 9450642346 पर सीधे संपर्क कर सकते हैं

विद्युत उपकेंद्र पलिया से ग्रामीण क्षेत्रों में मिल नहीं एक से दो घंटे लाइट

हरपालपुर (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। इकलौते पावर हाउस पलिया में इन दिनों ग्रामीण क्षेत्र में लाइट ग्रामीणों को 1 से 2 घंटे मिल रही है वह भी लो वोल्टेज के चलते उपकरण भी शो पीस बना कर रह गए हैं। विद्युत संबंधी एसडीओ व एसीएन विद्युत उपभोक्ताओं के फोन तक रिसीव नहीं करते। ग्रामीण क्षेत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अनुसार 18 घंटे बिजली मिल रही है। मगर जमीनी हकीकत में ग्रामीण क्षेत्र में 1 से 2 घंटे लाइट नसीब में मिल रही है। लोगों से जानकारी लेने के बाद पता चला है कि पलिया विद्युत उपकेंद्र को रूपापुर से विद्युत लाइन 33000 को जोड़ा गया जिससे ग्रामीण क्षेत्र के उपभोक्ताओं की उम्मीद लाइट को लेकर और बढ़ गई ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को लगा कि हम लोगों को जो मुख्यमंत्री के वादे के अनुसार अब 18 घंटे लाइट मिलेगी। लेकिन नई लाइन भी थोड़ी सी बारिश में खराब हो जाती है। ओर घंटों इंतजार करने के बाद वह लाइट सही होकर हम लोगों को मिल पाती है। इस समय लो वोल्टेज से उपकरण जो है वह शोपीस बन गए हैं।

फ्रिज, कूलर पानी मोटर सभी उपकरण शो पीस है।

धूमधाम से मनाया गया प्रवीण सिंह राजन का जन्मदिन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। मशहूर सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर एवं पत्रकार प्रवीण सिंह राजन के जन्मदिन को शिवपाल सिंह जन कल्याण संस्थान हरदोई द्वारा संचालित सांई नशा मुक्ति केंद्र नटवीर पुलिया पर धूमधाम से मनायाएअमर भारती दैनिक पेपर के ब्यूरो चीफ वरिष्ठ पत्रकार रितेश मिश्रा ने केक काटकर जन्मदिन को यादगार बनाया और आशीर्वाद दिया साथ ही तमाम चाहनेवालों ने प्रवीण सिंह राजन की लंबी आयु और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देकर जन्मदिन को यादगार बनाया।

आपको बताते चलें कि प्रवीण सिंह राजन कई समाचार पत्रों में काम कर चुके हैं और अभी वो लोक भारती दैनिक पेपर में क्राइम रिपोर्टर की भूमिका में हैं साथ ही बहुत कम समय में सोशल मीडिया पर लोगों को मोटिवेशन के साथ साथ हंसाने और गुदगुदाने का काम कर रहे हैं विभिन्न चैनलों पर उनके करीब दो लाख फॉलोवर हैं, प्रवीण सिंह राजन एक बेहद सौम्य और मिलनसार व्यक्तित्व के स्वामी हैं उनके जन्मदिन पर दिनभर सोशल मीडिया पर बधाईयों का तांता लगा रहा। प्रवीण सिंह राजन के जन्मदिन कार्यक्रम में दिवाकर मिश्रा देवेंद्र सिंह बब्लू वरिष्ठ पत्रकार अमित मिश्रा ब्रजेश मिश्रा एडवोकेट आलोक मिश्रा एडवोकेट इंद्रेश सिंह शिवम सिंह अशोक कुमार राहुल सिंह फौजी राघवेंद्र सिंह अभिषेक सिंह अविनाश सिंह सहित सैकड़ों चाहने वालों ने अपनी अपनी शुभकामनाएं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की।

बिजली कटौती के विरोध में अधिवक्ताओं ने किया प्रदर्शन, सिटी मजिस्ट्रेट को दिया ज्ञापन

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरदोई। अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता परिषद के सैकड़ो कार्यकर्ताओं पदाधिकारी ने कलेक्ट परिसर में राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता शिव सेवक गुप्त जय शिव के नेतृत्व में एकत्रित होकर जनपद हरदोई शहर में लगातार अघोषित बिजली कटौती के विरोध में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र सहित ज्ञापन अतिरिक्त मजिस्ट्रेट द्वितीय के माध्यम से प्रेषित किया गया तथा समस्या को लेकर व्यापक आक्रोश व्यक्त किया गया।

इस अवसर पर संयुक्त अधिवक्ता परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता शिव सेवक गुप्त जय शिव ने कहा जनपद हरदोई शहर के मोहल्ला आलू ठोक दक्षिणी आलू तोक उत्तरी ऊंचा तोक, देवीनपुरवा, आजाद नगर 52 रोड सांडी रोड कोतवाली रोड एवं संपूर्ण शहर में लगभग तीन दिनों से लगातार घोषित बिजली कटौती रात्रि ०8:00 बजे से 12:01 बजे तक यहां तक ही नहीं संपूर्ण रात्रि तक बिजली का आता पता नहीं रहता है राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गुप्त ने कहा अघोषित बिजली कटौती के चलते वृद्ध जन पेशेंट हाई ब्लड प्रेशर शुगर आदि एवं महिला विशेष कर बच्चों को अत्यधिक परेशानियों का सामना करना उनकी पढ़ाई अस्त.व्यस्त हो बच्चे तनाव ग्रस्त हैं पढ़ाई नहीं हो पा रही है इस भीषण गर्मी में इस प्रकार से अघोषित बिजली का काटना जनहित में व न्याय संगत नहीं है संयुक्त अधिवक्ता परिषद के संरक्षक वरिष्ठ अधिवक्ता रमेश सिंह सोमवंशी, दिनेश चंद्र अस्थाना, राकेश शुक्ला, प्रदीप पाठक ने कहा यदि शीघ्र शहर में चल रही बिजली कटौती को तत्काल 3 दिन के अंदर बंद नहीं किया गया तो संयुक्त अधिवक्ता परिषद व्यापक आंदोलन करने के लिए बिवस होगा इसकी सारी जिम्मेदारी स्थानीय जिला प्रशासन की होगी संयुक्त अधिवक्ता परिषद के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉक्टर सुरनाथ अवस्थी खुनखुन ने कहा स्थानीय बिजली प्रशासन घरों के घरेलू कनेक्शन पर वॉट तो बढ़ा देते हैं लेकिन ट्रांसफार्मर की लोडिंग नहीं बढ़ते इसलिए फाल्ट और शिकायतें ज्यादा हो रही है रजिस्टर पर शिकायत दर्ज का निस्तारण शीघ्र हो इसके लिए सक्रिय बिजली कर्मचारी रखने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर प्रमुख रूप से वरिष्ठ अधिवक्ता सर्वेद्र श्रीवास्तव एवं अहेश पाल सिंह, शशिकांत सिंह, अधिवक्ता संघ हरदोई के कोषाध्यक्ष राम प्रताप यादव अधिवक्ता प्रवक्ता राममोहन मिश्रा, जिला उपाध्यक्ष दिनेश चंद त्यागी जिला उपाध्यक्ष प्रभु नारायण त्रिवेदी अधिवक्ता जितेंद्र बाजपेई जिला संगठन मंत्री शुभम गुप्ता युवा जिला अध्यक्ष रामनिवास अधिवक्ता, अधिवक्ता विनय गुप्ता वैभव सक्सैना नैमिष अधिवक्ता रहमतुल्लाह अधिवक्ता इजहार अली अधिवक्ता वसीम अहमद संजय दीक्षित ऋषि नाथ मेवालाल देवदत्त भास्कर सहित सैकड़ो अधिवक्ता पदाधिकारी ने ज्ञापन में भाग लेकर आक्रोश व्यक्त किया।

कांवड़ यात्रा और डीजे संचालकों के साथ संपन्न हुई पुलिस की बैठक, दिए गए आवश्यक दिशा-निर्देश

राष्ट्रीय प्रस्तावना

हरियावाँ (हरदोई)। आगामी कांवड़ यात्रा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और धार्मिक गरिमा के अनुरूप संपन्न कराने को लेकर स्थानीय थाने में पुलिस प्रशासन द्वारा एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के डीजे संचालकों, कांवड़ सेवा समिति के पदाधिकारियों, ग्राम प्रधानों व गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया।

बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष वीर बहादुर सिंह ने की। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान ध्वनि विस्तारक यंत्रों के प्रयोग पर निर्धारित मानकों का पालन करना अनिवार्य होगा। डीजे बजाने की अनुमति केवल पूर्व निर्धारित समयसीमा और ध्वनि सीमा (डेसीबल) के अनुसार ही दी जाएगी। किसी भी प्रकार की अश्लील या भड़काऊ गीतों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

थाना प्रभारी ने निर्देश दिया कि यात्रा मार्गों पर शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु सभी से सहयोग अपेक्षित है। कांवड़ यात्रा में शामिल युवाओं से अपील की गई कि वे अनुशासन बनाए रखें और धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी कृत्य से दूर रहें। अंत में सभी ने यात्रा को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। पुलिस द्वारा यह भी स्पष्ट किया गया कि नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मल्लाावाँ क्षेत्र के तीन घरों को चोरों ने बनाया निशाना

मल्लावाँ (हरदोई)(राष्ट्रीय प्रस्तावना)। कोतवाली क्षेत्र में चोरों ने एक ही रात में तीन घरों को निशाना बनाया। चोरों ने बीती सोमवार रात को 40 हजार रुपये की नकदी और करीब 3 लाख रुपये के जेवरात चुरा लिए। पहली वारदात गांव तेजीपुर में हुई। सरोज कुशवाहा के घर से चोर 35 हजार रुपये नकदए सोने के एक जोड़ी झालाए एक अंगूठी और दो जोड़ी चांदी की पायल ले गए। सरोज इन दिनों गुरुग्राम में मजदूरी कर रहे हैं। उनकी पत्नी सोनी बच्चों के साथ छत पर सो रही थी। चोर पीछे की दीवार से छत पर चढ़कर घर में घुसे। दूसरी चोरी राजेश पाल के घर में हुई। चोरों ने यहां से 15 हजार रुपये नकदए एक जोड़ी बिछिया और एक जोड़ी पायल चुराई। करीब 25 हजार का सामान चोरी हुआ। खाली डिब्बे और कपड़े गांव के बाहर एक बाग में मिले। तीसरी वारदात पट्टी गांव में राजेश के घर में हुई। चोर यहां से 5 हजार रुपये नकदए एक सोने का माला और एक जोड़ी सोने की झुमकी समेत करीब एक लाख का सामान चोर ले गये। घटना के समय राजेश की पत्नी रौशनी अपने बच्चों के साथ बरामदे सो रही थी। थानाध्यक्ष बालेन्द्र मिश्रा के अनुसार फोरेन्सिक टीम जांच कर रही है। जल्दी ही चोरी का पर्दाफास किया जायेगा।

भाषाई दुराग्रह

हमारी राजनीति का स्तर कितना नकारात्मक व अवसरवादी हो चला है कि महाराष्ट्र में हिंदी विरोध को राजनीति साधने का अस्त्र बना लिया गया। विडंबना यह है कि जिस राज्य से सारे देश को एकता के सूत्र में पिरोने की सामाजिक सांस्कृतिक मुहिम संघ द्वारा चलायी जा रही है, उसी राज्य से राष्ट्र की संपर्क भाषा के खिलाफ भाषायी कट्टरपंथ को हवा दी जा रही है। विसंगति देखिए कि मराठी भाषा के नाम पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे बीस साल बाद एक मंच पर एकजुट हुए हैं। कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र में हिंदी विरोध पर 'भरत मिलाप' हुआ है। कभी हिंदी विरोध के जो सुर तमिलनाडु में सुनायी देते थे, वे अब महाराष्ट्र में भी तेजी से मुखर हो रहे हैं। मुंबई को भारत की आर्थिक राजधानी कहा जाता है, जिसमें योगदान देने के लिये उत्तर भारत के राज्यों के तमाम लोगों योगदान देते हैं। जहां बनने वाली हिंदी फिल्में इस राज्य की समृद्धि का आधार रही हैं। उसी राज्य में हिंदी बोलने वालों लोगों से मारपीट तक के मामले प्रकाश में आ रहे हैं। निश्चय ही ये भारत की संघीय अवधारणा की जड़ों पर प्रहार ही है। निश्चय रूप से इस सोच के मूल में भाजपा के राजनीतिक वर्चस्व को तोड़ना और मुंबई नगर निगम व राज्य की सत्ता पर काबिज होने की महत्वाकांक्षा ही है। लेकिन यह सोच राष्ट्रीय एकता व भाषायी सद्भाव को पलीता लगाने का ही कुत्सित प्रयास है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि आजादी के सात दशक बाद भी देश में जनता को विकास व तार्किक मुद्दों के बजाय संकीर्ण अस्मिता के नाम पर बरगलाया जा रहा है। उन मुद्दों को हवा दी जा रही है जिनके बूते महाराष्ट्र में शिव सेना अस्तित्व में आयी। विडंबना यही है कि ऐसे तत्वों को यदि राजनीतिक मंसूबे पूरा करने में सफलता मिलती है तो इसका नकारात्मक संदेश पूरे देश में जाएगा। बहुत संभव है कि देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संकीर्ण भाषायी विरोध की राजनीति मुखर होने लगे। जो राष्ट्रीय एकता व सद्भाव के लिये एक बड़ी चुनौती होगी। निस्संदेह, भारतीय लोकतंत्र की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि राजनीतिक दल सकारात्मक मुद्दों व विकास की प्राथमिकताओं को अपना एजेंडा बनाएं। दरअसल, सकारात्मक राजनीति में हाशिये पर गए दल ही सफलता के शॉर्टकट के रूप में ऐसे भावनात्मक मुद्दों को हवा देकर अपना उल्लू सीधा करते हैं। आज पूरी दुनिया विज्ञान की क्रांति व अभिव्यक्ति के तकनीकी विकास से एकजुट हो रही है, वहीं हम भाषीय संकीर्णताओं में उलझकर प्रगति के पहिए को थामने की कोशिशों में लगे हुए हैं। भले ही हमारी मातृभाषा कुछ भी हो, लेकिन पूरे देश में एक संपर्क भाषा के रूप में हिंदी की उपयोगिता को खारिज नहीं किया जा सकता है। कई राज्यों में त्रिभाषा फार्मूले के रूप में शिक्षा के प्रसार में सात समुंदर पार की अंग्रेजी भाषा के अंगीकार में तो कोई परहेज नहीं है, लेकिन तमाम भारतीय भाषाओं के शब्दों को समेटे देश के स्वतंत्रता आंदोलनकारियों द्वारा स्वीकृत हिंदी का विरोध किया जा रहा है। ये दुर्भाग्यपूर्ण ही है।

विसंगति देखिए कि मराठी भाषा के नाम पर राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे बीस साल बाद एक मंच पर एकजुट हुए हैं। कहा जा रहा है कि महाराष्ट्र में हिंदी विरोध पर 'भरत मिलाप' हुआ है। कभी हिंदी विरोध के जो सुर तमिलनाडु में सुनायी देते थे, वे अब महाराष्ट्र में भी तेजी से मुखर हो रहे हैं। मुंबई को भारत की आर्थिक राजधानी कहा जाता है, जिसमें योगदान देने के लिये उत्तर भारत के राज्यों के तमाम लोगों योगदान देते हैं। जहां बनने वाली हिंदी फिल्में इस राज्य की समृद्धि का आधार रही हैं। उसी राज्य में हिंदी बोलने वालों लोगों से मारपीट तक के मामले प्रकाश में आ रहे हैं। निश्चय ही ये भारत की संघीय अवधारणा की जड़ों पर प्रहार ही है। निश्चय रूप से इस सोच के मूल में भाजपा के राजनीतिक वर्चस्व को तोड़ना और मुंबई नगर निगम व राज्य की सत्ता पर काबिज होने की महत्वाकांक्षा ही है।

इतिहास में अमर है रणथंबोर का जौहर

रमेश शर्मा

रानी रंगादेवी चित्तौड़ की राजकुमारी थीं और रणथंबोर के इतिहास प्रसिद्ध राजा हमीरदेव को ब्याहीं थीं । रणथंबोर का यह राज परिवार पृथ्वीराज चौहान का वंशज माना जाता है । मोहम्मद गौरी के हमले से दिल्ली के पतन के बाद उनके एक पुत्र ने रणथंबोर में राज स्थापित कर लिया था । इसी वंश में आगे चलकर 07 जुलाई 1272 को हमीरदेव चौहान का जन्म हुआ। उनके पिता राजा जेत्रसिंह चौहान ने भी दिल्ली सल्तन के अनेक आक्रमण झेले थे, लेकिन रणथंबोर किले की रचना ऐसी थी कि हमलावर सफल न हो पाये । लगातार हमलों से राजपूताने की महिलाएं भी आत्म रक्षा के लिए शस्त्र संचालन सीखती थीं। हमीरदेव की माता हीरा देवी भी युद्ध कला में प्रवीण थीं। परिवार की पृष्ठभूमि ही कुछ ऐसी थी कि हमीर देव ने कभी स्वाभिमान से समझौता नहीं किया । उन्होंने अपने जीवन में कुल 17 युद्ध लड़े और 16 जीते।

भारत पर हुए मध्यकाल के आक्रमण साधारण नहीं थे । हमलावरों का उद्देश्य धन संपत्ति के साथ स्त्री और बच्चों का हरण भी रहा, जिन्हें वे अत्याचार के साथ गुलामों के बाजार में बेचते थे। इससे बचने के लिए भारत की हजारों वीरांगनाओं ने अपने बच्चों के साथ जल और अग्नि में कूदकर अपने स्वत्व और स्वाभिमान की रक्षा की । ऐसा ही एक जौहर रणथंबोर में 09 जुलाई 1301 से आरंभ हुआ जो तीन दिन चला । इस जौहर में राणा हमीर देव की रानी रंगा देवी ने अपनी पुत्री पद्मा के साथ जौहर किया। उनके साथ बारह हजार अन्य स्त्री और बच्चों ने जल और अग्नि में कूदकर अपने प्राणों का बलिदान दे दिया । रानी रंगादेवी चित्तौड़ की राजकुमारी थीं और रणथंबोर के इतिहास प्रसिद्ध राजा हमीरदेव को ब्याहीं थीं । रणथंबोर का यह राज परिवार पृथ्वीराज चौहान का वंशज माना जाता है । मोहम्मद गौरी के हमले से दिल्ली के पतन के बाद उनके एक पुत्र ने रणथंबोर में राज स्थापित कर लिया था । इसी वंश में आगे चलकर 07 जुलाई 1272 को हमीरदेव चौहान का जन्म हुआ। उनके पिता राजा जेत्रसिंह चौहान ने भी दिल्ली सल्तन के अनेक आक्रमण झेले थे, लेकिन रणथंबोर किले की रचना ऐसी थी कि हमलावर सफल न हो पाये । लगातार हमलों से राजपूताने की महिलाएं भी आत्म रक्षा के लिए शस्त्र संचालन सीखती थीं। हमीरदेव की माता हीरा देवी भी युद्ध कला में प्रवीण थीं। परिवार की पृष्ठभूमि ही कुछ ऐसी थी कि हमीर देव ने कभी स्वाभिमान से समझौता नहीं किया । उन्होंने अपने जीवन में कुल 17 युद्ध लड़े और 16 जीते । जिस अंतिम युद्ध में उनकी पराजय हुई उसी में उनका बलिदान हुआ। उन्होने 16 दिसंबर 1282 को रणथंबोर की सत्ता संभाली थी। उनका पूरा कार्यकाल युद्ध में बीता । दिल्ली के शासक जलालुद्दीन ने 1290 से 1296 के बीच रणथंबोर पर तीन बड़े हमले किए पर सफलता नहीं मिली । अलाउद्दीन उसका भतीजा था जो 1296 में चाचा की हत्या करके गद्दी पर बैठा । गद्दी संभालते ही अलाउद्दीन ने राजस्थान और गुजरात पर अनेक धावे बोले । पर रणथंबोर अजेय किला था । वह अपने चाचा के साथ रणथंबोर में पराजय का स्वाद चख चुका था इसलिए उसने यह किला छोड़ रखा था तभी 1299 में एक घटना घटी । अलाउद्दीन की सेना गुजरात से लौट रही थी। उसके दो मंगोल सरदार मोहम्मद खान और केबरु खान रास्ते में रुक गए और रणथंबोर में राजा हमीर देव के पास पहुंचे। दोनों ने अलाउद्दीन के विरुद्ध शरण मांगी । हमीर देव ने विश्वास करके दोनों को न केवल शरण दी अपितु जगाना की जागीर भी दे दी। इस घटना के लगभग दो वर्ष बाद अलाउद्दीन ने रणथंबोर पर धावा बोला । यह कहा जाता है कि अलाउद्दीन इन दोनों को शरण देने से नाराज था । इसलिए धावा बोला पर कुछ इतिहासकारों का मानना है कि यह अलाउद्दीन खिलजी की रणनीति थी । इन दोनों ने न केवल किले के कई भेद दिए अपितु हमीर देव की सेना में भेद पैदा किया, इससे हमीर देव के दो अति विश्वस्त सेनापति रणमत और रतिपाल अलाउद्दीन से मिल गए । इतना करने के बाद 1301 में अलाउद्दीन ने रणथंबोर पर धावा बोला तब हमीर देव एक धार्मिक आयोजन में व्यस्त थे और उन्होंने अपने इन्हीं दोनों सेनापतियों को युद्ध में भेजा । लेकिन दोनों के मन में विश्वासघात आ गया था। इनके अलाउद्दीन से मिल जाने से रणथंबोर की सेना कमजोर हुई । तब किले के दरबाजे बंद कर लिए गए,पर किले के भीतर गद्दार थे। रसद सामग्री में विष मिला दिया गया । किले के भीतर भोजन की विकराल समस्या उत्पन्न हो गई । इस विष मिलाने के संदर्भ में अलग-अलग इतिहासकारों के मत अलग हैं। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि मोहम्मद खान और कुबलू खान की कारस्तानी थी जबकि कुछ रणमत और रतिपाल का विश्वासघात मानते हैं। विवश होकर हमीरदेव ने केशरिया बाना पहन कर साका करने का निर्णय लिया और किले के भीतर सभी महिलाओ ने रानी रंगा देवी के नेतृत्व जौहर करने का निर्णय लिया । यह जौहर 9 जुलाई से आरंभ हुआ जो तीन दिन चला । यह जौहर दोनों प्रकार का हुआ अग्नि जौहर भी और जल जौहर भी। तीसरे दिन 11 जुलाई 1301 को रानी रंगादेवी ने अपनी बेटी पद्मला के साथ जल समाधि ली । राजा हमीर देव 11 जुलाई को केशरिया बाना पहनकर निकले और बलिदान हुए । इस जौहर में कुल बारह हजार वीरांगनाओं ने अपने स्वत्व रक्षा के लिये प्राण न्यौछावर कर दिए । यह राजस्थान का पहला बड़ा जौहर माना जाता है । इतिहास के विवरण के अनुसार रणमत और रतिपाल अलाउद्दीन खिलजी के हाथों मारे गए जबकि मोहम्मद खान और कुबलू खान का विवरण नहीं मिलता । इसी से यह अनुमान लगाया जाता है की इन दोनों सरदारों को हमीर देव के पास भेजने की रणनीति अलाउद्दीन की ही रही होगी ताकि किले के गुप्त भेद पता कर विश्वासघाती पैदा किए जा सकें । चूंकि युद्ध के पहले का घटनाक्रम साधारण नहीं है । अलाउद्दीन की धमकियों के बीच युद्ध की तैयारी करने की बजाय एक विशाल पूजन यज्ञ की तैयारी करना आश्चर्यजनक है । किसने युद्ध के घिरते बादलों से ध्यान हटाकर यज्ञ में लगाया ? अब सत्य जो हो पर रंगादेवी के जौहर का वर्णन सभी इतिहासकारों के लेखन में है । जो तीन दिन चला । इतिहास के जिन ग्रंथों में इस जौहर का विवरण है उनमें ''हम्मीर ऑफ रणथंभोर'' लेखक हरविलास सारस्वत, जोधराकृत हम्मीररासो संपादक-श्यामसुंदर दास, जिला गजेटियर सवाई माधोपुर तथा सवाईमाधोपुर दिग्दर्शन संपादक गजानंद डेरोलिया में है । इधर हम्मीर रासो में लिखा है कि जौहर के वक्त रणथम्भौर में रानियों ने शीस फूल, दामिनी, आड़, तांटक, हार, बाजूबंद, जोसन पौंची, पायजेब आदि आभूषण धारण किए थे। हम्मीर विषयक काव्य ग्रंथों में सुल्तान अलाउद्दीन द्वारा हम्मीर की पुत्री देवलदेह, नर्तकियों तथा सेविकाओं की मांग करने पर देवलदेह के उत्सर्ग की गाथा मिलती है, किन्तु इसका ऐतिहासिक संदर्भ नहीं मिलता। इतिहासकार ताऊ शोखावटी के अनुसार, उम्मीरदेव की पत्नी रंगादेवी ने सेविकाओं और अन्य रानियों के साथ जौहर किया था। इतिहासकारों के अनुसार यह राजस्थान का पहला जौहर था। एक विवरण में लिखा है कि सुल्तान अलाउद्दीन ने हमीरदेव की पुत्री देवलदेह सहित रनिवास की सभी महिलाओं के साथ समर्पण करने की शर्त रखी थी । इसलिए हमीरदेव ने शाका करने का निर्णय लिया और रनिवास ने जौहर करने का ।

वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ मोदी सरकार का विकास मॉडल और प्रतिवाद रणनीति

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

वामपंथी उग्रवाद का हिस्सा शहरी नक्सली, एक ऐसा मुहावरा जिसने हाल के वर्षों में लोकप्रियता हासिल की है, शहरी क्षेत्रों में ऐसे व्यक्तियों और संगठनों को संदर्भित करता है जो माओवादी उग्रवाद के साथ सहानुभूति रखते हैं, उसका समर्थन करते हैं या सक्रिय रूप से सहायता करते हैं। शहरी नक्सली भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए खतरा हैं और शत्रुतापूर्ण देशों में उनके कई समर्थक हैं, जिनके साथ हम कई वर्षों से छद्म युद्ध लड़ रहे हैं। ये शहरी नक्सली स्थानीय विरोध को खरीदने की चाहत रखने वाले वैश्विक व्यापारिक दिग्गजों की तरह भारत के खिलाफ अपने हमले को आगे बढ़ाने के लिए प्रमुख माध्यम हैं। ये शहरी समर्थक छद्म बुद्धिमान, अच्छे वक्ता होते हैं और खुद को सामाजिक कार्यकर्ता, शिक्षाविद या मानवाधिकार अधिवक्ता बताते हैं, लेकिन उनका असली लक्ष्य युवा, भोले-भाले दिमागों को भर्ती करके और माओवादी प्रचार करके देश को अस्थिर करना है। एनआईए के अध्ययन के अनुसार, कई फ्रंटल संगठन और छात्र विंग इस भर्ती प्रयास का नेतृत्व कर रहे हैं। ये संगठन कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में छात्रों की आदर्शवादिता और कमजोरी का फायदा उठाते हैं। वे सामाजिक न्याय के पैरोकार बनकर छात्रों को कट्टरपंथी मान्यताओं से भर देते हैं, उन्हें सरकार का विरोध करने और हिंसक, विद्रोही जीवनशैली अपनाने के लिए मजबूर करते हैं। इस ज़हरीली मानसिकता या विचारधारा के परिणामस्वरूप हम एक समाज और राष्ट्र के रूप में बहुत पीड़ित हैं। हालांकि, हाल के वर्षों में भारत की बहुआयामी वामपंथी उग्रवाद विरोधी नीति, जो सुरक्षा प्रवर्तन, समावेशी विकास और सामुदायिक भागीदारी को जोड़ती है, एक बड़ी सफलता रही है। आंदोलन धीरे-धीरे कम हो गया है, हिंसा में काफी कमी आई है और कई वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों को राष्ट्रीय मुख्यधारा में फिर से शामिल किया जा रहा है। भारत सरकार 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह से खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। वामपंथी उग्रवाद का छत्तीसगढ़, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और पूर्वोत्तर राज्यों जैसे राज्यों के कुछ इलाकों पर प्रभाव पड़ा है। दशकों से उग्रवाद से संबंधित रक्तपात ने पूर्वोत्तर में जीवन को दबा दिया था। पिछले 11 वर्षों में सरकार ने महत्वपूर्ण उग्रवादी संगठनों के साथ 12 शांति संधियों पर बातचीत की है और 10,000 से अधिक विद्रोहियों ने अपने हथियार डाल दिए। मुख्यधारा के जीवन में प्रवेश किया है। बोडो शांति समझौता और ब्रू-रियांग पुनर्वास संधि जैसे ऐतिहासिक समझौतों ने न केवल शांति बहाल की, बल्कि इस क्षेत्र को मुख्यधारा में फिर से शामिल करने के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की। हाल ही में त्रिपुरा में एनएलएफटी और एटीटीएफ के साथ 2024 के समझौते ने 35 साल की लड़ाई को समाप्त कर दिया। इन ऐतिहासिक पहलों ने न केवल शांति में सुधार किया है, बल्कि स्थानीय समुदायों में विश्वास भी बढ़ाया है। इस शांति-केंद्रित दृष्टिकोण के स्पष्ट परिणाम के रूप में सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम को पूरे पूर्वोत्तर में कम कर दिया गया है। 2014 और 2024 के बीच, हिंसक घटनाओं में 70 प्रतिशत की कमी आई है। नरेन्द्र मोदी की सरकार ने नीतिगत सुधारों को भी लागू किया। 2015 में लुक ईस्ट से एक्ट ईस्ट नीति में परिवर्तन ने पूर्वोत्तर को एक सुदूर सीमा से दक्षिण-पूर्व एशिया के एक महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार में बदल दिया। कलादान मल्टीमॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट और बांग्लादेश के साथ अगरतला-अखौरा रेल लिंक जैसी प्रमुख पहलें व्यापार और गतिशीलता बढ़ाने के लिए सीमा पार कनेक्शन बना रही हैं। क्षेत्र का सांस्कृतिक पुनरुत्थान भी उतना ही महत्वपूर्ण रहा है। पहले नजरअंदाज किए गए पूर्वोत्तर भारत के समृद्ध सांस्कृतिक अतीत की अब राष्ट्रीय और विश्वव्यापी स्तर पर सराहना हो रही है। नॉर्थ ईस्ट जोन कल्चरल सेंटर जैसे सांस्कृतिक केंद्रों की स्थापना ने नगालैंड के हॉर्नबिल और मणिपुर के संगाई जैसे क्षेत्रीय त्योहारों को बढ़ावा दिया है। यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में चोराइदेओ के मोइदाम के शिलालेख ने क्षेत्र के सांस्कृतिक गौरव को बढ़ा दिया है। मुगा सिल्क, जोहा चावल, तेजपुर लीची, काजी नेमू और बोका चौल जैसे स्थानीय उत्पादों ने जीआई लेबल प्राप्त किए हैं, जिससे उनकी दृश्यता और आर्थिक मूल्य बढ़ गया है। इस पुनर्जीवित सांस्कृतिक पहचान और उन्नत बुनियादी ढांचे के परिणामस्वरूप पर्यटन फल-फूल रहा है। अकेले 2023 में इस क्षेत्र में लगभग 1.20 करोड़ घरेलू पर्यटक और 2.21 लाख विदेशी आगंतुक थे। पूर्वोत्तर भारत में कृषि, जो पहले अपने प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों के बावजूद कम प्रदर्शन से सीमित थी, एक शानदार बदलाव के दौर से गुजर रही है। उत्तर पूर्वी क्षेत्र के लिए मिशन ऑर्गेनिक वैल्यू चेन डेवलपमेंट जैसे विशिष्ट प्रयासों से 1.89 लाख से अधिक किसानों को सीधे लाभ हुआ है, जिसने 1.73 लाख हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र को जैविक खेती में बदल दिया है। इन किसानों को और सशक्त बनाने के लिए ''10,000 एफपीओ के गठन और संवर्धन'' पहल के हिस्से के रूप में 205 किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) स्थापित किए गए हैं, जो क्षेत्र के 15,500 किसानों को कवर करते हैं। ये एफपीओ सामूहिक सौदेबाजी की शक्ति को मजबूत करते हैं, प्रसंस्करण कौशल में सुधार करते हैं और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच को व्यापक बनाते हैं। भारत सरकार सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की खामियों को दूर करने के लिए विशेष केंद्रीय सहायता (एससीए) नामक एक विशेष योजना के अंतर्गत क्रमशः सबसे अधिक प्रभावित जिलों और चिंता के जिलों को 30 करोड़ और 10 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करती है। इसके अलावा, विभिन्न जिलों के लिए उनकी जरूरतों के आधार पर अनूठी पहल प्रदान की जाती है। वामपंथी उग्रवाद की हिंसक घटनाएं, जो 2010 में 1936 के शिखर पर थीं, 2024 में 374 तक गिर गई हैं, जो 81 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। इसी तरह कुल मौतों की संख्या भी इस दौरान 85 प्रतिशत कम हुई है, जो 2010 में 1005 से 2024 में 150 हो गई है। भारत सरकार ने वामपंथी उग्रवाद के संबंध में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई है। पहला, नक्सलवाद प्रभावित क्षेत्रों में कानून का शासन स्थापित करना और सभी अवैध हिंसक कृत्यों को समाप्त करना। दूसरा, लंबे समय तक नक्सली आंदोलन के परिणामस्वरूप विकास से वंचित क्षेत्रों में नुकसान की शीघ्र भरपाई करना। वामपंथी उग्रवाद के खतरे से समग्र रूप से निपटने के लिए, वामपंथी उग्रवाद के लिए एक राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना को 2015 में मंजूरी दी गई थी। इसमें एक बहुआयामी रणनीति की परिकल्पना की गई है जिसमें सुरक्षा उपाय, विकास पहल, स्थानीय लोगों के अधिकारों और पात्रता की रक्षा आदि शामिल हैं। कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में 48 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और 61 कौशल विकास केंद्र स्थापित किए गए हैं। वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों में 178 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय चालू किए गए हैं। कौशल विकास योजना का विस्तार सभी 48 जिलों में किया गया। सुरक्षा बलों के लिए 1,143 आदिवासी युवाओं की भर्ती की गई। 2019 से अब तक सुरक्षा की कमी को पूरा करने के लिए 280 नए कैंप स्थापित किए गए हैं, 15 नए संयुक्त कार्य बल बनाए गए हैं और विभिन्न राज्यों में राज्य पुलिस की मदद के लिए 6 सीआरपीएफ बटालियन भेजी गई हैं। इसके साथ ही नक्सलियों के वित्त को काटने के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी को सक्रिय करके एक आक्रामक योजना लागू की गई है, जिसके परिणामस्वरूप उनके लिए वित्तीय संसाधनों की कमी हो गई है। नक्सलियों को घेरने और उन्हें भागने से रोकने के लिए कई लंबी अवधि के ऑपरेशन किए गए। दो अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड से 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' की शुरुआत की।

अपनी पहचान जाहिर करने में कैसी शर्म!

डॉ. आशीष वशिष्ठ

उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कांवड़ यात्रा निकालने की परंपरा है। कांवड़ यात्रा का विराट रूप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिखता है। हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकलने वाले कांवड़ यात्री इस मार्ग से निकलते हैं। इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां पर श्रद्धालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है।

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन की शुरुआत 11 जुलाई से है। सावन की शुरुआत के साथ ही कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हो जाएगा। कांवड़ यात्रा में शिवभक्त नंगे पांव हाथ में कांवड़ लेकर लंबी दूरी तय करके शिवलिंग या ज्योतिर्लिंग में जाते हैं और पवित्र नदियों के जल से उनका अभिषेक करते हैं। उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कांवड़ यात्रा निकालने की परंपरा है। कांवड़ यात्रा का विराट रूप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिखता है। हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकलने वाले कांवड़ यात्री इस मार्ग से निकलते हैं। इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां पर श्रद्धालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है। असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि कांवड़ मार्ग पर कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर ढाबे और दुकानें चलाकर शिव भक्तों को धोखा दे रहे हैं। पहचान छुपाकर धोखा देने वाले कई मामले सामने आने के बाद पिछले साल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी किए कि कांवड़-यात्रा के मार्ग के ढाबे, होटल, रेस्तरां, दुकानदार, खोमचेवाले स्पष्ट नाम पट्टिका लगाएंगे। सरकार का मंतव्य है कि कांवडियों की आस्था और श्रद्धा खंडित न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश इस पर रोक लगा दी थी। हालांकि, इस साल भी उप्र और उत्तराखंड की सरकारों ने पिछले साल की भांति आदेश जारी किए हैं। ताजा प्रकरण यह है कि, स्वामी यशवीर महाराज और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता कांवड़ मार्ग स्थित दिल्ली-दून हाईवे स्थित पंडित वैष्णो ढाबा पर पहुंचे। वास्तव में, ढाबा मुस्लिम का था, लेकिन बोर्ड पर लिखा था-'पंडित का शुद्ध वैष्णो ढाबा।' यानी पहचान छिपाने का अपराध किया गया था। पंडित वैष्णो ढाबे को सनव्वर नाम का एक मुस्लिम व्यक्ति चलाता है। इस ढाबे में उसका बेटा आदिल और जुबैर समेत दो अन्य लोग भी काम करते हैं। कहा जा रहा है कि यशवीर महाराज और अन्य ने ढाबे के मालिक और कर्मचारियों की धार्मिक पहचान जांचने के लिए पैंट उतरवाई। विवाद यहीं से भड़का। आग में घी डालते हुए समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने पहचान वाले मामले को पहलगाम आतंकी हमले से जोड़ने का काम किया। हसन ने कहा कि, ''मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आम नागरिकों को अधिकार है कि वह किसी दुकानदार की पैंट उतरवाकर चेक कर सकते हैं? क्या पहलगाम में आतंकियों ने पैंट नहीं उतरवाई थी? ऐसा करने वाले और पहलगाम के आतंकवादियों में क्या अंतर रह गया? उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा नहीं, पुलिस इसकी जांच कर रही है। लेकिन प्रकरण को 'सांप्रदायिक मोड़' दे दिया गया। पहलगाम एक सुनियोजित आतंकी कृत्य था। इन दोनों घटनाओं की तुलना करना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यह समाज में धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करने का प्रयास भी है। और जहां तक बात पहचान छुपाने या धोखा देने की है तो यह धंधा लंबे समय से चल रहा है। जुलाई, 2021 में गाजियाबाद में दो ऐसे मुसलमान दुकानदारों का पता चला था, जो हिंदू नाम से दुकान चला रहे थे। इनमें एक दुकान पुरानी सब्जी मंडी में है, जिसका नाम है 'न्यू अग्रवाल पनीर भंडार।' इस दुकान का मालिक है मंजूर अली। दूसरी दुकान 'लालाजी पनीर भंडार' के नाम से है। इसका मालिक ताहिर हुसैन है। इन दोनों का कहना था कि हिंदू नाम रखने से ग्राहक कम पूछताछ करते हैं और धंधा अच्छा चलता है। यानी ये धंधे के लिए हिंदुओं के साथ धोखा कर रहे थे। इनकी पोल तब खुली जब कुछ लोगों को पता चला कि इनका जीएसटी नंबर इनके असली नाम से है। स्थानीय दुकानदारों ने इनका विरोध किया तो इन लोगों ने अपनी दुकानों के नाम बदल लिए हैं। पिछले साल कांवड़ यात्रा के समय जब नेम प्लेट लगाने के आदेश जारी हुए थे, तो खूब हंगामा मचा था। उस समय सोशल मीडिया से लेकर अखबारों और समाचार चैनलों तक में इस बात की बड़ी चर्चा थी कि कैसे एक आदेश के चलते रातों रात मुजफ्फरनगर का 'संगम शुद्ध शाकाहारी होटल' बन गया 'सलीम ढाबा।' 'मां भवानी जूस कार्नर' का नाम हो गया 'फहीम जूस केंद्र।' 'टी प्वाइंट' का नाम हो गया 'अहमद टी स्टाल।' ऐसे ही 'नीलम स्वीट्स' का मालिक निकला मोहम्मद फजल अहमद। 'अनमोल कोल्ड ड्रिंक्स' का मालिक है मोहम्मद कमर आलम। खतौली के 'चीतल ग्रैंड' के बाहर एक बोर्ड लग गया है, जिस पर लिखा गया है- शारिक राणा डायरेक्टर। सहारनपुर में चल रहे 'जनता वैष्णो ढाबा' का मालिक है मोहम्मद अनस सिद्दीकी। मुजफ्फरनगर के बझेड़ी गांव निवासी वसीम अहमद ने पिछले साल पहचान जाहिर होने के बाद अपना 'गणपति' ढाबा बेच दिया। एक रिपोर्ट के अनुसार देहरादून-नैनीताल राजमार्ग पर 20 से अधिक ढाबे ऐसे हैं, जो हिन्दू देवी-देवताओं के नाम पर हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाले मुसलमान हैं। हरिद्वार नजीबाबाद रोड पर चिडियापुर और समीरपुर गंग नहर रोड पर भी ऐसे हिंदू नामधारी ढाबे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मेरठ, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, मुंडा पांडे हाईवे पर भी दर्जनों ऐसे ढाबे चल रहे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, धोखा देने के लिए ये लोग होटल के अंदर हिंदू देवी-देवताओं के चित्र भी रखते हैं, ताकि हिंदू यात्रियों को लगे कि वे किसी हिंदू होटल में ही खाना खा रहे हैं। लेकिन जब कोई ग्राहक ऑनलाइन पैसा देता है, तब पता चलता है मालिक मुसलमान है। इन ढाबों और होटलों में काम करने वाले लोगों के नाम राजू, विक्की, गुड्डू, सोनू जैसे होते हैं। ये लोग तिलक भी लगाते हैं और कलावा भी बांधते हैं। यह धोखा नहीं तो क्या है? मुजफ्फरनगर के पंडित वैष्णो ढाबे पर काम करने वाले तजमुल ने खुद को गोपाल बताया था। हरिद्वार में गुप्ता चाट भंडार में स्कैनर से पेमेंट गुलफाम नाम के अकाउंट में जाने का मामला बीते दिनों प्रकाश में आया है। अहम सवाल यह है कि पहचान छुपाकर व्यापार करने के पीछे कोई मजबूरी है या षडयंत्र? मुस्लिम व्यक्ति को अपने नाम से दुकान या ढाबा खोलने में क्या दिक्कत है? अपने-अपने धर्म के हिसाब से नाम लिखकर लोग दुकान खोलेंगे या व्यापार करेंगे तो ग्राहक अपनी मर्ज़ी से दुकान पर जाएगा और जिसे जहां से जो खरीदना होगा, वो वहां से ख़रीदेगा। लेकिन पहचान छुपाकर व्यापार या कोई अन्य कार्य करना कानून और नैतिक तौर पर गलत और अपराध है। ऐसी घटनाएं और प्रकरण प्रकाश में आने के बाद संदेह और अविश्वास का माहौल बनता है। जो सामाजिक, राजनीतिक और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर दिक्कतें पैदा करता है। बात जब खाने पीने की हो तो मामला गंभीर और संवेदनशील हो जाता है। खानपान के पीछे व्यक्तिगत रूचि, संस्कार, धर्म-कर्म और आस्था की पृष्ठभूमि और भूमिका होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शासन-प्रशासन के नेम प्लेट के आदेश से किसी की भावनाएं आहत नहीं होतीं। खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 में स्पष्ट प्रावधान है कि खानपान के दुकानदारों को अपना फूड लाइसेंस ऐसी जगह लगाना होगा, जहां आसानी से उसे देखा जा सके। वैसे भी ये मसला हिंदू-मुस्लिम, धार्मिक भेदभाव या किसी की आजीविका की बजाय सीधे तौर भावनाओं और ग्राहक के अधिकार से जुड़ा है। जो करोड़ों की संख्या में कांवड़िए हरिद्वार से गंगा जल लेकर अपने गंतव्य की ओर जाते हैं, उन सबको रास्ते में भोजन कैसा मिले? कैसा भोजन वो खाएं? ये उनकी स्वतंत्रता है। जब मुसलमान हलाल प्रमाणपत्र देखकर ही कोई सामान खरीदता है, तब हिंदू भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता है।

भैंसहारा-उदशाह संपर्क मार्ग की खस्ताहाली से ग्रामीण बेहाल, एसडीएम ने लिया संज्ञान

- गहरे गड्ढे और जलभराव से आवागमन बाधित, ग्रामीणों ने की शीघ्र मरम्मत की मांग

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

सफीपुर (उन्नाव)। तहसील क्षेत्र के मियागंज-सफीपुर मार्ग से जुड़े भैंसहारा-उदशाह संपर्क मार्ग की जर्जर हालत ने ग्रामीणों की परेशानियां बढ़ा दी हैं। गहरे गड्ढों और जलभराव के चलते मार्ग पर आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया है, जिससे क्षेत्र के कई गांवों के लोगों में आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीण हरेंद्र कुमार ने बताया कि क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य के चलते भारी डंपर और ट्रकों की आवाजाही से संपर्क मार्ग की हालत और बिगड़ गई है। डंपरों द्वारा मिट्टी ढोए जाने के कारण सड़क पर गड्ढे बन गए हैं, जिनमें बारिश का पानी भर जाने से फिसलन और जलभराव की स्थिति बन गई है। गजेन्द्र सिंह ने कहा कि बारिश के मौसम में स्थिति और भी भयावह हो गई है। कीचड़ और गड्ढों के कारण दोपहिया वाहनों का चलना मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार कई बार राहगीरों को गिरने और चोट लगने की घटनाएं भी हो चुकी हैं।

यह मार्ग भैंसहारा, बुझपालपुर, अलीगंज, उदशाह और अन्य गांवों को लखनऊ-बांगरमऊ मार्ग से जोड़ता है। इससे छात्र, किसान और दैनिक आवागमन करने वाले लोग गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। रमेश कुमार ने कहा कि प्रशासन को इस ओर तत्काल ध्यान देना चाहिए। उन्होंने मांग की कि मिट्टी खनन में लिप्त डंपरों पर जुर्माना लगाया जाए और क्षतिग्रस्त मार्ग की शीघ्र मरम्मत कराई जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। ग्रामीणों ने समस्या की जानकारी सफीपुर के उपजिलाधिकारी शिवेंद्र वर्मा को फोन के माध्यम से दी। एसडीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए कहा कि वह शीघ्र स्थलीय निरीक्षण कराकर रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजेंगे, जिसके आधार पर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।ग्रामीणों की मांग है कि बरसात के इस मौसम में दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए मार्ग की तत्काल मरम्मत कर आवागमन बहाल किया जाए।

फार्मासिस्ट के भरोसे चल रहा चंदवारा का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र

जसपुरा/बांदा। सरकार भले ही हर व्यक्ति को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने का दावा कर रही हो, लेकिन पैलानी तहसील के विकासखंड जसपुरा अंतर्गत स्थित चंदवारा का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इन दावों की पोल खोल रहा है।यहां स्वास्थ्य सेवाएं नाम मात्र की रह गई हैं और मरीजों की जान फार्मासिस्ट के भरोसे चल रही है।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवारा वर्षों से स्टाफ की भारी कमी से जूझ रहा है।स्थिति यह है कि एकमात्र फार्मासिस्ट ही मरीजों का इलाज करने को मजबूर हैं।वर्षों से चिकित्सक,लैब सहायक,वार्ड ब्वॉय और सफाईकर्मी जैसे जरूरी पद खाली पड़े हैं।यहां लगभग बीस हजार की आबादी को सिर्फ फार्मासिस्ट की सलाह पर दवा मिलती है।गंभीर रोगों के इलाज के लिए लोगों को 20 किलोमीटर दूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जसपुरा जाना पड़ता है।अस्पताल परिसर की हालत और भी चिंताजनक है। चारों ओर गंदगी फैली हुई है और जगह-जगह जलभराव है, जिससे मच्छर पनप रहे हैं और संक्रामक रोगों के फैलने का खतरा बना हुआ है।

बीएड व डीएलएड कॉलेजों को बड़ी राहत, परियर समेत चार महाविद्यालयों की मान्यता बहाल

- एनसीटीई की उत्तर क्षेत्रीय समिति का निर्णय, प्रवेश प्रक्रिया से पहले छात्रों को लाभ

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

परियर (उन्नाव)। बीएड और डीएलएड पाठ्यक्रमों में दाखिले से पहले छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर से संबद्ध चार महाविद्यालयों को बड़ी राहत मिली है। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) की उत्तर क्षेत्रीय समिति ने इन कॉलेजों की मान्यता बहाल कर दी है। इस फैसले से आगामी सत्र 2025-26 में प्रवेश की तैयारी कर रहे सैकड़ों छात्रों को लाभ मिलेगा। हाल ही में एनसीटीई ने देशभर में मानकों को पूरा न करने वाले 1000 से अधिक बीएड और डीएलएड कॉलेजों की मान्यता रद्द कर दी थी। इस कार्रवाई से उत्तर प्रदेश के भी कई कॉलेज प्रभावित हुए थे। इसके बाद कई कॉलेज संचालकों ने परिषद के समक्ष मानक पूर कर पुनः मान्यता बहाल कराने की अपील की थी।

उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित कॉलेज संगठन के अध्यक्ष विनय त्रिवेदी ने जानकारी दी कि छात्रों के हितों को देखते हुए परिषद ने प्रवेश शुरू होने से पहले चार कॉलेजों की मान्यता बहाल कर दी है। इससे विद्यार्थियों को न केवल समय से दाखिला मिलेगा बल्कि उनका शैक्षणिक सत्र भी प्रभावित नहीं होगा।

उन्होंने बताया कि दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेशानुसार जिन महाविद्यालयों की बीएड, एमएड एवं डीएलएड (पूर्व में बीटीसी) पाठ्यक्रमों की मान्यता बहाल की गई है, उनमें लव कुश महाविद्यालय परियर (उन्नाव), शहीद भगत सिंह पीजी कॉलेज सूबेदार नगर बिठूर, लव कुश इंस्टीट्यूट फॉर हायर एजुकेशन चौबेपुर कानपुर एवं पंडित बाल गोविंद दीक्षित कॉलेज ऑफ एजुकेशन बिठूर शामिल हैं। अब इन महाविद्यालयों को सत्र 2025-26 की काउंसलिंग प्रक्रिया में शामिल कर प्रवेश की अनुमति दी गई है। छात्रों व अभिभावकों ने परिषद के इस निर्णय का स्वागत किया है और कहा है कि यह निर्णय समय पर लिया गया जिससे उनके भविष्य पर संकट नहीं आया। विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला न केवल छात्रों के हित में है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और गुणवत्ता को भी बल देगा। परिषद का यह कदम शिक्षा के स्तर को सुधारने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास माना जा रहा है।

कौशाम्बी में 95 विद्यालयों के विलय का शिक्षक संघ ने किया विरोध

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

कौशाम्बी। जनपद कौशाम्बी में 95 परिषदीय विद्यालयों के विलय का विरोध करते हुए शिक्षक संघ द्वारा मंगलवार को बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को सम्बोधित जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। गौरतलब हो कि अपर शिक्षा निदेशक दीपक कुमार के आदेश पर जनपद के 95 परिषदीय विद्यालयों को दूसरे विद्यालय में मर्ज किए जा रहा है जिससे उक्त विद्यालयों में कार्यरत प्रधानाध्यापक, रसोइयों व शिक्षामित्रों का पद स्वतः समाप्त हो जायेगा। इनमें 150 से कम नामांकन वाले प्राथमिक व 100 से कम नामांकन वाले जूनियर विद्यालय के प्रधानाध्यापक के पद को सरप्लस घोषित किया गया है जिससे विद्यालय में प्रधानाध्यापक न होने से विद्यालय चलाना मुश्किल होगा। इसी तरह विद्यालयों के मर्ज होने पर विद्यालयों की दूरी बढ़ने से काफी बच्चे शिक्षा से वंचित हो जायेंगे। शिक्षक संघ ने सरकार से उक्त निर्णय वापस लेने की मांग की मांग की है।

मार्ग दुर्घटना में एक की मौत, सात हुए घायल

बांदा। तेज वाहनों की रफ्तार में रोक नहीं लग पा रहा है जिसको लेकर आए दिन बड़ी सड़क दुर्घटनाएं होती है। जिस पर आमने सामने के भिड़ंत में ऑटो और बिक्की सवार लोग घायल हो गए और ऑटो खंती में जा गिरी। मामला गिरवा थाना क्षेत्र के मोरवा गांव के पास का है जहां पर मंगलवार की दोपहर 1 बजे नरैनी तरफ से सवारी भरकर ऑटो बांदा जा रहा था और बांदा की तरफ से दो लोग बिक्की में सवार थे जो दोनों लोग तेज रफ्तार में होने की वजह से ऑटो अनियंत्रित हो गई और खंती में जा गिरी और बिक्की सब युवक भी जाकर भीड़ गए जिससे सवारियों और बिक्की सवार लोगों के चीँख पुकार निकलने लगी जिस पर नरैनी की तरफ सीओ नरैनी कृष्ण कंात त्रिपाठी बांदा मुख्यालय। जा रहे थे तो देख जिस पर अपनी गाड़ी रोक दो घायलों को अपनी कार में लेकर मेडिकल कॉलेज लाए और शेष सवारियों को एंबुलेंस और पुलिस की मदद से उनको मेडिकल कॉलेज भेजा गया वहीं घायलो को जैसे मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया ।

डीएम की अध्यक्षता में जिला ओटीडी सेल की समीक्षा बैठक सम्पन्न

- उन्नाव की अर्थव्यवस्था को ट्रिलियन डॉलर लक्ष्य की ओर अग्रसर करने की तैयारी तेज

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

उन्नाव। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी गौरांग राठी की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला वन ट्रिलियन डॉलर (ओटीडी) सेल की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिले की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने और प्रदेश सरकार के 2029 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करने के लिए ठोस रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी चित्रा दुबे ने बताया कि भारत वर्तमान में विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा प्रदेश को वर्ष 2029 तक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प लिया गया है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए जनपद स्तर पर 35 सदस्यीय ''जिला ओटीडी सेल'' का गठन किया गया है, जिसकी त्रैमासिक समीक्षा स्वयं जिलाधिकारी करेंगे।

बैठक में कृषि, दुग्ध, मत्स्य उत्पादन, उद्योग स्थापना, अवस्थापना सुविधाएं, लॉजिस्टिक्स हब, विशेष निवेश क्षेत्र, औद्योगिक पार्क, विद्युत खपत, बैंकिंग और परिवहन सेवाओं के आंकड़ों की गहन समीक्षा की गई। बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में उन्नाव की अर्थव्यवस्था में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्रों का योगदान क्रमशः 40.14%, 16.07% और 43.79% रहा। हालांकि विनिर्माण क्षेत्र में 6.9% की गिरावट दर्ज की गई, जिसे भविष्य में दूर करने हेतु ठोस प्रयासों की आवश्यकता जताई गई। बैठक में ओटीडी सेल के सदस्यों को पीएलएफएस और एएसयूएसई सर्वे के माध्यम से असंगठित क्षेत्र के आंकड़ों को एकत्र करने की रणनीति से अवगत कराया गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी विभाग त्रुटिरहित आंकड़े निर्धारित प्रारूप में प्रत्येक त्रैमास में अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराएं। साथ ही ग्राम समाज की अधिग्रहित भूमि का ब्योरा लेकर उससे संबंधित कनेक्टिविटी, जल, विद्युत जैसी अवस्थापना जानकारियां इनवेस्ट यूपी को भेजी जाएं। जिलाधिकारी गौरांग राठी ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि ओटीडी लक्ष्य को हासिल करने के लिए कार्ययोजना तैयार कर बिंदुवार जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने अधिकारियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सेल को ''स्वॉट एनालिसिस'' के आधार पर मिशन मोड में कार्य करना होगा, ताकि जिले की क्षमता का अधिकतम उपयोग कर राज्य के लक्ष्य में प्रभावी योगदान सुनिश्चित किया जा सके। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) अमिताभ यादव, मुख्य विकास अधिकारी तेजवन्त सिंह, एलडीएम आर.के. गौतम, सहायक श्रमायुक्त एस.एन. नागेश, जिला कृषि अधिकारी शशांक, जिला सूचना एवं पर्यटन अधिकारी सन्तोष कुमार, जिला सेवायोजन अधिकारी प्रीति चन्द्रा सहित संबंधित विभागों के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

आबादी की भूमि पर जानवर बांधने को लेकर विवाद,चार के विरुद्ध केस

परसपुर,गोंडा। परसपुर थाना क्षेत्र के खदरनपुरवा भटपुरवा निवासी एक किशोरी की तहरीर पर चार लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। किशोरी ने बताया कि बीते शुक्रवार को आरोपी राजेश,विनीत,सोपान व तन्नू उनकी आबादी की भूमि पर जबरन नांद रखकर जानवर बांध रहे थे जब हमने इसका विरोध किया तो उन लोगों ने गाली गलौच करते हुए मारपीट की व जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक परसपुर शरदेंदु कुमार पांडेय ने बताया कि खदरनपुरवा भटपुरवा निवासी चार लोगों पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है,मामले की जांच की जा रही है।

समाजसेवी ने वन महोत्सव के अंतर्गत स्कूल के बच्चों को बांटे पौधे,बताया पेड़ों के लगाने का महत्व

गोंडा। जनपद गोंडा से 24 किलोमीटर की दूरी पर जन्मे युवा समाजसेवी चन्दन कुमार वर्मा आज नजीर बन चुके है युवाओं के लिए,जिस प्रकार से यह युवा पर्यावरण संरक्षण पर अपने निजी संसाधनों से जगह- जगह पहुँच कर पौधारोपण करने के लिए प्रेरित कर पौधारोपण करवाता है वो बहुत ही सराहनीय कार्य है,आज से लगभग 7 वर्ष पूर्व एक छोटी सी बच्ची के निवेदन ने इस युवा की सोच ही बदल डाली क्योंकि उस बच्ची ने हाथ जोड़कर सिर्फ इतनी बात कही कि भईया आपकी बहुत बड़े बड़े लोगों से पहचान है तो आप उन लोगों से मेरा एक संदेश दे दिया करिए, बच्ची ने बताया कि आप सभी को पौधे लगाने के लिए आग्रह कीजिए, तभी से इस युवा समाजसेवी ने इस विषय को मूल आधार बनाते हुए इस पर कार्य करना प्रारंभ किया, अभी तक लगभग 1150 पेड़ों को लगाने के साथ साथ 480 पेड़ को संरक्षित भी किया, इस सराहनीय कार्य को समाजसेवी अवधेश सिंह व सुशील जायसवाल ग्राम प्रधान वजीरगंज, हीरालाल वर्मा ने सराहनीय बताया, चन्दन वर्मा ने बताया यह कार्य हर वर्ष उनके जन्मदिवस 7 जुलाई पर किया जाता था लेकिन केंद्रीय मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के पिता आनंद सिंह की मृत्यु हो जाने की वजह से कार्यक्रम स्थगित किया गया था, इस दौरान सुमेधा वर्मा,हेमंत,रामायण शुक्ला, अंकित वर्मा, शिवपूजन पांडेय , कांस्टेबल भूपेंद्र प्रताप, कांस्टेबल लालू प्रसाद वर्मा व अन्य लोग उपस्थित रहे।

जलशक्ति मंत्री की पहल पर दो दर्जन ग्रामीणों को मिले सपोर्ट लाइफ जैकेट

पैलानी/बांदा। पैलानी तहसील अंतर्गत खप्टिहाकला में सपोर्ट लाइफ जैकेट के बिना दर्जनों लोगों व छात्र छात्राएं छनिहन डेरा, सेमरा डेरा, शिवपाल डेरा,डोलन डेरा बरेहटा, शिवरामपुर, कैथी,पंडितन डेरा आदि गांवों व डेरों के ग्रामीणों व छात्र छात्राएं प्रतिदिन दो सैकड़ा से ज्यादा राहगीरों का जत्था सपोर्ट लाइफ जैकेट के बिना नाव में सवार होकर आवागमन होता है। मीडिया ने लगातार सपोर्ट लाइफ जैकेट न होने को लेकर अभियान शुरू किया । वहीं मीडिया में आई खबरों को संज्ञान में लेकर जलशक्तिराज्य मंत्री रामकेश निषाद ने खप्टिहाकला में छात्र छात्राओं व ग्रामीणों द्वारा जांन हथेली पर रखकर नाव पर सवार होकर आवागमन पर जिलाधिकारी जे रीभा को सपोर्ट लाइफ जैकेट अविलंब प्रदान किए जाने को लेकर निर्देशित किया था। जलशक्तिराज्य मंत्री रामकेश निषाद ने बताया कि उन्होंने जिला प्रशासन को बाढ आपदा से निपटने को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं,साथ ही साथ एन डी आर यफ,यस डी आर यफ को संभावित बाढ को लेकर तैनाती किए जाने को लेकर निर्देशित किया है।मंगलवार को तहसील में एस डी एम पैलानी अंकित वर्मा व तहसीलदार पैलानी राधेश्याम सिंह ने खप्टिहाकला के नाविकों शंकर निषाद व भूरा निषाद को तहसील में दो दर्जन सपोर्ट लाइफ जैकेट प्रदान किया।

लक्ष्य के अनुरूप वृक्षों का रोपण किया जाए: पंधारी यादव

बांदा। प्रमुख सचिव बाह्य सहायतिक परियोजना, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकीय विभाग/नोडल अधिकारी जनपद पंधारी यादव की अध्यक्षता में सर्किट हाउस सभागार में कल दिनांक 09 जुलाई को जनपद में बृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम को सम्पन्न कराने हेतु बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने सभी सम्बन्धित विभागों के अधिकारियों तथा प्रभागीय अधिकारी सामाजिक वानिकी को निर्देश दिये कि लक्ष्य के अनुरूप वृक्षों का रोपण किया जाए। इसके साथ ही समस्त कार्यदायी विभाग पौध की सुरक्षा की व्यवस्था करें।

आखिर खनन माफियाओं पर इतनी मेहरबानी क्यों

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- सब कुछ जानते हुए भी मौन धारण किए हैं अधिकारी
- गर्रा नदी में प्रतिदिन हो रहा करोड़ों रुपए का अवैध खनन
- राजस्व के साथ पर्यावरण को हो रहा बड़ा नुकसान
- आठ महीने से लगातार हो रहा अवैध खनन

शाहजहांपुर। योगी सरकार में अपराधी अपना घरवार छोड़कर गैर राज्यों में पलायन कर गए। लूट चोरी हत्या करने वालों को काउंटर किया जा रहा है।लेकिन सरकार की इतनी सख्ती के बावजूद कुछ दबंग लोग शासन प्रशासन को चुनौती देते हुए सरकार को बड़ा राजस्व का चूना लगाते हुए करोड़ों रुपए के बारे न्यारे कर रहे हैं।हैरत की बात ये है कि ये सब प्रशासन की नाक के नीचे शाहजहांपुर जनपद के एकदम सटे हुए क्षेत्र में हो रहा है।ऐसा भी नहीं है कि प्रशासन को इसकी जानकारी नहीं है बल्कि सब कुछ जानते हुए भी प्रशासन नजरंदाज कर रहा है।

सोमवार को राष्ट्रीय प्रस्तावना की टीम ने जनपद से सटे गांव राईखेड़ा स्थित गर्रा नदी का जायजा लिया था।मौके पर पाया गया कि खनन माफियाओं ने दो सौ से चार सौ बीघा छेत्र में दस से बीस फीट गहरी खुदाई कर बड़े पैमाने पर अवैध खनन किया गया है।मौके पर मिले कुछ ग्रामीणों ने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि विगत आठ नौ महीने से लगातार खनन किया जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि रात में तीन से ज्यादा बड़ी बड़ी जेसीबी मशीनों से खुदाई करने का कार्य कर दो दर्जन से अधिक बड़े बड़े डंफर से रेता और मिट्टी का पूरी रात खनन किया जाता है।मौके की स्थिति बायां कर रही थी कि खुदाई से गर्रा नदी का स्वरूप ही बदल गया है।

चार किलोमीटर क्षेत्र में गर्रा नदी का स्वरूप ही बदल गया

शाहजहांपुर। विगत आठ नौ महीने से लगातार हो रही बड़े पैमाने पर अवैध खनन की वजह से गर्रा नदी के तीन से चार किलोमीटर क्षेत्र में पंद्रह फीट से ज्यादा बड़े गड्ढे हो गए।जिस वजह से नदी की मुख्य धारा ही बदल गई।जो मुख्य धारा ककरा वाले पुल की तरफ जाती थी वह डैम से दो किलोमीटर पश्चिम दिशा में मुड़ गई।इस वजह से यदि नदी में बाढ़ आती है तो विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी बाढ़ का पानी रिहायशी इलाकों में भर जाएगा और स्थिति विगत वर्ष की तुलना में और अधिक भयावह हो सकती है।

जनपद शाहजहांपुर के नवनिर्मित नगर निगम कार्यालय से मात्र एक किलोमीटर पश्चिम दिशा में हो रहे अवैध खनन की जानकारी प्रशासन को ना हो ऐसा मानना बिल्कुल गलत होगा।क्योंकि चौक कोतवाली से मात्र चार किलोमीटर दूर हो रहे इस अवैध खनन की जानकारी जब जनपद के सभी मीडियाकर्मियों को है तो ऐसा संभव ही नहीं कि अधिकारियों को जानकारी ना हो।अब ऐसी क्या मजबूरी है कि इतने बड़े पैमाने पर हो रहे अवैध खनन के विरुद्ध प्रशासन कार्यवाही करने से बचता नजर आ रहा है।बताया जा रहा है कि सोमवार की रात भी कई मशीनों से खुदाई कर दर्जनों ट्रकों से रेत तथा मिट्टी मौजमपुर क्षेत्र में पहुंचाई गई।इतनी जानकारी होने के बाद भी प्रशासन का मौन धारण करना उनकी कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगाता है।

नाबालिग बालिका की बरामदगी के लिए परिवार कलेक्ट्रेट में अनशन पर

गोंडा। अनुसूचित जाति की सोलह वर्षीय नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर को भगा ले जाने के मामले में पुलिस की निष्क्रियता से आक्रोशित पिता रोशन लाल और उनका परिवार कलेक्ट्रेट परिसर में अनशन पर बैठ गया है। रोशन लाल का आरोप है कि उनकी पुत्री को 7 मई की सुबह अंकुर, अंशिका दीक्षित और आरती देवी, निवासी सिचाई कॉलोनी, कोतवाली नगर, बहला-फुसलाकर भगा ले गए। उसी दिन उन्होंने कोतवाली नगर थाने में नामजद तहरीर दी, लेकिन विपक्षियों के राजनीतिक दबाव और धनबल के चलते पुलिस ने क्कन्ट दर्ज नहीं की। दो दिन बाद, 9 मई को तहरीर बदलवाकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज की गई। दो माह बीतने के बावजूद न तो लड़की बरामद हुई और न ही आरोपियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई। रोशन लाल का कहना है कि पुलिस की लापरवाही से आरोपियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। उन्होंने मांग की है कि मोबाइल सर्विलांस और सीसीटीवी फुटेज की जांच कर आरोपियों के नाम मुकदमे में शामिल किए जाएं और उनकी पुत्री को जल्द बरामद कर कठोर कार्रवाई की जाए। रोशन लाल ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी पुत्री बरामद नहीं होती और आरोपियों के खिलाफ नामजद कार्रवाई नहीं होती, तब तक परिवार कलेक्ट्रेट में अनशन जारी रखेगा।

ग्राम बांसखेड़ा में एडीएम की सख्त कार्यवाही, गांव में जलनिकासी ना होने पर सफाईकर्मी सस्पेंड

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

शाहजहांपुर। मंगलवार को एडीएम वित्त ग्राम बांसखेड़ा बुजुर्ग में ग्रामीणों की शिकायत पर जल निकासी की समस्या को देखने पहुंच।मौके पर सफाई व्यवस्था बेहद खराब देख एडीएम का पारा चढ़ गया और उन्होंने तत्काल प्रभाव से सफ़ाई कर्मी के लगातार ना आने पर सफ़ाई कर्मी को किया सस्पेंड। जिलाधिकारी महोदय के निर्देश पर आज अरविंद कुमार अपर जिलाधिकारी बि0 राध ने ग्राम का भ्रमण किया। गांव के आने जाने वाली रोड पर पानी जलजमाव से गांव की स्थिति काफी खराब मिली । ट्टक्क्ष पुवायां चित्रा निर्वाल और प्रभारी निरीक्षक पुवायां भी मौके पर पहुंचे। गांव में तालाब पर अवैध कब्जा होने से जलजमाव गंदा पानी सड़कों पर काफी हो गया।

जो लंबे समय से गांव वाले परेशान है वहीं स्कूल में भी यह गंदा पानी जलजमाव है। जिससे गांव वालों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में लेखपाल कानूनगो को तालाब को चिह्नित करने एडीओ पंचायत और सचिव को कल से मोटर इंजन लगाकर पानी निकासी कराने का निर्देश दिया गया। वहीं पूरे गांव वालों ने सफ़ाई कर्मी संजय कुमार द्वारा लंबे समय से काम न करने और गांव में ना आने पर तथा दूसरे हल्के वाले सफ़ाई कर्मी से काम करने के कारण नाराज इक्क्ष क्कट द्वारा तत्काल सस्पेंड कर दिया गया।तथा सचिव , ग्रामप्रधान, लेखपाल को निर्देश दिया गया कि प्रत्येक दशा में इस गांव की समस्या को दूर करने हेतु ग्राम निधि के फण्ड से कल से कार्य लगाए जाए। गांव वासियों को बताया गया कि प्रत्येक गांव वासी मन से चाह ले और गांव की राजनीति छोड़ कर यदि मन से चाह ले तो गांव की हर समस्या दूर होगी । इस दौरान मौके पर पदद्ब चित्रा निर्वाल, इंस्पेक्टर पुवाया, एडीओ पंचायत, सचिव, कानूनगो, लेखपाल, प्रधान, उदय राज, आदित्य चौहान आदि सैकड़ों ग्रामीण इकठ्ठा हुए।

प्राथमिक शिक्षक संघ ने प्रदर्शन कर सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा ज्ञापन

- दस सूत्रीय मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री को भेजा

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। मंगलवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय नेतृत्व के आवाह्न पर विभिन्न मांगों को लेकर पंडित जवाहर लाल नेहरू महाविद्यालय के मैदान में जिलाध्यक्ष आशुतोष त्रिपाठी तथा मंत्री प्रजीत सिंह के नेतृत्व में धरना दिया गया फिर वहां से मार्च करते हुए जुलूस के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे।कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री को संबोधित दस सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा गया। इस मौके पर हजारों की संख्या में शिक्षकों ने प्रतिभाग किया।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से शिक्षकों ने मांग की कि 1 अप्रैल 2005 व उसके पश्चात नियुक्त शिक्षकों को पुरानी पेंशन से बहाल किया जाए। विद्यालयों के पेयरिंग/मर्जर की प्रक्रिया रोकी जाए। प्रत्येक विद्यालय में प्रधानाध्यापक का पद दिया जाए तथा पदोन्नति की जाए। कैशलेश चिकित्सा तथा 10 लाख का सामूहिक बीमा प्रदान किया जाए,पात्र सभी शिक्षकों को प्रोन्नत वेतनमान दिया जाए। राज्य कर्मचारियों की भांति उपार्जित अवकाश,द्वितीय शनिवार अवकाश,प्रतिकार अवकाश और स्टडी लीव अनुमन्य की जाए। शिक्षकों को बी एल ओ की ड्यूटी से मुक्त रखा जाए। आकांक्षी जनपदों में कार्यरत शिक्षकों का अंतर्जनपदीय स्थानांतरण किया जाए तथा जो मृतक आश्रित बीएड और टेट उत्तीर्ण है उनकी शिक्षक पद पर नियुक्ति देकर विशिष्ट बीटीसी का प्रशिक्षण कराया जाए। ज्ञापन के समय प्राथमिक शिक्षक संघ के रमाशंकर यादव,जय किशोर दीक्षित,रामसुफल कश्यप सहित समस्त पदाधिकारी साथ ही माध्यमिक शिक्षक संघ के मांडलिक मंत्री मेजर मिथलेश पांडेय,माध्यमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राज किशोर शुक्ला तथा मंत्री भारत भूषण सीनियर बेसिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष शंभू प्रसाद द्विवेदी तथा मंत्री हरिओम सिंह के साथ प्राथमिक शिक्षक संघ के समस्त ब्लाक के अध्यक्ष मंत्री के साथ जनपदीय,तहसील तथा संघर्ष समिति व ब्लॉक स्तरीय पदाधिकारियों के साथ शिक्षक,शिक्षिकाएं ,अभिभावक उपस्थित रहे।

उत्तर रेलवे

ई-निविदा सूचना

[illegible]

01	कार्य का नाम	[illegible]
02	कार्यस्थल	सवारी डिब्बा कारखाना, आलमबाग, लखनऊ
03	अनुमानित लागत	रु. 6,27,49,469.35 मात्र।
04	निविदा प्रपत्र का मूल्य	शून्य
05	बिड सिक्युरिटी	रु. 4,63,800/- मात्र।
06	कार्य पूर्ण करने की अवधि	01 वर्ष।
07	निविदा जमा करने की तिथि एवं समय	दिनांक-14.07.2025 से 28.07.2025 समय 15:00 बजे तक
08	प्रमाणपत्र	फर्म के सभी Members द्वारा ANNEXURE-A (यदि Company/Proprietorship फर्म है) के साथ Annexure-A (a) (यदि Partnership/HUF/JV/LLP फर्म है) के अनुरूप प्रमाणपत्र अवश्य अपलोड किया जाना चाहिए।
09	खुलने का समय	निविदा फॉर्म जमा होने के पश्चात निविदा को किसी भी समय खोला जायेगा। निविदाकर्ताओं को निविदा खुलने के दौरान उपस्थित रहने की आवश्यकता नहीं है।
10	कार्यालय जहां से निविदा प्रपत्र क्रय किया जा सकता है	निविदा सूचना एवं प्रपत्र का पूर्ण विवरण नियम व शर्तों सहित वेबसाइट- www.ireps.gov.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
11	वेबसाइट विवरण जहां निविदा का पूरा विवरण आदि देखा जा सकता है	

निविदा सूचना सं: 2025-ए.एम.वी.-सी एवं डब्लू-ईनिविदा-42 दिनांक 03.07.2025

2440/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

एक पेड़ माँ के नाम थीम पर जनपद खीरी में होगा वृहद वृक्षारोपण अभियान

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- नोडल अधिकारी ने ली समीक्षा बैठक,परखी तैयारियां
- पौधारोपण अभियान में शामिल होंगे गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष

लखीमपुर खीरी। पर्यावरण संरक्षण को समर्पित 'एक पेड़ माँ के नाम' के थीम पर वृक्षारोपण जन अभियान-2025 के तहत 09 जुलाई को जनपद खीरी में 96,75,100 पौधे रोपे जाएंगे। निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष शत-प्रतिशत पौधरोपण के उद्देश्य से मंगलवार शाम कलेक्ट्रेट स्थित अटल सभागार में जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता जनपदीय नोडल अधिकारी एवं सचिव वित्त विभाग मिनिस्ती एस ने की।

बैठक की अभियान की नोडल अधिकारी के जनपद आगमन पर डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल, एसपी संकल्प शर्मा, सीडीओ अभिषेक कुमार ने पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया। इसके बाद नोडल ने उपस्थित अधिकारियों का परिचय प्राप्त किया और अभियान की तैयारियों की गहन समीक्षा की।

बैठक की शुरुआत में डीएफओ संजय विश्वाल ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में शासन द्वारा जनपद को 96.75 लाख पौधों का लक्ष्य दिया गया है, जो एक ही दिन यानी 09 जुलाई को रोपित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि गड्ढा खुदाई, नर्सरी की तैयारी, पौध आपूर्ति, प्रजाति चयन, कंट्रोल व वार रूम की स्थापना, मॉनिटरिंग सिस्टम समेत सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। नोडल ने विभागवार अफसरों से एक-एक कर पौधरोपण अभियान के संबंध में तैयारियां जानी। इसमे सभी की सहभागिता जरूरी है। सभी को प्रयास करना होगा। एक पेड़ माँ के नाम थीम पर आयोजित महा अभियान से जन-जन को जोड़ने की आवश्यकता है। जनपदीय अधिकारी लीडरशिप लेकर सुबह से शाम तक अलर्ट रहकर पौधरोपण के लक्ष्य को पूरा कराएं। अभियान में जनप्रतिनिधियों के साथ साथ आमजन की सहभागिता सुनिश्चित कराएं। पौधा लगाना जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही उसका संरक्षण आवश्यक है। प्रत्येक वृक्षारोपण स्थल का जियो टैग किया जाए।

नोडल अधिकारी ने कहा कि जन अभियान -2025 के साक्षी बनें। बैठक के दौरान अधीनस्थो को निर्देश दिए कि शासनादेश के अनुसार शतप्रतिशत वृक्षारोपण किया जाना जरूरी है और इसी के चलते सभी तैयारियां समय रहते पूर्ण कर ली जायें। बैठक में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने वृक्षारोपण की तैयारियों पर जनपद स्तर पर की तैयारियों एवं उसकी समीक्षा की विस्तृत जानकारी दी। जिले में पौधरोपण के लिए किए गए विशेष प्रयासों का जिक्र भी किया।

27 विभागों द्वारा लगाए जाएंगे कुल 96.75 लाख पौधे : डीएफओ

डीएफओ संजय विश्वाल ने बताया कि 09 जुलाई को रोपित किए जाने वाले पौधों का लक्ष्य की जानकारी देते हुए बताया कि ग्राम्य विकास 41,88,000, वन 20,95,000, कृषि 13,32,000, पंचायतीराज 4,27,000 राजस्व 3,52,000, उद्यान 5,19,000, बेसिक शिक्षा 49,500, माध्यमिक शिक्षा 39,300,पर्यावरण 2,69000, नगर विकास 61,800, रेशम 33,000, रेलवे 29,000, उच्च शिक्षा 44,200, सहकारिता 23,200, स्वास्थ्य 24,000, जल शक्ति 29,800, लोक निर्माण 26,000, पशुपालन 17,800, उद्योग 20,100, औद्योगिक विकास 21,300, प्राविधिक शिक्षा 15,200, ऊर्जा 13,900, रक्षा 8,000, गृह 16,800, श्रम 5,400, परिवहन 4,000,आवास विकास 10,800 पौध रोपित किए जाएंगे।

पौधारोपण अभियान में शामिल होंगे गो सेवा आयोग के अध्यक्ष

बुधवार को जिले में आयोजित पौधारोपण अभियान में मुख्य अतिथि के रूप में शासन से नामित गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता शामिल होंगे। जनपदीय नोडल अधिकारी सचिव वित्त विभाग मिनिस्ती एस सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, डीएम,एसपी, सीडीओ व जनसामान्य शामिल होकर न केवल पौधारोपण करेंगे, बल्कि अन्य लोगों को भी पौधारोपण के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

हरियाली के हीरो हुए सम्मानित

नोडल अधिकारी मिनिस्ती एस, डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल व एसपी संकल्प शर्मा ने संयुक्त रूप से समाजसेवी विशाल सेठ, राम मोहन गुप्ता, मयूरी नागर, कुमकुम गुप्ता, रश्मि महेंद्रा, सपना कक्कड़, पूजा सिंह चौहान, सुमन श्रीवास्तव व मधुलिका त्रिपाठी को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

कहा कि आज की बैठक में जो भी दिशा निर्देश दिए गए उनका पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। इस अवसर पर सीडीओ अभिषेक कुमार, डीएफओ (दक्षिणी) संजय विश्वल, डीएफओ (उत्तरी) सौरीश सहाय, एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी मौजूद रहे।

सफाई कर्मियों के देयकों का भुगतान समय से करें: रमेश चन्द्र कुण्डे

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांदा। मंगलवार को सदस्य उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग रमेश चन्द्र कुण्डे की सर्किट हाउस सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका एवं नगर पंचायतों के अधिकारियों को सफाई कर्मियों के देयकों एवं मृतक आश्रितों के नियुक्ति प्रकरणों का समय से निस्तारण करने एवं संविदा कर्मियों का भुगतान समयानुसार कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित अनुसूचित जाति के छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति वितरण किये जाने एवं राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना तथा अनुसूचित जाति अत्याचार उत्पीडन के अन्तर्गत लाभार्थियों को लाभ दिलाये जाने के सम्बन्ध में जानकारी ली। जिसके अन्तर्गत बताया गया कि गतवर्ष 4028 अनुसूचित जाति के छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति का लाभ प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना एवं राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना की भी समीक्षा करते हुए पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। उन्होंने अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अनुसूचित जाति के लोगों को चिकित्सा सुविधा हेतु आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने पीएम जन आरोग्य योजना एवं स्वास्थ्य सेवाओं के सम्बन्ध में जानकारी लेते हुए मलिन बस्तियों में स्वास्थ्य कैम्प आयोजित करने के निर्देश दिये। इसके साथ ही उन्होंने अनुसूचित जाति बस्ती एवं मलिन बस्तियों में मूलभूत सुविधाओं को बेहतर रखने तथा साफ-सफाई रखने के निर्देश दिये। उन्होंने श्रम विभाग द्वारा संचालित योजनाओं से अनुसूचित जाति के लाभार्थियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये। बैठक में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 पी0के0पाण्डेय, समाज कल्याण अधिकारी अभिषेक अवस्थी सहित अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका एवं नगर पंचायत बॉदा/नरैनी/मटौंध एवं सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

भारतीय योग संस्थान द्वारा उदीयमान फिल्म कलाकार अभय प्रताप वर्मा सहित तीन विभूतियों का सम्मान समारोह आयोजित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। मंगलवार को भारतीय योग संस्थान लखीमपुर द्वारा गुरु नानक इंटर कॉलेज के प्रांगण में सामूहिक योग कक्षा एवं सम्मान समारोह का आयोजन जिला प्रधान रमेश कुमार वर्मा एडवोकेट की अध्यक्षता में किया गया , जिसमें प्रांतीय प्रधान पूर्वी उत्तर प्रदेश नरेश चंद्र वर्मा तथा संस्था संरक्षक सेवक सिंह अजमानी की गरिमामई उपस्थिति रही।सामूहिक साधना 30 जुलाई को आयोजित होने वाले स्मृति दिवस के परिपेक्ष्य में सूक्ष्म रूप से साधना जिला मंत्री शिव राम वर्मा द्वारा कराई गई । समारोह का मुख्य आकर्षण लखीमपुर हर्षी बंगला निवासी उदीयमान फिल्म अभिनेता अभय प्रताप वर्मा पुत्र भानु प्रताप वर्मा (भतीजे रमेश कुमार वर्मा) को बॉलीवुड फिल्म में मुख्य भूमिका में चयन होने एवं इंटरनेशनल ग्लोरी अवार्ड 2025 में मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया के द्वारा पुरस्कृत किए जाने के फलस्वरुप भारतीय योग संस्थान लखीमपुर द्वारा सम्मानित किया गया ।इसके अतिरिक्त पत्रकारिता क्षेत्र में निर्भीक साहसी पत्रकार जिनका सामाजिक संस्थाओं के प्रति अद्वितीय समर्पण है इसके लिए अमित कुमार त्रिलोकी संवाददाता अमर उजाला व सत्य को उजागर करने वाले दैनिक जनजागरण डिजिटल न्यूज के प्रमुख संपादक अनिल कुमार श्रीवास्तव को तथा सौ से अधिक बार लोगों की जीवन रक्षा के लिए निःशुल्क रक्तदान करने के लिए प्रदीप सक्सेना''मुकेश'' को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महिला जिले की जिला प्रधान अर्चना श्रीवास्तव ने सभी को उपहार में पौधे भेंट किए।इस अवसर पर अभय प्रताप फिल्म अभिनेता के परिवारी जन उपस्थिति रहे। मंगलवार कार्यक्रम में संस्थान की महिला मंत्री कामिनी मिश्रा,संगठन मंत्री डॉ0 सुशीला सिंह,सुमन वर्मा, रेखा गुप्ता संतोष दीक्षित व राम बहादुर मित्रा,कमलकिशोर बरनवाल, शशिकांत श्रीवास्तव क्षेत्रीय प्रधान सह मीडिया प्रभारी राजेश श्रीवास्तव गोपाल गुप्त उमा शंकर त्रिवेदी, राजीव वर्मा मनोज वर्मा झब्बू लाल दिलीप त्रिपाठी , वी0 के0 वंशवर, संकटा प्रसाद वर्मा,राम टहल वर्मा, सहित सैकड़ों साधक/साधिकाएं उपस्थिति रहे।

8 से 10 जुलाई तक बंद रहेगा लोहिया पुल से आवागमन

बांदा। अपर जिला मजिस्ट्रेट बांदा राजेश कुमार ने बताया है कि सहायक कार्यकारी अभियन्ता, उत्तर मध्य रेलवे, चित्रकूटधाम कर्वी ने अपने पत्र द्वारा खैरार-मानिकपुर सेक्शन एवं बाँदा-खुरहण्ड सेक्शन पर रेलवे लाइन के दोहरीकरण हेतु लोहिया पुल (1320/1) पर सड़क कार्य एवं जल निकासी कार्य हेतु लोहिया पुल का बन्द किए जाने का अनुरोध किया गया है। उल्लेखनीय है कि 11 जुलाई 25 से श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा प्रारम्भ हो रही है, जिससे कांवड़ यात्रियों के आवागमन पर अवरोध उत्पन्न होने की सम्भावना है, जिस पर सहायक कार्यकारी अधिकारी द्वारा 11 जुलाई 2025 से पैदल यात्रियों हेतु आवागमन चालू करने पर सहमति व्यक्त की गयी है। अतः लोहिया पुल से सड़क एवं जल निकासी कार्य हेतु 8 से 10 जुलाई तक आवागमन पूर्णतया प्रतिबन्धित किया जाता है। 11 जुलाई 25 से पैदल यात्रियों हेतु आवागमन चालू रहेगा तथा सभी प्रकार के वाहनों हेतु आवागमन कार्य की समाप्ति तक पूर्णतया प्रतिबन्धित रहेगा।

बेहजम ब्लॉक क्षेत्र के गांवों में नहीं लगी स्ट्रीट लाइट, जहां हैं वह भी बंद

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नीमगांव खीरी। बेहजम ब्लॉक की कई ग्राम पंचायतों के गांवों में स्ट्रीट लाइट,साफ-सफाई, पक्की सडक़,नाली जैसी सुविधाओं की कमी है,इनमें से सबसे बड़ी परेशानी ग्राम पंचायतों में स्ट्रीट लाइट नहीं होने की है,गांवों में बिजली के खंभे तो लगे हैं,लेकिन लाइट नहीं लगी है,ऐसे में रात होते ही गलियों में अंधेरा छा जाता है। साथ ही जहरीले जीव जंतुओं का खतरा है,वहीं चोरी की वरदातों की आशंका रहती है, ग्रामीणों का कहना है कि बिजली के खंभे तो लगे हैं, लेकिन अभी भी अधिकांश गांवों में कहीं खंभे पर स्ट्रीट लाइट नहीं है, तो कहीं लाइट होते हुए भी महीनों से बंद है,ब्लॉक के अधिकांश गांव में सालों से स्ट्रीट लाइट बंद पड़ी हैं कई जगह स्ट्रीट लाइट खंभों पर शोपीस बनी है। कैमां खुर्द पंचायत,ग्राम पंचायत पैला,ग्राम पंचायत नगरा के जैतापुर, करनपुर मुवैया, मूड़ा बुजुर्ग की गलियों में बिजली के खंभे तो हैं, लेकिन इनमें स्ट्रीट लाइट नहीं हैं। गांवों में स्ट्रीट लाइट बंद होने को लेकर ग्रामीण कई बार ग्राम पंचायत में शिकायत भी कर चुके हैं जिस पर ग्राम पंचायत के जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं,पंचायतों को इस सुविधा को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पर्याप्त बजट भी हर साल शासन से आवंटित होता है,बेहजम कस्बे में सालों बाद भी दुकानदारों और ग्राहकों की सुविधा के लिए स्ट्रीट लाइट नहीं लगी है,रात होते ही अंधेरा छा जाता है,उजाले के लिए दुकानदार ही खुद की व्यवस्था करते हुए बैटरी का उपयोग कर बल्व जलाते हैं।

कांवड़ यात्रा तैयारियों का एडीएम ने विधायक संग लिया जायजा, कार्य में लापरवाही पर चेतावनी

- कार्य पूर्ण करने के निर्देश, मंदिर परिसर में रहेगी अफसरों की तैनाती

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। सावन मास की कांवड़ यात्रा को लेकर गोला गोकर्णनाथ में प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए मंगलवार को एडीएम नरेंद्र बहादुर सिंह ने विधायक अमन गिरी के साथ छोटी काशी स्थित शिव मंदिर कॉरिडोर व आसपास के क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एडीएम ने साफ निर्देश दिए कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। कॉरिडोर क्षेत्र में चल रहे कार्यों की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताते हुए कार्यदायी संस्था के जिम्मेदारों को कड़ी चेतावनी दी।

उन्होंने कहा कि कार्य में लापरवाही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कार्यों को बुधवार शाम तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए। एडीएम ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया कि एसडीएम युगांतर त्रिपाठी तथा अधिशासी अधिकारी नगर पालिका व्यक्तिगत रूप से मौके पर मौजूद रहकर निगरानी करें और कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा कराएं। निरीक्षण के दौरान एडीएम ने मंदिर प्रवेश मार्ग, प्राथमिक चिकित्सा बिंदु, रूट डायवर्जन और साफ-सफाई सहित अन्य सुविधाओं की भी गहन समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिए कि यात्रा मार्ग पर अव्यवस्था या जाम जैसी स्थिति न उत्पन्न हो, इसके लिए ट्रैफिक पुलिस और सिविल पुलिस का समन्वय बेहद जरूरी है।

10 जुलाई को मनाया जाएगा गुरु पूर्णिमा का पर्व

फतेहपुर चौरासी-उन्नाव। गुरु व्यास पूजन का पर्व 10 जुलाई को मनाया जाएगा। आचार्य ऋषि कान्त मिश्रा ने बताया आषाढ़ शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा दिनांक 10 जुलाई गुरुवार को मनाईं जायेगी भारतीय संस्कृति सनातन धर्म से जुड़े सभी सनातनी धर्मावलंबी भक्त श्रृद्धा और विश्वास से युक्त होकर शास्त्र सम्मत अपने अपने गुरू जनों को ब्रह्मा विष्णु महेश के सदृश मानते हुए श्रृद्धा पूर्वक उनकी पूजा अर्चना कर दीर्घायु का आशीर्वाद प्राप्त कर सदाचरण करें तथा गुरु व्यास भगवान के रूप में उन्हें अपनी शक्ति के अनुरूप उपहार में वस्त्र मिष्ठान फल आदि अर्पण कर आशीर्वाद प्राप्त करें एवं वेद पुराण सहित समस्त धार्मिक विद्या तथा साहित्य पुराणों के जनक आदि गुरु व्यास भगवान की पूजा की जायेगी।आज के दिन काशी स्थिति व्यास मन्दिर में विशेष रूप से दर्शन पूजन करने का महत्व बताया गया है। आज ही आषाढ़ी पूर्णिमा को सभी सनातनी धर्मावलंबी भक्त अपने अपने घरों को गाय के गोबर से गूठते है तथा पूजन करने से वर्ष भर सर्पों का भय नहीं रहता है।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को 'संभव अभियान' का प्रशिक्षण

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बिछिया-उन्नाव। बिछिया ब्लॉक सभागार में मंगलवार को संचारी रोग नियंत्रण और दस्तक अभियान से संबंधित बैठक आयोजित की गई। इस दौरान बाल विकास परियोजना की समस्त आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को 'संभव अभियान' का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। बैठक के दौरान विभागीय योजनाओं की भी गहन समीक्षा की गई, जिनमें पोषण ट्रैकर, ई-केवाईसी, फ़ेस प्रमाणीकरण और हॉट कुक्ड मील जैसी महत्वपूर्ण योजनाएं शामिल थीं। अधिकारियों ने इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और अपडेट को लेकर जरूरी दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) मोहम्मद साजिद अंसारी, यूनिसेफ प्रतिनिधि सबरिन, बीसीपीएम ममता यादव, मुख्य सेविका पूनम आर्य, संध्या रानी, अर्चना, और ब्लॉक कोऑर्डिनेटर सुभाषिनी तिवारी उपस्थित रहीं। बैठक में मौजूद सभी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने प्रशिक्षण के विभिन्न पहलुओं को गंभीरता से समझा और क्षेत्रीय स्तर पर योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू करने का संकल्प लिया। यह प्रशिक्षण ग्रामीण स्तर पर पोषण और स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सुपोषण दिवस पर आंगनबाड़ी में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण

जसपुरा/बांदा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) जसपुरा की आरबीएसके टीम ने मंगलवार को आंगनबाड़ी केंद्र जसपुरा में सुपोषण दिवस के अवसर पर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इस दौरान बच्चों के अभिभावकों को कुपोषण से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया गया। कार्यक्रम में डॉ. शशि सिंह, लोकेन्द्र कुमार, अवधेश कुमार और डॉ. अंकुर मौजूद रहे। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता निर्मला देवी ने बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित कराई और सहयोग प्रदान किया। टीम ने बच्चों की शारीरिक जांच की और कुपोषण से जुड़ी सावधानियों व उचित पोषण के महत्व को विस्तार से समझाया। इस आयोजन को सीएचसी जसपुरा के अधीक्षक डॉ. संदीप गुप्ता के निर्देशन में संपन्न कराया गया। उन्होंने बताया कि ऐसे आयोजन बच्चों के स्वास्थ्य सुधार के लिए बेहद जरूरी हैं और अभिभावकों को बच्चों के खानपान व देखभाल को लेकर जागरूक रहना चाहिए।

मुरादपुर के अवैध खनन को लेकर चौकी प्रभारी ने एसडीएम को भेजा पत्र

बांदा । गिरवा थाना क्षेत्र में हो रहे अवैध खनन को लेकर जिला प्रशासन चाहे कुछ न कर रहा हो लेकिन स्थानीय पुलिस पर जब सवाल उठे तो उन्होंने तुरंत एक पत्र लिखकर अपने उच्चाधिकारी अवगत करा दिया है कि मेरे क्षेत्र में अवैध खनन तो हो रहा है जिसको लेकर आपको अवगत कराया जा रहा है। मामला नरैनी तहसील के गिरवा थाना क्षेत्र का है जहां के देवरार प्रधान सुशील राजपूत ने अपने पत्र में कहा था कि पुलिस इंट्री लेकर मोरंग भरे ट्रैक्टर निकलवाती है जिसको लेकर अकबरपुर चौकी प्रभारी के के तिवारी ने एडीएम नरैनी अमित शुक्ला को पत्र लिखकर अवगत कराया है कि मेरे क्षेत्र मुरादपुर में सुबह 7 बजे से मोरंग भरकर लगभग 20 से 25 ट्रैक्टर अवैध परिवहन करते हैं और उनकी स्पीड इतनी अधिक रहती है कि वो किसी बड़ी दुर्घटना का अंजाम भी दे सकते हैं। वहीं यह मोरंग मुरादपुर ,मवई और मानपुर से अवैध खनन करके निकाली जाती है और जिसमें बेधड़क होकर परिवहन करते हैं। वहीं अजब चौकी प्रभारी ने यह पत्र उप जिलाधिकारी नरैनी को भेजा है तो इससे यही लगाया जा सकता है कि कहीं न कहीं इन क्षेत्रों में अवैध खनन धड़ल्ले से चल रहा है और उस पर तहसील प्रशासन और जिला प्रशासन कोई भी रोक नहीं लगा पा रहा है। जिसकी वजह से सरकार भारी छत पहुंचती हैं।

अभियुक्त की गिरफ्तारी न होने से परेशान महिला पहुंची एसपी के शरण में

बांदा। कोतवाली नगर थाना की एक गांव की महिला ने पुलिस अधीक्षक बांदा को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाते हुए बताया कि पीड़िता की नाबालिग पुत्री के साथ जबरजस्ती बलात्कार व दहेज के सम्बन्ध में कोतवाली नगर में धारा 376 आईपीसी व 3/4 डीपी एक्ट में दर्ज हुआ था। जिसमें पीडिता का मेडिकल व बयान 164 द.प्र.सं. का बयान की दर्ज कराये जा चुके है। लेकिन अभी तक उक्त प्रकरण में अभियुक्त श्यामू व राममिलन की गिरफ्तारी नही की गयी है। जबकि अभियुक्तगण लगातार पीड़िता व पीड़िता की पुत्री को जान से मारने की धमकी तथा सुलह करने का दबाव बनाया जा रहा है। उक्त लोग गुण्डा दबंग किस्म के प्रभावशाली व्यक्ति है। तथा उसके प्रभाव के कारण गम्भीर घटना में अभी तक गिरफ्तारी पुलिस ने नही की प्रकरण में अभियक्तगण की गिरफ्तारी करने की पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है।जब वही कोतवाली नगर थाना प्रभारी निरीक्षक से बात की गई तो उनका कहना है आरोपी की तलाश जारी है।

एंटी कैंसर रोधी गंन्धोराज नींबू का पौधा रोपण कर आयुर्वेद को बढ़ावा देने का संदेश

पैलानी/बांदा। देहात कोतवाली अन्तर्गत पचनेंही गांव में पच्चीस वीघे में आच्छादित फीनिक्स फार्म में फलदार पौधे आम,अमरूद, ड्रैगन फूट्स पौधे, जामुन,केला,आंवला,चीकू अनार पपीता ,बेल आदि फलदार पौधे तथा मोहगनी, उमर, सीजई, अमलताश, पीपल,बरगद, दहिमन,बीजा,गूलर,मोरिंगा, कुल्लू,चिरौल,बकान,कसई, आदि पांच हजार पौधे पांच सौ नमूने के पौधारोपण कर जंगल जैसा बनाने के साथ ही साथ प्रक्रति को रमणीय बनाने का काम किया गया है।

बस दुर्घटना की मजिस्ट्रेट जांच अभिलेखों के अभाव में लंबित, 7 दिन में दस्तावेज मांगे गए

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

- 10 अगस्त 2022 को भैसई, अचलगंज में हुई थी हादसे की घटना, जांच रिपोर्ट पर अटका मामला

उन्नाव। उप जिलाधिकारी (न्यायिक) राम देव निषाद ने जानकारी देते हुए बताया कि 10 अगस्त 2022 को थाना अचलगंज क्षेत्रान्तर्गत भैसई के निकट बस संख्या ठघ 30 ड्ड 8339 एवं वाहन संख्या ठघ 77 इग 7935 की टक्कर में हुई गंभीर दुर्घटना की मजिस्ट्रेट जांच आज भी लंबित है। इस हादसे की न्यायिक जांच के लिए उप जिलाधिकारी (न्यायिक) को अधिकृत किया गया था। जांच प्रक्रिया के तहत सहायता अधिकारी, परिवहन आयुक्त कार्यालय लखनऊ, सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक उत्तर प्रदेश परिवहन निगम उन्नाव, मुख्य चिकित्साधिकारी उन्नाव, क्षेत्राधिकारी नगर, तहसीलदार सदर तथा प्रभारी निरीक्षक कोतवाली उन्नाव से आवश्यक अभिलेख एवं साक्ष्य मांगे गए थे। हालांकि, संबंधित अधिकारियों को पत्राचार एवं सूचना भेजे जाने के बावजूद अब तक कोई दस्तावेज उप जिलाधिकारी न्यायिक कार्यालय को उपलब्ध नहीं कराए गए हैं, जिससे जांच/कार्यवाही में अनावश्यक विलंब हो रहा है। राम देव निषाद ने स्पष्ट निर्देश जारी करते हुए कहा है कि सभी संबंधित विभाग 7 दिवस के भीतर दुर्घटना से जुड़े समस्त अभिलेख एवं साक्ष्य उनके कार्यालय में अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें, जिससे जांच पूरी कर आख्या शासन को भेजी जा सके। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि निर्धारित समयावधि में दस्तावेज नहीं उपलब्ध कराए गए तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

बबेरू तहसील लेखपाल संघ ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

बबेरू/बांदा। बबेरू तहसील परिसर के उप जिलाधिकारी कार्यालय में मंगलवार की दोपहर उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष नरसिंह नारायण हरिहर व मंत्री अनिल कुमार पटेल के नेतृत्व में 20 सूत्रीय मांगो को लेकर उपजिलाधिकारी रजत वर्मा को ज्ञापन सौंपा है। वही बताया कि यह लेखपालों को तहसील में बैठने हेतु 100 कुर्सियों की व्यवस्था की जाए,तहसील बबेरू के समस्त लेखपालों का वेतन प्रत्येक माह की 1 तारीख को निर्गत किया जाए, लेखपालों की वार्षिक इंट्री जो मार्च माह में सर्विस बुक में चस्पा हो जानी चाहिए ,जो अभी तक चस्पा नहीं हुई, जिसे शीघ्र करवाया जाए,नए लेखपालों को दो लेखपाल क्षेत्र से अधिक न दिया जाए, व पुराने लेखपालों के क्षेत्र का सामान वितरण किया जाए, राजा भैया लेखपाल का निलंबन अवधि वर्ष 2020 माह अगस्त सितंबर अक्टूबर का बकाया अभिलंब दिलाया जाए, सहित अन्य समस्याओं को लेकर 20 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा है।

विधानसभा स्तरीय बैठक का हुआ आयोजन

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

बांगरमऊ-उन्नाव । नगर के उन्नाव रोड स्थित एक बैंक्विट हॉल में सपा कार्यकर्ताओं की विधानसभा स्तरीय बैठक हुई। बैठक में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने तथा बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करने पर बल दिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक बदलू खान ने कहा कि संगठन चलाने के लिए मजबूत और निष्ठावान कार्यकर्ताओं की जरूरत होती है । किंतु आज विधानसभा क्षेत्र में ऐसे कार्यकर्ताओं की कमी महसूस हो रही है । उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय सदस्यों के कार्यकारिणी का गठन हो जाना चाहिए । तभी बूथ स्तर तक पार्टी मजबूत होगी। विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी डॉ मुन्ना अल्वी ने कहा कि सभी बूथ स्तरीय कार्यकर्ता मतदाता सूची को ठीक से पढ़ ले। मतदाता सूची में जिन मतदाताओं के नाम अभी तक सम्मिलित नहीं किए गए हैं , उनके नाम सम्मिलित करवाएं और गांव गांव में पीडीए की बैठक करें। विधान सभा प्रभारी शिवशंकर लाल गौतम ने कहा कि खास कर दलित और पिछड़े गांवों में पीडीए की बैठक कर पार्टी की नीतियों और रीतियों से अवगत करायें और पार्टी में विशेष रूप से दलित और पिछड़ों को जोड़ें तथा उन्हें संगठन में पद देकर जिम्मेदारी सौंपे। शशांक शेखर शुक्ला ने कहा कि भाजपा की जनविरोधी नीतियों से प्रदेश का ब्राह्मण व क्षत्रिय तथा वैश्य आदि सवर्ण समाज भी क्षुब्ध है और सपा मुखिया अखिलेश यादव की नीतियों को पसंद कर रहा है। वरिष्ठ नेता आलोक त्रिपाठी ने कहा कि पार्टी के क्षेत्रीय नेता टेबल राजनीति के बजाए दलितों और पिछड़ों के गांव पहुंचे और वहीं रात्रि में चौपाल लगाकर उन्हें पार्टी की नीतियों से रूबरू कराएं। बैठक को महिला सभा की जिलाध्यक्ष अल्वी मिश्रा आदि ने भी संबोधित किया । बैठक में अखिलेश यादव , राधेलाल निषाद , मुन्नू सिंह ,सुनील यादव , गया प्रसाद , जुल्फिकार अली , राम नरेश यादव , आयुष यादव , संजय ,नागेंद्र कुमार व राजा आदि सहित सैकड़ो कार्यकर्ता मौजूद हो रहे। बैठक की अध्यक्षता मनीष सैनी तथा संचालन डॉक्टर रामपाल कुशवाहा ने किया।

चौथा टी20 मैच: हरमनप्रीत और शेफाली को दिखाना होगा दम

एजेंसी

मैनचेस्टर। भारत को अगर इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला जीतनी है तो कप्तान हरमनप्रीत कौर और आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा को बुधवार को यहां होने वाले चौथे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

भारत पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से आगे चल रहा है, लेकिन इंग्लैंड ने पिछले सप्ताह ओवल में खेले गए तीसरे मैच में पांच रन की जीत के दौरान मेहमान टीम की कुछ कमजोरियों को उजागर किया था। शेफाली ने इस मैच में 25 गेंदों पर 47 रन और हरमनप्रीत ने 17 गेंदों पर 23 रन बनाए, लेकिन दोनों बल्लेबाज अपनी अच्छी शुरुआत का फायदा उठाने में नाकाम रही। स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स और अमनजोत कौर ने अब तक भारत की बल्लेबाजी की जिम्मेदारी संभाली है और वे इन दो अनुभवी खिलाड़ियों से और अधिक सहयोग की उम्मीद करेंगे। शेफाली विशेषकर अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होगी क्योंकि आठ महीने बाद टीम में वापसी के बाद से वह अभी तक बड़ी पारी नहीं खेल पाई हैं। उन्होंने पहले दो मैच में 20 और तीन रन बनाए थे। हरमनप्रीत पहले मैच में नहीं खेल पाई थी। उन्होंने दूसरे मैच में वापसी की जिसमें वह एक रन ही बना सकी थी। उन्हें हरलीन देओल की जगह अंतिम एकादश में लिया गया जिन्होंने पहले मैच में काफी

प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। हरलीन ने 23 गेंदों पर 43 रन बनाये थे, जिससे मंधाना को अपनी लय बनाए रखने में मदद मिली थी। इस श्रृंखला में भारत की स्पिनरों एन श्री चरणी (08 विकेट), दीप्ति शर्मा (06) और तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी (04) ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उन्हें बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव और तेज गेंदबाज अमनजोत से थोड़ा और सहयोग चाहिए होगा। जहां तक इंग्लैंड की बात है तो अगर उसे श्रृंखला बराबर करनी है तो उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। पिछले मैच में सलामी बल्लेबाज सोफिया डंकले और डैनी व्याट-हॉज ने अर्धशतक लगाए थे और टीम को फिर से उनसे इसी तरह के प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

टीम इस प्रकार हैं: भारतः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, शुचि उपाध्याय, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, सयाली सतघरे।

एक बार फिर अपने जन्म स्थान भारत आना चाहते हैं पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मुश्ताक

एजेंसी

लंदन। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान मुश्ताक मोहम्मद भारत और इंग्लैंड के बीच एजबेस्टन टेस्ट के चौथे दिन ऐसी टाई पहनकर आए, जिस पर भारतीय ध्वज बना हुआ था, उस देश का तिरंगा जिसे उन्होंने छह साल की उम्र में छोड़ दिया था और उनकी दिल्ली इच्छा एक बार फिर से भारत आने की है। इस 81 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर का जन्म गुजरात के जूनागढ़ में हुआ था। वह अभी बर्मिंघम में रहते हैं और वहां रहकर खुश हैं लेकिन एक बार फिर से उस स्थान पर जाना चाहते हैं जहां उनका जन्म हुआ था। मुश्ताक जब क्रिकेट खेला करते थे तब दो बार भारत आए थे। वह पहली बार 1961 में टेस्ट श्रृंखला खेलने के लिए और फिर 1978 में अहमदाबाद में दिलीप सरदेसाई लाभार्थ मैच के लिए भारत आए थे। दोनों ही मौकों पर वह जूनागढ़ जाना चाहते थे, जो एक पूर्व रियासत थी, जहां से वह छह साल की उम्र में कराची चले गए थे। हालांकि अपने व्यस्त कार्यक्रम के कारण वह जूनागढ़ नहीं जा सके थे और दशकों बाद भी यह उनकी अधूरी इच्छा बनी हुई है। वह अब बर्मिंघम में बस गए हैं, लेकिन पाकिस्तानी होने के कारण उनके लिए भारतीय वीजा प्राप्त करना जटिल है और कुछ वर्ष पहले यहां भारतीय उच्चायोग के चक्कर लगाते हुए उन्हें इसका अनुभव हुआ। वह अपने पुराने मित्र बिशन सिंह बेदी की बेटी की शादी में शामिल होना चाहते थे लेकिन उन्हें समय पर वीजा नहीं मिला। मुश्ताक ने कहा, ''मैं उस जगह जाना पसंद करूंगा जहां मैं पैदा हुआ। जूनागढ़ जाने के सबसे करीब मैं तब गया था जब मैंने अहमदाबाद में दिलीप सरदेसाई के लिए मैच खेला था। मैं जूनागढ़ के लिए ट्रेन ले सकता था, लेकिन कार्यक्रम बहुत व्यस्त था। पंद्रह साल की उम्र में पदार्पण करने के बाद पाकिस्तान के लिए 57 टेस्ट मैच खेलने वाले पूर्व ऑलराउंडर ने कहा, ''दुर्भाग्य से उसके बाद मैं कभी भारत नहीं जा पाया। मुश्ताक ने भाषा के माध्यम से गुजरात से जुड़ाव बनाए रखा है। वह गुजराती भाषा को अच्छी तरह समझते हैं लेकिन वह उसे बोल या पढ़ नहीं सकते। मुश्ताक अपने अच्छे मित्र बिशन सिंह बेदी के बारे में बात करते हुए भावुक हो गए, जो अब इस दुनिया में नहीं रहे। पाकिस्तान के पूर्व ऑलराउंडर ने आज तक बेदी को श्रेय दिया है कि उन्होंने उन्हें लेग स्पिनर बनाया, जब कोई और उनकी गेंदबाजी को गंभीरता से नहीं लेता था। मुश्ताक ने टेस्ट मैचों में 79 विकेट लिए और 3543 रन बनाए। उन्होंने कहा, ''बिशन मजाकिया इंसान थे। उन्हें क्रिकेट से प्यार था। हमने नॉर्थम्पटनशर में छह साल तक साथ खेले।

संक्षिप्त समाचार

वोक्स का सर्वश्रेष्ठ बीत चुका है और क्रॉली सुधार नहीं कर सकते: बॉयकॉट

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ज्योफ्री बॉयकॉट ने क्रिस वोक्स और जैक क्रॉली की भारत के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के पहले दो मैच में खराब प्रदर्शन के लिए कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि तेज गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ समय भी चुका है जबकि सलामी बल्लेबाज में अपनी गलतियों से सीखने की क्षमता नहीं है। वोक्स ने अभी तक 59 टेस्ट मैच खेले हैं और वह इंग्लैंड के आक्रमण में सबसे अनुभवी गेंदबाज हैं। इस तेज गेंदबाज ने दो मैचों में 82 ओवर फेंके और 290 रन देकर केवल तीन विकेट लिए। उन्होंने जिन तीन पारियों में बल्लेबाजी की, उनमें उन्होंने 50 रन बनाए और उनका सर्वोच्च स्कोर 38 रन है। बॉयकॉट ने ब्रिटिश दैनिक 'द टेलीग्राफ' में अपने कॉलम में लिखा, ''जब खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ समय बीत जाता है तो वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाता और ऐसे खिलाड़ियों को टीम में रखने से प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। बॉयकॉट ने लिखा, ''क्रिस वोक्स को देखिए। उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनकी गति कम होती जा रही है, जैसा कि आप उम्मीद कर सकते हैं। वह विदेश में कभी भी विकेट लेने वाले गेंदबाज नहीं रहे हैं, जहां उनका रिकॉर्ड खराब है। उन्होंने कहा, ''इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और जब बल्लेबाज विफल रहते हैं तो उनसे रन बनाने की उम्मीद की जाती है लेकिन उनका मुख्य कौशल गेंदबाजी है और उनका काम विकेट लेना है। क्रॉली के मामले में बॉयकॉट ने कहा कि यह सलामी बल्लेबाज इससे बेहतर नहीं हो सकता। क्रॉली ने भारत के खिलाफ अब तक चार पारियों में एक अर्धशतक लगाया है। बॉयकॉट ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि वह बदल सकते हैं या बेहतर हो सकते हैं। बल्लेबाजी दिमाग में होती है और दिमाग ही तय करता है कि आप बल्लेबाजी कैसे करेंगे, आप कौन से शॉट खेलने की कोशिश करेंगे, कौन सी गेंदें छोड़ेंगे। तकनीक और सोच में उनकी खामियां गहरी हैं।

सिनर कोहनी की चोट और पहले दो सेट हारने के बावजूद क्वार्टर फाइनल में

लंदन। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिनी कोहनी में चोट और पहले दो सेट हारने के बावजूद अपने प्रतिद्वंद्वी ग्रिगोर दिमित्रोव के पेक्टोरल मांसपेशी में चोट लगने के कारण बाहर हो जाने से विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे। सिनर ने इससे पहले टूर्नामेंट में कोई भी सेट नहीं गंवाया था, लेकिन विश्व में 19वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव ने उनके खिलाफ पहले दो सेट 6-3, 7-5 से जीत कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी। लेकिन तीसरे सेट में जब स्कोर 2-2 से बराबरी पर था तब दिमित्रोव ने खेलना बंद कर दिया। यह लगातार पांचवां ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट है जिसमें 34 वर्षीय दिमित्रोव मैच पूरा करने में विफल रहे। वह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन और मई में फ्रेंच ओपन के अलावा पिछले साल विंबलडन और अमेरिकी ओपन में भी मैच के बीच में हट गए थे। सिनर पहले सेट के दौरान कोर्ट पर फिसल गए थे जिससे उनकी कोहनी चोटिल हो गई थी लेकिन उन्होंने बाद में कहा कि चोट गंभीर नहीं है और चिंता की कोई बात नहीं है। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अमेरिका के बेन शेल्टन से भिड़ेंगे। इस बीच महिला एकल में रूस की 18 वर्षीय खिलाड़ी मीरा एंड्रीवा ने एम्मा नवारो को 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वह पिछले 18 वर्षों में विंबलडन के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई है।

जनवरी-जून में 2,900 एकड़ भूमि के करीब 31,000 करोड़ रुपये के सौदे हुए: एनारॉक

नयी दिल्ली। देश में 2025 की पहली छमाही में कम से कम 2,900 एकड़ भूमि के सौदे हुए, जिनका बाजार मूल्य करीब 31,000 करोड़ रुपये है। रियल एस्टेट परामर्शदाता एनारॉक ने यह जानकारी दी और स्पष्ट किया कि भूमि सौदों में रियल एस्टेट कंपनियों और भूमि मालिकों के बीच प्रत्यक्ष विकास के साथ-साथ संयुक्त विकास समझौते भी शामिल हैं। इसका मूल्य बाजार में प्रचलित दरों पर आधारित है न कि वास्तविक मूल्य पर। एनारॉक ने मंगलवार को बयान में कहा, '' 2025 की पहली (जनवरी-जून) छमाही में समूचे भारत में 76 सौदों में 2,898 एकड़ से अधिक भूमि का लेन-देन किया गया। इस भूमि का कुल बाजार मूल्य 30,885 करोड़ रुपये है। इन भूखंडों की कुल राजस्व क्षमता लगभग 1.47 लाख करोड़ रुपये है तथा कुल विकास क्षमता 23.3 करोड़ वर्ग फुट से अधिक है। इनमें से अधिकतर भूमि सौदे आवास, वाणिज्यिक और मिश्रित उपयोग परियोजनाओं के विकास के लिए थे। परामर्शदाता ने कहा कि इस वर्ष की पहली छमाही में हुए कुल 76 भूमि सौदों में से 17 संयुक्त विकास समझौते (जेडीए) थे, जो 782 एकड़ में फैले थे। इनका बाजार मूल्य 6,765 करोड़ रुपये है। एनारॉक ने साथ ही इस बात पर प्रकाश डाला कि 2025 की पहली छमाही में भूमि के कुल सौदे समूचे 2024 की तुलना में हुए सौदों से 1.15 गुना अधिक हैं। 2024 में 2,515 एकड़ भूमि के लिए करीब 133 सौदे हुए थे।

शंख एयर उत्तर प्रदेश, अन्य स्थानों में क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने पर कर रही है विचार

मुंबई। उत्तर प्रदेश स्थित विमानन कंपनी शंख एयर ने शुरुआत में राज्य की राजधानी लखनऊ से छह गंतव्यों को जोड़ने की योजना बनाई है। कंपनी फिलहाल नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से उड़ान के लिए मंजूरी का इंतजार कर रही है। विमानन कंपनी ने कहा कि वह देश में मौजूदा क्षेत्रीय कंपनियों द्वारा संचालित किए जा रहे टर्बोप्रॉप विमानों के स्थान पर अपने परिचालन के लिए 'नैरो-बॉडी' एयरबस ए320 विमानों को पट्टे पर लेने की योजना बना रही है। बयान के अनुसार, शंख एयर के चेयरमैन श्रवण कुमार विश्वकर्मा ने हाल ही में नई दिल्ली में केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू से मुलाकात की थी और विमानन कंपनी के सेवा शुरू करने एवं भारत के क्षेत्रीय हवाई संपर्क लक्ष्यों का समर्थन करने के लिए सहयोगात्मक अवसरों पर चर्चा की थी।

भारत के खिलाफ वनडे श्रृंखला के लिए एक्लेस्टोन और बाउशियर इंग्लैंड की टीम में शामिल

एजेंसी

लंदन। सोफी एक्लेस्टोन और माइया बाउशियर को इस महीने के अंत में भारत के खिलाफ होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए मंगलवार को इंग्लैंड की 15 सदस्यीय महिला टीम में शामिल किया गया। तीन एकदिवसीय मैच क्रमशः 16, 19 और 22 जुलाई को साउथेम्प्टन, लॉर्ड्स और चेस्टर-ले-स्ट्रीट में खेले जाएंगे। एक्लेस्टोन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला से बाहर रहने के बाद एकदिवसीय टीम में वापसी की है, जबकि बाउशियर को चोटिल नेट साइवर-ब्रंट के स्थान पर टी20 श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किए जाने के बाद वनडे टीम में भी रखा गया है। कमर की चोट के कारण पांच मैचों की श्रृंखला के अंतिम तीन टी-20 मैच से बाहर चल रही कप्तान साइवर-ब्रंट के एकदिवसीय श्रृंखला के लिए फिट होने की उम्मीद है।

एंजेल दी मारिया की घर वापसी, दो दशक बाद रोसारियो सेंट्रल से जुड़े

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर एंजेल दी मारिया ने लगभग दो दशकों बाद अपने घरेलू क्लब रोसारियो सेंट्रल में वापसी कर अपने सपने को साकार किया है। 37 वर्षीय दी मारिया को सोमवार को रोसारियो शहर के एक होटल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आधिकारिक रूप से क्लब के नए खिलाड़ी के रूप में पेश किया गया। भावुक दी मारिया ने कहा, यह मेरे लिए बेहद खूबसूरत पल है। यह वो सपना है जो मैं लंबे समय से देख रहा था। मैं पहले आना चाहता था, लेकिन संभव नहीं हो पाया। आज मैं यहां हूं, अपने परिवार के साथ, खुश हूं। दी मारिया ने पुर्तगाली क्लब बेनफिका के साथ अपना अनुबंध समाप्त होने के बाद फ्री ट्रांसफर के तहत रोसारियो सेंट्रल से एक साल के अनुबंध पर

हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें विस्तार का विकल्प भी शामिल है। गौरतलब है कि दी मारिया ने अपने पेशेवर करियर की शुरुआत 2005 में रोसारियो सेंट्रल से की थी। इसके बाद उन्होंने बेनफिका, रियल मैड्रिड, मैनचेस्टर यूनाइटेड, पेरिस सेंट जर्मेन और जुवेंटस जैसे दिग्गज यूरोपीय क्लबों के लिए खेला। अर्जेंटीना के लिए 145 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले दी मारिया 2022 फीफा विश्व कप, 2021 और 2024 कोपा अमेरिका खिताब जीतने वाली टीम के अहम सदस्य रहे हैं। उन्होंने कहा, मैंने अपने करियर में बहुत कुछ हासिल किया है, लेकिन यह उससे भी बढ़कर है। इतने सालों बाद घर लौटना, रोसारियो में फिर से रहना, सेंट्रल की जर्सी पहनना और यहां के लोगों को खुश देखना – यही सबसे बड़ा सुख है। दी मारिया ने यह भी कहा कि वह चाहते थे कि उनकी बेटियां और पत्नी भी इस अनुभव का हिस्सा बनें। यह एक सपना है जो अब सच हो रहा है, उन्होंने कहा। जब उनसे इस पल के भावनात्मक महत्व के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ल्लयह मेरी उम्मीदों से कहीं ज्यादा है। आज जब मैंने चारों ओर देखा, तो यकीन नहीं हो रहा था कि मैं यहां हूं। वो एहसास, वो उत्तेजना – मैं चाहता हूं कि ये इसी तरह बना रहे। हालांकि, उनकी वापसी को लेकर पिछले वर्ष संदेह बना हुआ था जब स्थानीय मीडिया में खबरें आई थीं कि रोसारियो में उनकी फैमिली को आपराधिक गिरोहों से धमकियां मिली थीं। इस पर दी मारिया ने कोई टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा कि वह केवल टीम की मदद पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने आत्मविश्वास से कहा, ल्लमैं यहीं संन्यास लूंगा, लेकिन अभी मुझमें बहुत कुछ बाकी है। मैं अच्छा खेल रहा हूं और टीम को योगदान देना चाहता हूं।

न्यूजीलैंड ने ज़िम्बाब्वे टेस्ट सीरीज़ के लिए टीम घोषित की, विलियमसन-जैमीसन अनुपलब्ध

ऑकलैंड। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने सोमवार को ज़िम्बाब्वे दौरे के लिए दो मैचों की टेस्ट सीरीज़ के लिए टीम की घोषणा कर दी। यह सीरीज़ 30 जुलाई से बुलावायो में शुरू होगी। तेज़ गेंदबाज़ मैट फिशर को पहली बार टेस्ट टीम में जगह मिली है। फिशर के साथ तेज़ गेंदबाज़ी आक्रमण में नाथन स्मिथ, विल ओ'रूर्क और जैकब डफी शामिल हैं। वहीं, बेन सीयर्स साइड इंजरी के कारण सीरीज़ से बाहर हो गए हैं। उन्हें ठीक होने में दो से चार हफ्तों का समय लग सकता है। कप्तान केन विलियमसन, काइल जैमीसन और माइकल ब्रेसवेल इस टेस्ट सीरीज़ के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के अनुसार, जैमीसन अपने पहले बच्चे के जन्म की प्रतीक्षा कर रहे हैं, वहीं विलियमसन ने अपने खेल कार्यक्रम को संतुलित करने के लिए यह सीरीज़ छोड़ने का निर्णय लिया है। ब्रेसवेल 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट में व्यस्त हैं, जिसे पहले से उनके केंद्रीय अनुबंध में शामिल किया गया था।

सर्राफा बाजार में उछला सोना चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 500 रुपये से लेकर 550 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 100 रुपये की सांकेतिक तेजी नजर आ रही है। भाव में उछाल आने की वजह से आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,840 रुपये से लेकर 98,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,600 रुपये से लेकर 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में मामूली तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,10,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज

98,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 98,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 98,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 98,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 90,600 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 98,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 98,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 90,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 98,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 90,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है।

लोढ़ा डेवलपर्स ने अप्रैल-जून में पांच भूखंडों का किया अधिग्रहण

नयी दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स ने आवासीय परियोजनाएं विकसित करने के लिए अप्रैल-जून तिमाही में मुंबई महानगर क्षेत्र, पुणे और बेंगलुरू में पांच भूखंडों का अधिग्रहण किया है, जिनकी कुल राजस्व क्षमता 22,700 करोड़ रुपये है। लोढ़ा डेवलपर्स ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में ने कहा, '' 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में हमने मुंबई महानगर क्षेत्र, पुणे और बेंगलुरु में 22,700 करोड़ रुपये के जीडीवी (सकल विकास मूल्य) के साथ पांच नई परियोजनाएं जोड़ीं। कंपनी ने हालांकि यह नहीं बताया कि ये भूखंड सीधे अधिग्रहित किए गए या उसने भूस्वामियों के साथ साझेदारी की थी। लोढ़ा डेवलपर्स (पूर्व में मैक्रोटेक डेवलपर्स) ने पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में आवासीय परियोजनाओं के विकास के लिए 10 भूखंडों का अधिग्रहण किया था जिसका कुल विक्रय मूल्य 23,700 करोड़ रुपये है।

महाराष्ट्र के जेएनपीए ने पहली तिमाही में कंटेनर संचालन में 15.52 फीसदी की दर्ज की वृद्धि

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के नवी मुंबई स्थित जवाहरलाल नेहरू बंदरगाह प्राधिकरण (जेएनपीए) ने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में उल्लेखनीय प्रदर्शन दर्ज करते हुए कंटेनर संचालन में जबरदस्त वृद्धि हासिल की है। अप्रैल 2025 से जून 2025 तक जेएनपीए ने कुल 19,50,188 ट्वेंटी फुट इक्विवेलेंट यूनिट्स (टीईयू) कंटेनरों का संचालन किया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 15.52 प्रतिशत अधिक है। यह उपलब्धि देश के सबसे व्यस्त और प्रमुख बंदरगाहों में से एक जेएनपीए की संचालन क्षमता, कुशल प्रबंधन और तकनीकी दक्षता को दर्शाती है। बंदरगाह प्राधिकरण ने इस उपलब्धि की जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की। इसमें बताया गया कि कंटेनर हैंडलिंग में जेएनपीए की

स्थिर गति टर्मिनलों के कुशल संचालन की वजह से संभव हो पाई है। इसके अलावा बंदरगाह की अवसंरचना, तकनीकी संसाधन और तेजी से अनुकूल हो रही सहायक सेवाएं भी इस बढ़ोतरी में सहायक सिद्ध हुई हैं। जेएनपीए द्वारा हाल के वर्षों में लगातार क्षमता विस्तार और डिजिटलीकरण के प्रयास किए गए हैं, जिससे परिचालन प्रक्रियाएं अधिक पारदर्शी और तेज हुई हैं। इन प्रयासों का सकारात्मक असर अब आंकड़ों में साफ दिखाई दे रहा है। बढ़ते वैश्विक व्यापार और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में तेजी के चलते जेएनपीए की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

देश में जून में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 28.6 प्रतिशत बढ़कर 1,80,238 इकाई : फाडा

मुंबई। देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री जून में सालाना आधार पर 28.60 प्रतिशत बढ़कर 1,80,238 इकाई हो गई। मोटर वाहन डीलर के शीर्ष निकाय फ़ेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों की बिक्री जून में सालाना आधार पर 79.95 प्रतिशत बढ़कर 13,178 इकाई हो गई जबकि जून 2024 में यह 7,323 इकाई रही थी। फाडा ने बयान में कहा, समग्र इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में ई-यात्री वाहनों की हिस्सेदारी जून 2024 के 2.5 प्रतिशत से बढ़कर जून 2025 में 4.4 प्रतिशत हो गई। समीक्षाधीन महीने में इलेक्ट्रिक तिपहिया वाहनों की बिक्री 60,559 इकाई दर्ज की गई, जो पिछले वर्ष इसी महीने बेचे गए 52,302 वाहनों से 15.79 प्रतिशत अधिक है। मोटर वाहन डीलर के शीर्ष निकाय के आंकड़ों के अनुसार, इलेक्ट्रिक तिपहिया खंड की जून 2025 में कुल ईवी मांग में हिस्सेदारी 60.2 प्रतिशत रही जबकि जून 2024 में यह 55.4 प्रतिशत थी। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री जून में 31.69 प्रतिशत बढ़कर 105,355 इकाई हो गई, जबकि जून 2024 में 80,003 ई-दोपहिया वाहनों की खुदरा बिक्री दर्ज की गई थी। इलेक्ट्रिक वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री भी जून में 122.5 प्रतिशत बढ़कर 1,146 इकाई रही जो जून 2024 में 515 इकाई रही थी।

अमेरिका ने जवाबी शुल्क निलंबन 01 अगस्त तक बढ़ाया, भारत से व्यापार वार्ता जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका ने पारस्परिक टैरिफ निलंबन को 1 अगस्त तक के लिए बढ़ा दिया है। इस कदम से भारतीय निर्यातकों को राहत मिलेगी। इसके साथ ही नई दिल्ली तथा वाशिंगटन के बीच जारी अंतरिम व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने और लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, भारत के साथ व्यापार समझौता करने के करीब है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को जापान, दक्षिण कोरिया समेत 14 देशों को राष्ट्राध्यक्षों को पत्र लिखा है, जिसमें 25 से लेकर 40

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा- अमेरिका और भारत व्यापार समझौते के करीब

फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया गया है। ट्रंप प्रशासन ने विभिन्न देशों को पत्रों की पहली किश्त भेजी, जिसमें उन देशों के उत्पादों पर टैरिफ का विवरण दिया गया है, जो 1 अगस्त से अमेरिकी बाजारों में प्रवेश करेंगे। हालांकि, इन देशों में भारत को शामिल नहीं किया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हमने ब्रिटेन के साथ व्यापार समझौता किया है, चीन के साथ समझौता किया है और भारत के साथ व्यापार समझौता करने के करीब हैं। इनके अलावा जिन देशों से हमारी बात हुई है, हमें नहीं लगता कि उनके साथ हमारा व्यापार समझौता हो सकता है। इसलिए हमने उन्हें पत्र भेजा है। ट्रंप ने कहा कि जो देश हमें छूट देंगे, हम भी उन्हें छूट देने पर विचार करेंगे। ट्रंप प्रशासन ने विभिन्न देशों को 'पत्र' भेजे जिसमें उन देशों के उत्पादों पर अमेरिका द्वारा लगाए जाने वाले शुल्कों का ब्योरा है। अमेरिका ने जिन 14 देशों पर नए टैरिफ लगाने का ऐलान किया है, उनमें बांग्लादेश, बोस्निया और हर्जेगोविना, कंबोडिया, इंडोनेशिया, जापान, कजाखिस्तान, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, सर्बिया, ट्यूनिशिया, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रंप प्रशासन ने टैरिफ लगाने की समय-सीमा को बढ़ाकर 1 अगस्त कर दिया है। पहले ये समय-सीमा 9 जुलाई को समाप्त हो रहा था। भारत, जो अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहा है, ट्रंप प्रशासन से टैरिफ पत्र प्राप्त करने वाले देशों की सूची में शामिल नहीं था।

स्वामी मुद्रक प्रकाशक एवं सम्पादक हरिनाथ सिंह द्वारा टिनटिन प्रिन्टेक प्राइवेट लिमिटेड डी-33 अमौसी इण्डस्ट्रीयल एरिया, नादरगंज, लखनऊ से मुद्रित एवं 1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज, लखनऊ से प्रकाशित, सम्पर्क-522-4064242

Email: noidarp@gmail.com, therptimes@yahoo.com, 9918735329 * इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.पी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

सूचना

पाठकों को सुझाव दिया जाता है, कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जाँच-पड़ताल कर लें। समाचार पत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावें की सााई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

मराठी अस्मिता के नाम पर अस्तित्व की जंग

- दोनों ठाकरे भाइयों को समझ में आ गया है कि अलग रहकर अस्तित्व नहीं बचा सकते
- वैसे भी उद्धव ठाकरे पर इंडी गठबंधन में रहकर हिंदू विरोधी होने का लग गया था ठप्पा
- उद्धव के कट्टर हिंदुत्व छोड़ने से बाला साहेब ठाकरे की विरासत पर भी पड़ा है क्सर
- विजय रैली में एनसीपी शरद आयी, कांग्रेस का किनारा, नये समीकरणों के संकेत
- राज्य में तीन अक्टूबर को मनाया जाएगा मराठी दिवस, 13 तक होंगे कार्यक्रम

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

नयी दिल्ली। इन दिनों महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। वर्चस्व के नाम पर शिवसेना छोड़ने वाले राज ठाकरे अब मराठी भाषा के नाम पर उद्धव ठाकरे से हाथ मिलाने पर मजबूर हो गए हैं। इस तरह बीस साल से अलग रहकर राजनीति कर रहे ठाकरे बंधु मराठी अस्मिता के नाम पर एक हो गए। न सिर्फ एक हो गए बल्कि मंच साझा किया और मंच पर ही गले भी मिले। पर ये मिलन शायद कांग्रेस को पसंद नहीं आया इसीलिए उसने इससे किनारा कर लिया। हालांकि एनसीपी की सुप्रिया सुले और जितेंद्र आह्वाण जरूर दिखे। सुप्रिया ने तो साथ में फोटो सेशन भी कराया। पर उद्धव और राज ठाकरे का मैसेज साफ था कि हम दो, और हमारे दो। इसलिए मंच पर सिर्फ दो कुर्सियां ही लगी थीं, एक उद्धव और दूसरी राज ठाकरे की। सुप्रिया सुले भी दर्शक दीर्घा में थीं। उद्धव ठाकरे ने ये भी साफ कर दिया कि बृहन्मुंबई महानगर पालिका यानी बीएमसी का चुनाव वे और राज ठाकरे मिल कर लड़ेंगे। उनका किसी और पार्टी से कोई गठबंधन नहीं होगा, यानी यहां इंडी गठबंधन नहीं होगा। वैसे तो सुप्रिया सुले दर्शक दीर्घा में थीं, पर वे बाद में मंच पर आकर ठाकरे परिवार में मेल मिलाप की कोशिशों में जुटी रहीं। ऐसे में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के हिंदी सम्बंधित आदेश ने ठाकरे बंधुओं को एक साथ आने का अवसर दे दिया है। पर जिस आदेश के खिलाफ ठाकरे बंधु हड़ताल करने वाले थे, वह तो रहा ही नहीं। उस आदेश को तो राज्य सरकार ने पहले ही वापस ले लिया। ऐसे में उसके विरोध में निर्धारित आंदोलन हुआ ही नहीं तो विजय दिवस किस बात का। यह सवाल अभी भी राजनीतिक गलियारों में तैर रहा है। यानी ठाकरे भाइयों की तय रणनीति के तहत ही उक्त आदेश वापस होने के बावजूद विजय संकल्प रैली का आयोजन और शक्ति प्रदर्शन हुआ। उधर देवेंद्र फडणवीस सरकार ने डैमेज कंट्रोल करते हुए तीन अक्टूबर को राज्य में मराठी दिवस मनाने की घोषणा की है। इसके अलावा 3 से 13 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन भी किया जाएगा। यानी मराठी पर जंग जीतने की कोशिश दोनों तरफ से जारी है। उधर सूत्रों का कहना है कि दोनों भाई इस मिलन की ताकत को टेस्ट करने के बाद ही आगे कोई अंतिम सियासी गठजोड़ या मिलन पर कोई फैसला करेंगे। पर इतना जरूर है कि रिश्तों पर जमी बर्फ अब पिघलने लगी है।

उधर कुछ लोग इसे भाजपा और ठाकरे बंधुओं का पूर्व निर्धारित ड्रामा बता रहे हैं। वैसे ठाकरे बंधुओं ने भी कोशिश यही की कि किसी को ये न लगे कि इस पटकथा के लेखक मंडल में भाजपा भी शामिल है। शायद इसी कारण ज्यादा हमले भाजपा और संघ परिवार पर ही किए गए। राज ठाकरे ने कहा कि जो काम बालासाहेब ठाकरे नहीं कर पाए वो फडणवीस ने कर दिया, और उन्होंने हम दो भाइयों को मिला दिया। राज ठाकरे ने कहा कि वैसे हिंदी अच्छी भाषा है, लेकिन उसे हम यहां बोल नहीं सकते। साथ ही राज ठाकरे ने सियासी दांव चलते हुए और बीएमसी चुनाव की ओर इशारा करते हुए यह भी आरोप लगाया कि मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करने की साजिश चल रही है, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। उद्धव ठाकरे ने कहा कि मराठी मानुस के लिए न्याय मांगना अगर गुंडागर्दी है तो, हां मैं गुंडा हूं। उद्धव ठाकरे ने कहा कि पुष्पा फिल्म की तरह मैं भी कहता हूं कि मैं झुकेगा नहीं। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमें हिंदू और हिंदुस्तान मान्य है, पर हिंदी नहीं। ठाकरे भाइयों के बयान पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि चलो, इसी बहाने राज ठाकरे ने मुझे मिलाने का श्रेय तो दिया। और इसी बहाने मुझे बालासाहेब का आशीर्वाद मिल गया है। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि दोनों भाइयों को मैने तो अलग किया नहीं था, ये तो आपस में लड़कर ही अलग हुए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वैसे घोषणा तो विजय दिवस मनाने की थी, लेकिन उसमें सिर्फ रुदाली भाषण हुआ। फडणवीस ने मुंबई के विकास पर ठाकरे बंधुओं को घेरते हुए कहा कि 25 साल तक मुंबई महानगरपालिका उनके पास रही, लेकिन उनके पास दिखाने लायक कोई काम नहीं। आज जब पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने मुंबई का चेहरा बदला है, तो उनको जलन हो रही है।

उधर इस मिलन के बारे में उद्धव गुट के प्रवक्ता संजय राउत ने कहा है कि पहले दोनों का अलग-अलग मोर्चा निकलना था लेकिन राज ठाकरे की सलाह पर मैंने ही उद्धव ठाकरे से बात की तो उद्धव ठाकरे ने भी सहमति जता दी। जब संजय राऊत से पूछा गया कि जिस मुद्दे पर मोर्चा निकलना था वह तो देवेंद्र फडणवीस ने पहले ही मान लिया था, फिर विजय रैली किस बात की, तो संजय राउत ने कहा कि इसके जरिए संदेश भी देना था कि हम लोग अब एक साथ आए हैं। राउत ने कहा कि वैसे तो हम अभी भी इंडी गठबंधन का हिस्सा हैं, लेकिन नगर निकाय स्तर पर हमारा कोई गठबंधन नहीं है, इसलिए ये चुनाव अलग-अलग लड़े जाएंगे। उधर पार्टी प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी ने भी ठाकरे परिवार को करीब लाने के लिए भाजपा का आभार जताया है। उन्होंने कहा कि 20 साल बाद दोनों भाई साथ आए हैं। और जनता भी चाहती थी।

अभयानंद शुक्ल
समन्वय सम्पादक

उद्धव ठाकरे ने कहा, आगे देखिए क्या होता है

शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने मनसे नेता राज ठाकरे के साथ अपने गठबंधन के बारे कहा कि हमारा साथ आना तो बस एक ट्रेलर है, एक शुरुआत है। आगे देखिए क्या होता है। उद्धव ठाकरे ने भाजपा से पूछा है कि हम हनुमान चालीसा, जय श्रीराम के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन आपको मराठी से दिक्कत क्यों है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि हिंदू और हिंदुस्तान हमें स्वीकार्य है, लेकिन हिंदी थोपना बर्दाश्त नहीं। और आपकी सात पीढ़ियां खत्म हो जाएंगी, लेकिन हम ऐसा नहीं होने देंगे। उद्धव ने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा है कि हिंदुत्व पर किसी का एकाधिकार नहीं है। हम सबसे गहरी जड़ों वाले हिंदू हैं। हमें हिंदू धर्म सिखाने की जरूरत नहीं है। 1992 में मुंबई दंगों में मराठी लोगों ने ही हिंदुओं को बचाया था। राज ठाकरे ने भी भाजपा से पूछा कि अगर हम हिंदीभाषी राज्यों से आगे हैं, तो फिर हम पर हिंदी क्यों थोपी जा रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के मंत्री दादा भुसे मेरे पास आए और मुझसे बात सुनने का अनुरोध किया। पर मैंने कहा कि मैं आपकी बात सुनूंगा, लेकिन मैं राजी नहीं होऊंगा। मैंने उनसे पूछा कि उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान के लिए तीसरी भाषा क्या होगी।

उद्धव-राज ठाकरे का मिलन बीएमसी पाने की कोशिश

महाराष्ट्र की राजनीति पर पकड़ रखने वाले लोगों का मानना है कि दरअसल ये सारी लड़ाई मुंबई पर राज करने की है। चूंकि मुंबई महानगरपालिका के चुनाव आने वाले हैं, इसलिए यह गठजोड़ जरूरी हो गया था। सूत्रों का कहना है कि उद्धव हरहाल में इस संस्था पर कब्जा रखना चाहते हैं, क्योंकि इसका भारी भरकम बजट शिवसेना यूबीटी का आर्थिक आधार है। पिछली बार भाजपा के साथ मिलकर बीएमसी की सत्ता पर काबिज़ हुई उद्धव की पार्टी को अब फिर किसी मजबूत सहारे की तलाश थी। और कंग्रेस इस जरूरत को पूरा कर पाने असमर्थ थी। ऐसे में दोनों भाई अपना-अपना इगो किनारे रख गले मिल गये। जानकार भी मानते हैं कि उद्धव ठाकरे का बालासाहेब ठाकरे का बेटा होना और राज ठाकरे का मसल पावर मिल कर एक अच्छा विनिंग समीकरण बना सकते हैं। पर इसमें एक खतरा भी है। वह ये कि राज ठाकरे की उत्तर भारतीय लोगों से दुश्मनी किसी से छिपी नहीं है। शायद इसीलिए कंग्रेस ने इस रैली से किनारा किया। जानकार बताते हैं कि बीएमसी क्षेत्र में उत्तर भारतीय अच्छी खासी संख्या में रहते हैं, इतना की जीत-हार को प्रभावित कर सकते हैं। खैर, बताते हैं कि राज ठाकरे की पहल पर ही शिवसेना प्रवक्ता संजय राउत ने उद्धव से बात की और बात बन गई। और बीस साल बाद उद्धव और राज ठाकरे एक मंच पर आ गए। इस बाबत जानकारों का कहना है कि जब आंदोलन की वजह ही नहीं रही, आंदोलन हुआ ही नहीं, तो विजय रैली किस बात की। यानी मिलन पहले से तय था, बस बहाना मराठी भाषा और उसकी अस्मिता को बनाया गया। इस मौके पर एनसीपी शरद गुट से सुप्रिया सुले और जितेंद्र आह्वाण भी आए थे, पर कंग्रेस की ओर से कोई नेता नहीं पहुंचा। सूत्र बताते हैं कि उद्धव और राज ठाकरे के मिलन से कंग्रेस सहमत नहीं थी। कंग्रेस के लोगों को लगता है कि राज ठाकरे की वजह से उसके हिंदी भाषी और पूर्वांचली वोट पर असर पड़ सकता है। बहरहाल अब तय लग रहा है कि बीएमसी का चुनाव ठाकरे भाई मिल कर ही लड़ेंगे और उसमें कोई दूसरा दल शामिल नहीं होगा। शरद पवार की पार्टी इस गठबंधन में शामिल होगी या नहीं, ये देखने वाली बात होगी। पर अभी ऐसा कुछ दिखाई नहीं दे रहा है। साथ ही इस नए गठजोड़ से राज्य के अन्य सियासी समीकरण भी प्रभावित होंगे, यह तय है। खास बात यह भी थी कि मराठी भाषा के नाम पर आयोजित इस कार्यक्रम में शिवसेना उद्धव की प्रवक्ता प्रियंका चतुर्वेदी हिंदी ही बोलती दिखाई दीं। शायद उन पर पार्टी का कानून लागू नहीं होता। या फिर उनके मथुरा से लोकसभा चुनाव लड़ने की चर्चाओं में दम है। इस विषय पर कंग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी का कहना है कि महाराष्ट्र का भाषा विवाद भाजपा और उनकी दोनों सहयोगी पार्टियों का षड्यंत्र है। उनका आरोप है कि ऐसे आंदोलनों की आड़ में अपनी असफलताओं को छुपाया जा रहा है।

राज ठाकरे ने किया मराठी कलाकारों का धन्यवाद

विजय संकल्प रैली में राज ठाकरे ने कहा कि मराठी मानुष ने हिंदी थोपने के मामले में देवेंद्र फडणवीस सरकार को पीछे हटने पर मजबूर कर दिया है। उन्होंने इस लड़ाई में साथ खड़े होने के लिए मराठी मीडिया उद्योग और कलाकारों को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा है कि हिंदी थोपने के मुद्दे पर ये मराठी लोग ही थे, जिन्होंने सरकार को पीछे हटने पर मजबूर किया। ये एकता मजबूत बनी रहे। इसके अलावा महाराष्ट्र राज्य विधानसभा चुनाव से पहले योगी आदित्यनाथ के 'बटेंगे तो कटेंगे' वाले नारे के जवाब में उद्धव ठाकरे ने कहा कि गुजरात में पटेलों का ध्रुवीकरण किया गया और बाकी लोगों को एक समेकित वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया गया। हरियाणा में भी जाटों को भड़काया गया और बाकी लोगों को भी वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया गया। इसलिए अब हम भी 'बटेंगे तो कटेंगे' समझने लगे हैं। इसके अलावा उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि अडानी ने मुंबई की ज़्यादातर ज़मीनें हड़प ली हैं। और हमें शर्म आनी चाहिए कि हमारे शहीदों ने मुंबई के लिए अपना खून बहाया और हम अपनी ज़मीन भी नहीं बचा पाए।

बाल ठाकरे की शिवसेना ने विभाजन का इतिहास

कभी महाराष्ट्र विशेषकर मुंबई की राजनीति में धाक जमा चुकी बालासाहेब ठाकरे की शिवसेना इतनी कमजोर नहीं थी। मुंबई पर मातोश्री का राज चलता था। पर ठाकरे परिवार में वर्चस्व की जंग और उद्धव ठाकरे की महत्वाकांक्षा ने शिवसेना में बार बार विभाजन कराया। पर ठाकरे बंधु को मराठी से कथित प्यार ने एक बार फिर एक स्टेज पर आने का मौका दे दिया है। असल में हाल ही में राज्य की फडणवीस सरकार ने तीन भाषा नीति को लेकर एक शासनादेश जारी किया था। इसी को लेकर महाराष्ट्र में विवाद छिड़ गया, और ठाकरे बंधु इसके खिलाफ खड़े हो गए। इसके बाद सरकार ने इस शासनादेश पर यू-टर्न भी लिया और हिंदी पढ़ाने को लेकर दिए गए आदेश को रद्द कर दिया। अब सरकार के इस फैसले को ठाकरे बंधु अपनी जीत के रूप में पेश कर रहे हैं। और इसी विवाद ने बीस साल बाद दोनों ठाकरे भाइयों को एक साथ आने का मौका दे दिया। ये दोनों भाई वर्चस्व को लेकर ही अलग हुए थे, जब बालासाहेब ने उद्धव को अपना राजनीतिक वारिस घोषित कर दिया था। इससे पहले आखिरी बार दोनों भाई 2005 में एक साथ एक मंच पर दिखाई थे, मौका था चुनाव का। उस समय मालवन विधानसभा सीट के उपचुनाव के प्रचार के लिए दोनों एक ही मंच पर थे। उस समय पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे ने कुछ विवादों के चलते अविभाजित शिवसेना छोड़ दी थी। उसके बाद जब बालासाहेब ठाकरे ने उद्धव को अपना राजनीतिक वारिस घोषित किया तो विरोध में राज ठाकरे ने भी उसी साल शिव सेना छोड़ दी। राज ठाकरे ने 27 नवंबर 2005 में ही पार्टी को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। इसी के बाद राज ठाकरे ने साल 2006 में एमएनएस का गठन किया। तब से दोनों भाई करीब बीस साल तक एक मंच पर नहीं दिखे। इसके अलावा जब भाजपा के साथ चुनाव लड़कर भाजपा के ही खिलाफ कांग्रेस से गठजोड़ कर उद्धव ठाकरे ने सरकार बनाई तो पार्टी के अंदर विरोध के स्वर उठे। लगभग दो साल बाद एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना फिर टूटी और उन्होंने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बना ली। उस गठबंधन ने साथ चुनाव लड़ा। और इस बार उनके साथ अजित पवार की एनसीपी ने चुनाव के पहले ही गठबंधन किया। अब तीनों पार्टियों की सरकार भाजपा के नेतृत्व में चल रही है। इस चुनाव में जहां उद्धव की पार्टी का प्रदर्शन कमजोर रहा वहीं राज ठाकरे की पार्टी का एक भी विधायक नहीं जीत पाया। ऐसे में दोनों को ज़रूरत थी, मराठी का बहाना था और बीएमसी चुनाव पर नजर थी तो दोनों भाई एक मंच पर आ गए।

महाराष्ट्र में 3 अक्टूबर को मनेगा मराठी दिवस

देवेंद्र फडणवीस सरकार ने त्रिभाषा फार्मूले पर जारी शासनादेश वापस तो ले लिया है किंतु एक मास्टर स्ट्रोक चल दिया है। राज्य सरकार ने अब महाराष्ट्र में तीन अक्टूबर को मराठी दिवस घोषित किया है। इसके तहत राज्य में तीन से लेकर 13 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान शास्त्रीय मराठी सप्ताह भी मनाया जाएगा। प्रदेश सरकार के प्रवक्ता के अनुसार मराठी भाषा के संरक्षण और जागरूकता के लिए ये कार्यक्रम आयोजित होंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा है कि भाषा के नाम पर अगर कोई गुंडागर्दी करेगा तो उसे बर्दाश्त नहीं करेंगे, और इसके नाम पर मारपीट करने वालों को जेल में डालेंगे। उन्होंने कहा कि लोग अंग्रेजी को तो गले लगाते हैं पर हिंदी पर कोहराम मचाते हैं, ये कैसी मानसिकता है।

संपादक मण्डल

संस्थापक/संरक्षक
संजीव श्रीवास्तव

प्रधान संपादक
हरिनाथ सिंह

समूह संपादक
डॉ. सुशीलचन्द्र त्रिवेदी 'मधुपेश'

स्थानीय संपादक
दिनेश कुमार गर्ग

सलाहकार संपादक
डा. एम.ए.ए.खान (लखनऊ)
(आई.ए.एस. से.नि.)

डा. ओम प्रकाश
(आई.ए.एस. से.नि.)

स्थानीय संपादक नोएडा/एनसीआर
समन्वय संपादक
आशुतोष रंजन

समन्वय संपादक/महाप्रबंधक
अनिल तिवारी

साहित्यक संपादक
आर.पी. शुक्ल, आई.ए.एस(से नि.)

आध्यात्मिक संपादक
श्री राम महेश मिश्र

सह संपादक
ताहिर इकबाल
आई.ए.एस (से नि.)

सह संपादक
मेजर. के. किशोर

सह संपादक
हरीशंकर शुक्ल (पी.पी.एस. से.नि.)

उप सम्पादक
प्रभात वर्मा

स्टेट क्वार्डिनेटर
विपिन सोनी

संपर्क मुख्यालय
कार्यालय फोन नं. : 0522-46 43988
www.rashtriyaprastavana.com
ईमेल : noidarp@gmail.com
प्रधान कार्यालय : - एफ1/39 प्रथम तल करामत मार्केट निशातगंज लखनऊ,(उ.प्र.)

बीएचयू के शोध छात्र एवं अध्यापकों का 'संस्कृति सफारी' खिलौना दक्षिण एशियन बी2बी व्यापार शो में चयनित

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के दृश्य कला विभाग के शोध छात्र एवं अध्यापकों द्वारा तैयार किया गया ''संस्कृति सफारी'' खिलौना दक्षिण एशियन बी2बी व्यापार शो में चयनित हुआ है। इसे विभाग के अंतर्राष्ट्रीय शोध छात्र हिमेश बाबूलाल, सहायक प्रोफ़ेसर सृष्टि प्रजापति, विभागाध्यक्ष प्रो. मनीष अरोड़ा के मार्गदर्शन में संयुक्त रूप से तैयार किया गया है।

संस्कृति सफारी एक अभिनव खेल है जो भारतीय बनारसी ज्ञान परंपरा पर आधारित है। इसमें बनारस के पारंपरिक लकड़ी के खिलौने, नाव, खाट, संगीत वाद्य, पंडित परंपरा, और जीआई टैग से जुड़े स्थानीय उत्पादों को समावेशित किया गया है। इसका उद्देश्य खेल के माध्यम से लोगों को बनारसी विरासत और भारतीय ज्ञान परंपरा का अध्ययन और अनुभव कराना है।विभागाध्यक्ष प्रो. मनीष अरोड़ा ने बताया कि नई दिल्ली के भारत मंडपम, प्रगति मैदान स्थित हॉल नंबर-4 में आयोजित दक्षिण एशियन बी2बी (बिजनेस टू बिजनेस) व्यापार शो में, भारतीय परंपरा और संस्कृति पर आधारित खिलौनों की वैश्विक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 4 जुलाई से 7 जुलाई 2025 तक चला।, जिसका संयुक्त आयोजन भारतीय खिलौना संघ और सृजन संचार, नई दिल्ली ने किया था। प्रो.मनीष के अनुसार इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य था - नवाचार के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक खिलौनों के रूप में प्रस्तुत करना। देशभर के विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से लगभग 200 प्रविष्टियाँ प्राप्त हुईं, जिनमें से 12 श्रेष्ठ प्रविष्टियों का चयन किया गया। इनमें से काशी हिंदू विश्वविद्यालय, दृश्य कला विभाग के शोध छात्र एवं अध्यापकों द्वारा तैयार किया गया ''संस्कृति सफारी'' खिलौना विशेष रूप से सराहनीय रहा और उसका चयन किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदर्शनी में लगे स्टॉल पर आगंतुकों को इस खेल का जीवंत अनुभव प्राप्त किया, जहाँ उन्होंने (खुद) इसका विस्तृत विवरण भी प्रस्तुत किया। समापन समारोह में, इस खेल की एक बुकलेट व संक्षिप्त विवरणिका विभागाध्यक्ष प्रो. मनीष अरोड़ा ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भेंट किया।

महंत कौशलेन्द्र गिरी से दुर्व्यवहार मामले में रसड़ा नपाध्यक्ष समेत सौ पर मुकदमा

बलिया। रसड़ा में नाथ बाबा मठ परिसर में महंत कौशलेन्द्र गिरी के साथ मारपीट के मामले में रसड़ा नगर पालिका चेयरमैन विनय शंकर जायसवाल समेत सौ लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। एसपी ने कहा कि पूरे प्रकरण की जांच एएसपी (उत्तरी) को सौंपी गई है। नाथ संप्रदाय के महंत और महामंडलेश्वर कौशलेन्द्र गिरी सोमवार को नाथ बाबा मंदिर परिसर में गए थे। रसड़ा की ऐतिहासिक रामलीला कमेटी के गठन को लेकर नपाध्यक्ष विनय जायसवाल और उनके समर्थकों के साथ पहले कहासुनी हुई। देखते ही देखते कौशलेन्द्र गिरी के साथ दुर्व्यवहार भी होने लगा। कौशलेन्द्र गिरी के साथ दुर्व्यवहार का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही रसड़ा समेत पूरे जिले में हड़कंप मच गया। एसपी ओमवीर सिंह ने भी देरशाम रसड़ा जाकर कौशलेन्द्र गिरी का हालचाल लिया। एसपी ने इस घटना के सम्बन्ध में बताया कि रसड़ा कोतवाली में मिले प्रार्थना में आरोप लगाए गए हैं कि मठ के पीठाधीश्वर महंत कौशलेंद्र गिरी जी पर दोपहर लगभग दो बजे नगर पालिका चेयरमैन द्वारा कुछ असामाजिक तत्वों के साथ जिनकी संख्या लगभग सौ के करीब थी, मठ के परिसर में आकर परम्परागत रूप से लगायी जा रही रामलीला की कमेटी को लेकर उनसे अभद्र व्यवहार का प्रयास किया गया।

प्रयागराज को मिली 1644 मैट्रिक टन फास्फ़ेटिक उर्वरक

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

प्रयागराज। खरीफ सीजन की बुवाई के लिए 1644 मैट्रिक टन फास्फ़ेटिक उर्वरक आ गई है। अब किसान भाइयों को उनकी मांग के अनुसार उपलब्ध कराया जाएगा। यह जानकारी मंगलवार को प्रयागराज जिला कृषि अधिकारी के. के. सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि किसान भाइयों को फास्फ़ेटिक उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए समितियों को खाद भेजी दी गई। उन्होंने बताया कि निजी क्षेत्र को प्राप्त होने वाली उर्वरक रैक से 40 प्रतिशत सहकारिता क्षेत्र को उपलब्ध कराते हुये, साधन सहाकारी समितियों के माध्यम से वितरण का कार्य कराया जा रहा है। निजी क्षेत्र के आई.पी.एल. कम्पनी द्वारा आपूर्तित कुल 2594 मैट्रिक टन के रैक से इस जनपद को प्राप्त 1644 मैट्रिक टन फास्फ़ेटिक उर्वरक में से 1035 मैट्रिक टन सहकारिता क्षेत्र में एवं 609 मैट्रिक टन निजी क्षेत्र में उर्वरक की आपूर्ति कराते हुये, किसानों को उनकी जोत के आधार पर पी.ओ.एस. के माध्यम से सम्बन्धित कृषकों का अगूठा लगवाकर वितरण का कार्य निरन्तर कराया जा रहा है। वर्तमान में जनपद में यूरिया 52000 मैट्रिक टन, डी.ए.पी. 6581 मैट्रिक टन, एन.पी.के. 14363 मैट्रिक टन, एस.एस.पी. 6372 मैट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है। जनपद में संचालित कुल 211 साधन सहकारी समितियों में से 195 समितियॉ क्रियाशील है, जिनमें 80 साधन सहकारी समितियों में प्राप्त होने वाली रैक से उर्वरक की आपूर्ति की जा रही है। शेष समितियों पर फास्फ़ेटिक उर्वरक पहले से ही उपलब्ध है। जिला कृषि अधिकारी के के सिंह सभी थोक एवं फुटकर उर्वरक बिक्रेताओं को निर्देशित किया है कि निर्धारित मूल्य से अधिक मूल्य पर बिक्री अथवा उर्वरक के साथ अन्य उत्पाद की टैगिंग की शिकायत प्राप्त होगी तो उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 के तहत सम्बन्धित बिक्रेता के विरूद्ध नियमानुसार कठोर कार्यवाही की जायेगी।

बीएचयू विश्वनाथ मंदिर में सावन माह की तैयारियां पूरी, श्रावण महोत्सव 11 जुलाई से

- मंदिर का वर्ष 1931 में महामना पंडित मदन मोहन मालवीय ने निर्माण शुरू कराया था

राष्ट्रीय प्रस्तावना न्यूज नेटवर्क

वाराणसी। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) परिसर स्थित श्री विश्वनाथ मंदिर में श्रावण माह को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिर प्रशासन द्वारा 11 जुलाई से शुरू होने वाले श्रावण महोत्सव-2025 के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं। पूरे सावन मास के दौरान मंदिर में विशेष दर्शन-पूजन की व्यवस्था के साथ श्रद्धालुओं के लिए कई नई सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं।

मंदिर के मानित व्यवस्थापक प्रोफ़ेसर विनय कुमार पाण्डेय और सह व्यवस्थापक डॉ. सुभाष पाण्डेय की देखरेख में सावन माह के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। सह व्यवस्थापक के अनुसार, दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए महिला एवं पुरुषों की अलग-अलग कतारें बनाई जाएंगी, जबकि विश्वविद्यालय के छात्रों एवं कर्मचारियों के लिए अलग लाइन की व्यवस्था रहेगी। इससे मंदिर परिसर में भीड़ प्रबंधन बेहतर तरीके से किया जा सकेगा। 11 जुलाई से 9 अगस्त तक किसी भी रविवार या सोमवार अथवा अत्यधिक भीड़ वाले दिन गर्भगृह में यजमानों का रुद्राभिषेक पूजन नहीं कराया जाएगा। प्रशासन ने यह निर्णय श्रद्धालुओं की सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने के लिए लिया है। श्रावण महोत्सव के अंतर्गत दिव्यांग श्रद्धालुओं के लिए विशेष ध्यान रखा गया है। मंदिर परिसर में व्हीलचेयर, फर्स्ट एड बॉक्स, शीतल पेयजल आदि की व्यवस्था की गई है ताकि सभी को सहज और सुरक्षित दर्शन का अवसर मिल सके। मंदिर प्रतिदिन प्रातः 4 बजे से दोपहर 12 बजे तक और दोपहर 1 बजे से रात 9 बजे तक दर्शनार्थियों के लिए खुला रहेगा। बीएचयू परिसर का श्री विश्वनाथ मंदिर महामना पंडित मदन मोहन मालवीय की प्रेरणा से वर्ष 1931 में बनना शुरू हुआ था। निर्माण के दौरान आर्थिक संकट आने पर युगल किशोर बिड़ला ने महत्त्वपूर्ण सहयोग दिया। हालांकि मालवीय जी के जीवनकाल में मंदिर का निर्माण पूरा नहीं हो पाया। वर्ष 1954 तक मंदिर शिखर को छोड़कर तैयार हो गया था और 17 फरवरी 1958 को भगवान शिव की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की गई। 1966 में मंदिर शिखर का कार्य पूर्ण हुआ। लगभग 250 फीट ऊंचा यह शिखर विश्व में शिव मंदिरों में सबसे ऊंचा माना जाता है। श्री विश्वनाथ मंदिर परिसर में कुल 9 मंदिर हैं। मुख्य तल पर बाबा विश्वनाथ (शिवलिंग), नटराज, माता पार्वती, गणेश, सरस्वती, पंचमुखी महादेव, हनुमान, और नंदी महाराज विराजमान हैं। प्रथम तल पर महामाया, भगवान शंकर, और लक्ष्मी नारायण की मूर्तियां प्रतिष्ठित हैं। श्रद्धालुओं की सहूलियत के लिए परिसर में प्रसाद और धार्मिक पुस्तकों की बिक्री बोर्ड, यशस्वी आश्रम, और विश्रामशाला जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। मंदिर के प्रांगण में बीएचयू के संस्थापक पं. मदन मोहन मालवीय की प्रतिमा भी श्रद्धा का केंद्र बनी हुई है।